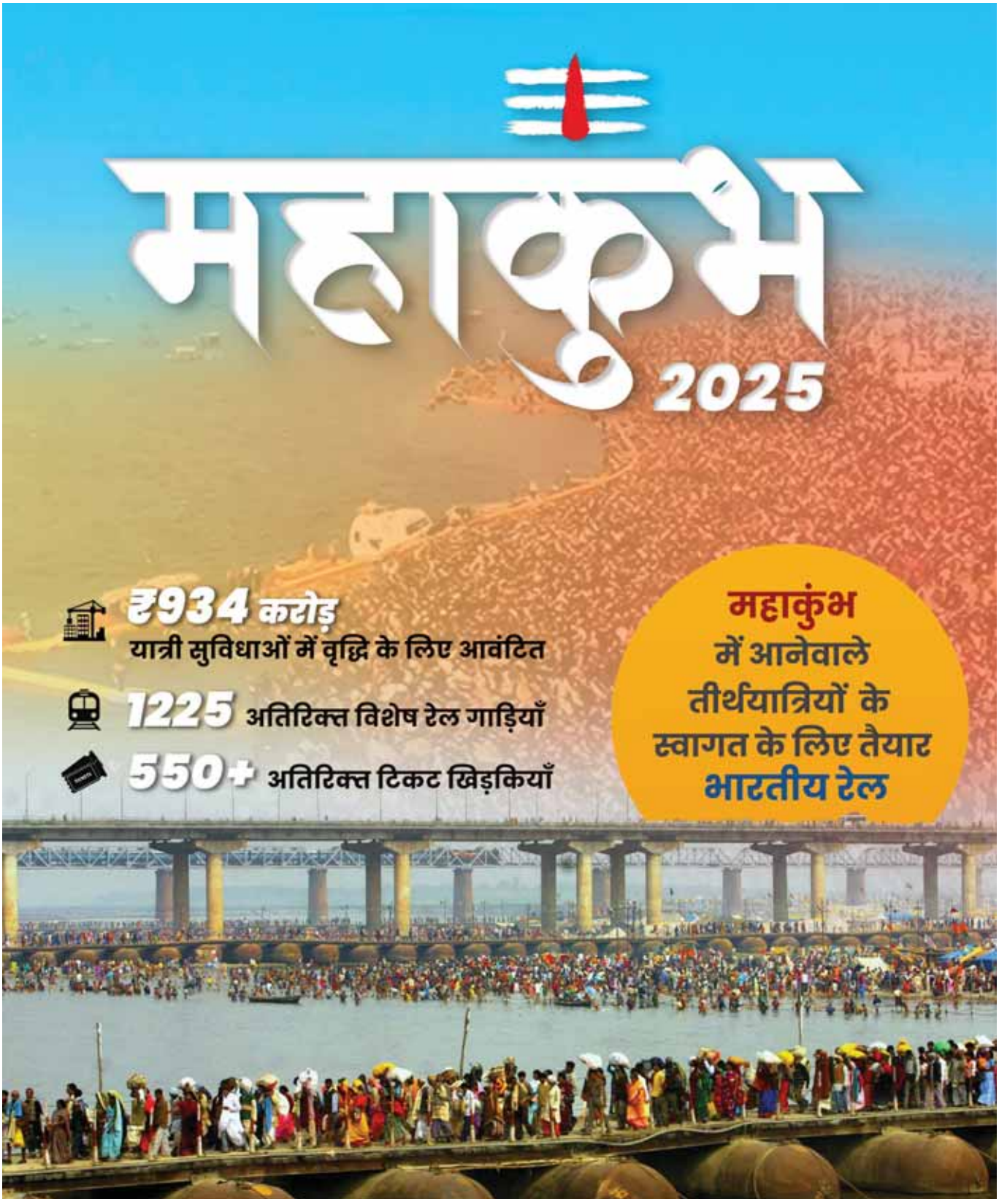
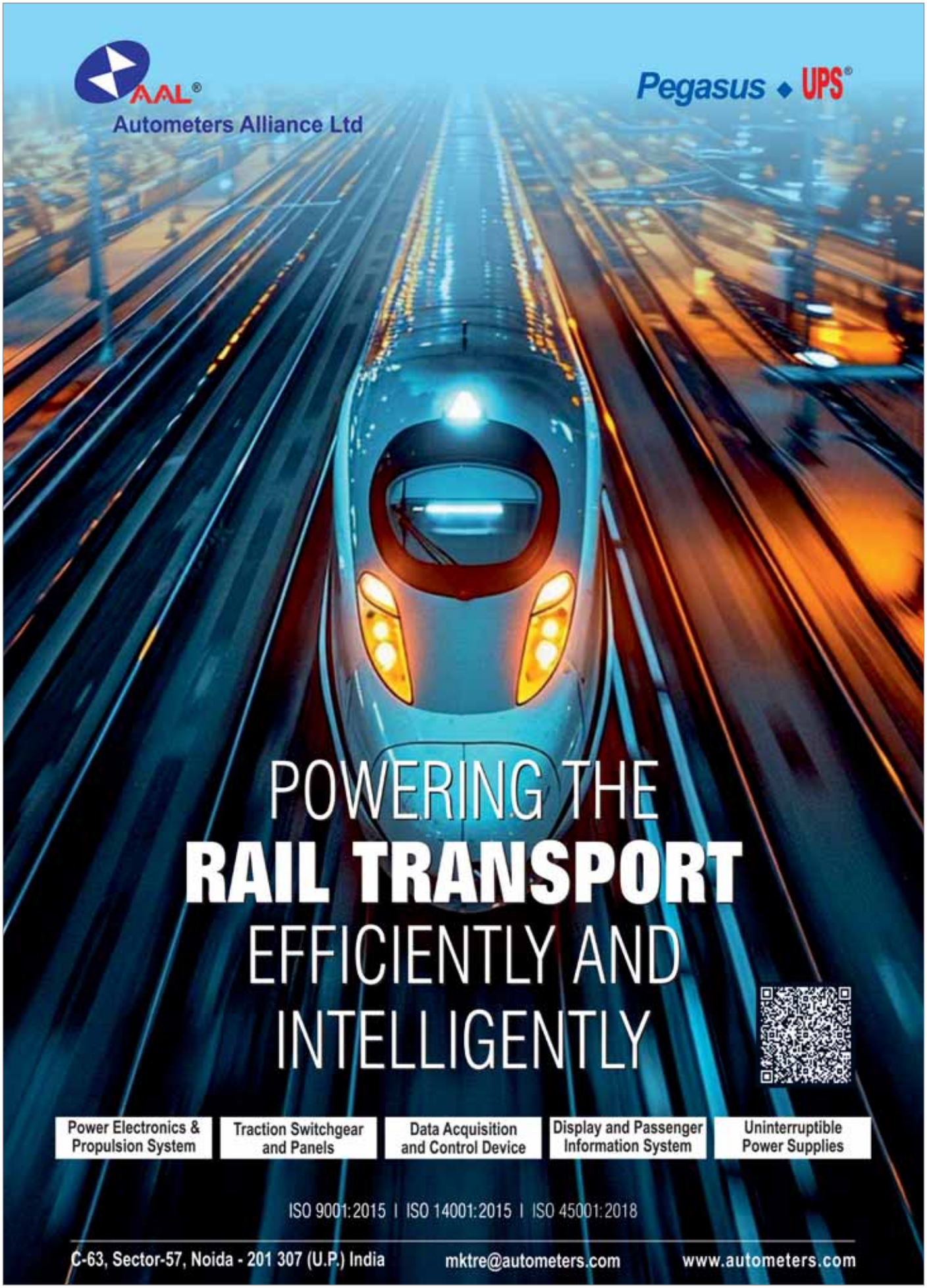
भारतीय रेल

नवम्बर 2024

मूल्य ₹ 20




AAL®
Autometers Alliance Ltd
Pegasus ◆ UPS®
POWERING THE
RAIL TRANSPORT
EFFICIENTLY AND
INTELLIGENTLY
Power Electronics & Propulsion System
Traction Switchgear and Panels
Data Acquisition and Control Device
Display and Passenger Information System
Uninterruptible Power Supplies
ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018
C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India
mktre@autometers.com
www.autometers.com

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 | वर्ष: 65 | अंक: 04 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | नवम्बर-2024 | मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

श्री सतीश कुमार
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री रूपा श्रीनिवासन
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

सुश्री अरुणा नायर
सचिव, रेलवे बोर्ड

दिलीप कुमार
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

शिवाजी मारुती सुतार
निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
ललित कुमार धनकड़
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
महाकुंभ 2025

फॉलो करें
Twitter :
@bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20 वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 **केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 1 दोहरीकरण एवं 1 नई रेल लाइन परियोजना को मंजूरी**

7 **गंगा नदी पर नए रेल-सह-सड़क सेतु सहित**
वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग के निर्माण को कैबिनेट दी मंजूरी

9 **सियालदह स्टेशन पर प्लेटफॉर्म के विस्तार का लोकार्पण**

10 **40वीं आरपीएफ स्थापना दिवस परेड का आयोजन**
रेल मंत्री द्वारा अनुकरणीय सेवा हेतु आरपीएफ कर्मी सम्मानित

11 **रेल मंत्री ने नासिक में मुख्य इंजन निरीक्षकों का उत्साहवर्धन किया**

12 **मध्य प्रदेश में जौरा-अलापुर से कैलारस तक मेमू सेवा का विस्तार**

13 **झारखंड में रेल संपर्क को मिला बढ़ावा**
रेल मंत्री ने साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

14 **रेल मंत्री द्वारा 'शेतकरी समृद्धि' विशेष किसान रेलगाड़ी का शुभारंभ**

15 **भारत-स्विट्ज़रलैंड के संबंध हुए और मजबूत**
तकनीकी सहयोग हेतु भारतीय रेल और डीईटीईसी के बीच समझौता

16 **केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री द्वारा सिकंदराबाद-वास्को-द-गामा**
एक्सप्रेस का शुभारंभ

17 **रेल राज्य मंत्री ने अशोकपुरम् और मैसूरु रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया**

19 **रेलवे सुरक्षा बल ने अपने शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की**

20 **चार राज्यों के सांसदों ने की दक्षिण मध्य रेलवे में चल रही**
रेल परियोजनाओं की समीक्षा

23 **महाकुंभ 2025 भारतीय रेल प्रमुख सहयोगी की भूमिका में**

28 **स्वच्छता ही सेवा - 2024 भारतीय रेल ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान**
45.20 करोड़ वर्ग मीटर क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया

34 **भारतीय रेल और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बच्चों की सुरक्षा हेतु**
अद्यतन एसओपी जारी की

36 **मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना**

41 **भारतीय रेल का महत्त्वपूर्ण निर्णय, अब अग्रिम आरक्षण अवधि हुई 60 दिन**

42 **क्षेत्रीय रेल एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार**

45 **खेलों में भारतीय रेल**

48 **प्रगति रिपोर्ट**

51 **अमृत भारत स्टेशन योजना**

54 **तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन परियोजना**

56 **दक्षिण काशी के लिए कोल्हापुर - पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस** — पराग पुरोहित

58 **राजस्थान की पर्वतीय रेलवे : गोरम घाटी मीटर गेज रेलवे** — विमलेश चंद्र

62 **संतुलित जीवन : रेल संदेश** — नीरज दुबे

63 **रेल व्हील इंटरेक्शन के कारण गतिक स्थिरता**
और प्रतिबल की गणना — सुभाष कुमार बौद्धा

67 **रक्तदान – महादान** — राकेश शर्मा 'निशीथ'

संपादकीय



महाकुंभ 2025 – भारतीय रेल तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए तैयार

कुंभ मेला परंपरा का दुनिया भर में रहने वाले करोड़ों हिंदुओं के जीवन में आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक महत्त्व है। अनुपम, अतुलनीय एवं भव्य महाकुंभ 2025 का आयोजन जनवरी तथा फरवरी माह में प्रयागराज में होने जा रहा है। भारतीय रेल की कुंभ के दौरान तीर्थयात्रियों की सेवा करने की बहुत लंबी परंपरा रही है। देश के कोने-कोने से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए परिवहन का सबसे महत्त्वपूर्ण साधन रेलवे है। महाकुंभ 2025 में तीर्थयात्रियों को लाने, स्वागत करने और उनके गंतव्य तक वापस ले जाने के लिए भारतीय रेल युद्धस्तर पर तैयारियाँ कर रही है। इस महाकुंभ मेले में प्रयागराज में मुख्य स्नान के दिनों में लगभग 40 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है।

प्रयागराज जिले में उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे तथा उत्तर पूर्व रेलवे के 9 स्टेशन-प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झांसी हैं। भारतीय रेल इन स्टेशनों पर तीर्थयात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए ₹933.62 करोड़ की लागत की बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। इन कार्यों में ₹494.90 करोड़ की लागत से यात्री सुविधाओं में वृद्धि और ₹438.72 करोड़ से रोड ओवर एवं अंडर ब्रिज का निर्माण शामिल है। 79 यात्री सुविधाओं के कार्य किये जा रहे हैं।

तीर्थयात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए सभी स्टेशनों पर होल्डिंग क्षमता भी बढ़ाई जा रही है। आश्रय स्थान बनाए जा रहे हैं। देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को बहुभाषी उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से विभिन्न भाषाओं में जानकारियाँ दी जाएंगी। तीर्थयात्रियों की ऑनलाइन मदद करने के लिए महाकुंभ रेलवे हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर-1800-4199-139 जारी किया गया है और एक कुंभ-2025 मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है।

प्रयागराज के सभी स्टेशनों पर अतिरिक्त 550 से अधिक टिकटिंग प्वाइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ये सभी काउंटर प्रतिदिन लगभग 9,76000 टिकट प्रदान कर सकते हैं, इस प्रकार प्रति टिकट दो यात्रियों की गणना करने पर प्रतिदिन लगभग 19,52,000 यात्रियों को सेवा प्रदान की जा सकती है। भारतीय रेल ने निर्बाध ट्रेन यातायात संचालन हेतु ढाँचागत सुविधाओं में भी वृद्धि की है। भारतीय रेल कुंभ मेला अवधि के दौरान अधिक से अधिक रेलगाड़ियाँ चलाने की योजना बनी रही है। रेलवे ने 140 नियमित रेलगाड़ियों के अलावा मुख्य स्नान के दिनों में 1,225 विशेष रेलगाड़ियाँ (825 छोटी दूरी की और 400 लंबी दूरी की आरक्षित ट्रेन) चलाने की योजना बनाई है। यह कुंभ 2019 के दौरान चलाई गई ट्रेनों से लगभग 177 प्रतिशत अधिक हैं।

इस महान मानव उत्सव में भीड़ का प्रबंधन भी अपने आप में चुनौती होती है। महाकुंभ मेला अवधि के दौरान सभी हितधारकों के बीच निर्बाध संचार सुनिश्चित करने पर भी बहुत ध्यान दिया जा रहा है। प्रत्येक स्टेशन से दिशावार आवाजाही की योजना बनाई गई है और यात्रियों तक जानकारी प्रसारित करने के लिए उचित 360 डिग्री प्रचार की रणनीति तैयार की गई है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक चिकित्सा बूथ तथा एम्बुलेंस की सुविधा रहेगी। निगरानी के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में लाइव फुटेज के साथ 651 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से लगभग 100 कैमरों में उपद्रवियों और असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए एआई आधारित चेहरा पहचान प्रणाली है।

महाकुंभ 2025 में तीर्थयात्रियों की यात्रा सुखद रहे, इसी लक्ष्य के साथ भारतीय रेल की टीम पिछले एक वर्ष से अथक प्रयास कर रही है।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा हमें जरूर बताएँ।

PM GatiShakti

रेल नेटवर्क के विस्तार को बढ़ावा



केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 1 दोहरीकरण एवं 1 नई रेल लाइन परियोजना को मंजूरी

- परियोजना लागत : **₹6,798 करोड़**
- कवर किए गए राज्य : **आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार**
- कवर किए गए जिलों की संख्या : **8**

- लगभग **556** गाँवों और लगभग **21 लाख** आबादी के लिए संपर्क मार्ग का निर्माण करना।
- लगभग **106 लाख** मानव-दिवसों का प्रत्यक्ष रोजगार सृजन हुआ।
- वर्तमान रेल नेटवर्क में लगभग **313 कि.मी.** तक की वृद्धि
- **31 एमटीपीए** की अतिरिक्त माल ढुलाई सुविधा।
- तेल आयात और CO_2 उत्सर्जन में कमी।



एरुपलेम-अमरावती-नम्बूर
नई रेल लाइन परियोजना

- परियोजना लागत : ₹2,245 करोड़ (लगभग)
- परियोजना की लंबाई : 57 किमी

लाभ :

- हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता के साथ अमरावती का सीधा रेल संपर्क
- अमरलिंगेश्वर स्वामी मंदिर, अमरावती स्तूप, ध्यान बुद्ध प्रतिमा और उंडावल्ली गुफाओं जैसे धार्मिक स्थलों तक पहुंच में सुधार
- मछलीपट्टनम, कृष्णापट्टनम और काकीनाडा बंदरगाहों तक संपर्क में वृद्धि

नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर खंड
का दोहरीकरण

- परियोजना लागत : ₹4,553 करोड़ (लगभग)
- परियोजना की लंबाई : 256 किमी
- कवर किया गया राज्य : बिहार

लाभ :

- यात्री और मालगाड़ियों की आसान आवाजाही
- नेपाल के बीरगंज में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो को जोड़ना, जो भारत-नेपाल व्यापार के लिए एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है
- 87 लाख मानव-दिवसों का रोजगार सृजित करना
- अयोध्या, सीतामढ़ी, काठमांडू, जनकपुर और लुंबिनी के बीच पहुंच में सुधार

₹6,798 करोड़ की दो रेल परियोजनाओं पर कैबिनेट की मुहर



रेल परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी संवाददाताओं से साझा करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय की ₹6,798 करोड़ (लगभग) की कुल अनुमानित लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मंजूर की गयी दो परियोजनाएँ हैं- (क) नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर खंड का दोहरीकरण, जो 256 कि.मी. लंबा है और (ख) अमरावती होकर एर्रुपलेम और नम्बुरु के बीच 57 कि.मी. लंबी नई लाइन का निर्माण। ये दोनों परियोजनाएँ 5 वर्षों में पूरी की जायेंगी। इन परियोजनाओं से लगभग 106 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा।

नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर खंड के दोहरीकरण से नेपाल, पूर्वोत्तर भारत और सीमावर्ती क्षेत्रों से परिवहन-संपर्क मजबूत होगा और मालगाड़ियों के साथ-साथ यात्री रेलगाड़ियों की आवाजाही में सुविधा होगी, जिसके परिणामस्वरूप, क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

एर्रुपलेम-अमरावती-नम्बुरु नई रेल लाइन परियोजना आंध्र प्रदेश के एनटीआर विजयवाड़ा और गुंटूर जिलों तथा तेलंगाना के खम्मम जिले से होकर गुजरती है।

3 राज्यों, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार, के 8 जिलों को शामिल करने वाली ये दो परियोजनाएँ, भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 313 कि.मी. तक की वृद्धि करेंगी।

नई लाइन परियोजना 9 नए स्टेशनों के साथ लगभग 168 गाँवों और लगभग 12 लाख आबादी को परिवहन-संपर्क सुविधा प्रदान करेगी। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना दो आकांक्षी जिलों (सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर) में परिवहन-संपर्क सुविधा बढ़ाएगी, जिससे लगभग 388 गाँवों और लगभग 9 लाख आबादी को सेवा प्राप्त होगी।

ये कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 31 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे, परिवहन का पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत तथा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (168 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा। यह 7 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

नई लाइन का प्रस्ताव, आंध्र प्रदेश की प्रस्तावित राजधानी 'अमरावती' को सीधा संपर्क प्रदान करेगा तथा उद्योगों और आबादी की परिवहन-सुविधा में सुधार करेगा। इससे भारतीय रेल की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव, परिचालन को आसान बनाएगा और भीड़-भाड़ को कम करेगा, जिससे भारतीय रेल के सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक अवसंरचना विकसित होगी।

ये परियोजनाएँ प्रधानमंत्री के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को 'आत्मनिर्भर' बनाने पर आधारित है। इन परियोजनाओं से लोगों के रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ये परियोजनाएँ मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है। परियोजनाएँ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध परिवहन-संपर्क सुविधा प्रदान करेंगी।■

गंगा नदी पर
नए रेल-सह-सड़क सेतु सहित वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय
मल्टीट्रैकिंग के निर्माण को कैबिनेट दी मंजूरी

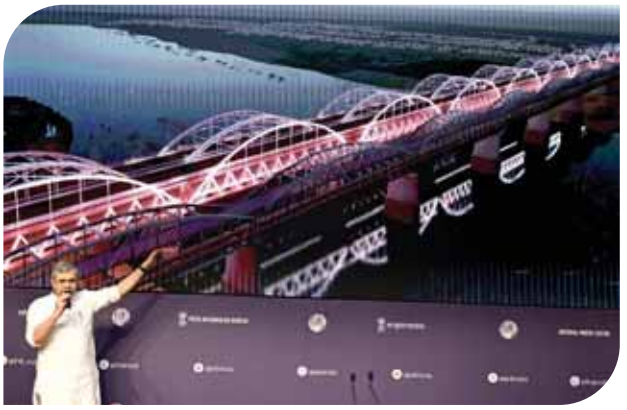


- **इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत ₹2,642 करोड़ है और यह चार वर्षों में पूरी होगी**
- **यह परियोजना निर्माण के दौरान लगभग 10 लाख मानव दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित करेगी**

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने दिनांक 16 अक्टूबर, 2024 को रेल मंत्रालय की एक परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिसकी कुल अनुमानित लागत ₹2,642 करोड़ (लगभग) है। यह प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना भारतीय रेल के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढाँचागत विकास उपलब्ध कराते हुए परिचालन को आसान बनाएगी और भीड़-भाड़ को कम करेगी। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरेगी।

वाराणसी रेलवे स्टेशन, भारतीय रेल का एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र है। यह रेलवे स्टेशन प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ता है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों एवं स्थानीय आबादी के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) जंक्शन मार्ग कोयला, सीमेंट एवं खाद्यान्न जैसे सामानों के परिवहन के साथ-साथ बढ़ते पर्यटन एवं उद्योग जगत की मांगों को पूरा करने में अपनी भूमिका के कारण भारी भीड़-भाड़ का सामना करता है।

इस समस्या के समाधान के लिए, बुनियादी ढाँचे के उन्नयन की आवश्यकता है, जिसमें गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क सेतु और तीसरी एवं चौथी रेलवे लाइनों का निर्माण शामिल है।



गंगा नदी पर नए रेल-सह-सड़क पुल के बारे मे प्रेस को संबोधित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

इन संवर्द्धनों का उद्देश्य क्षमता व दक्षता को बेहतर बनाना और इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायता करना है। इस खंड में भीड़-भाड़ से राहत के अलावा, प्रस्तावित खंड पर 27.83 एमटीपीए माल ढुलाई का अनुमान है।

यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो इस क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से



गंगा नदी
पर नया रेल-सह-सड़क पुल

- काशी में साल्विया पुल गंगा नदी पर सबसे महत्वपूर्ण रेलवे पुलों में से एक है, जो उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी राज्यों को जोड़ता है।
- मौजूदा मालवीय पुल, रेल-सह-सड़क पुल (2-लाइन रेल और 2-लेन सड़क), लगभग 137 साल पुराना है। वाराणसी और डीडीयू के बीच का मार्ग अतिसंतृप्त (163%) है, और इसलिए मार्ग को मालवीय पुल के साथ प्रतिस्थापन की आवश्यकता है।
- गंगा पर 4 रेलवे लाइनों और 6 लेन राजमार्ग पुल के साथ नया रेल-सड़क पुल बनाया जाएगा।
- निवेश : ***₹2,642*** करोड़।
- प्रति वर्ष लगभग 8 करोड़ लीटर डीजल आयात की बचत (लगभग ***₹638*** करोड़ प्रति वर्ष)।



क्षेत्र के लोगों को 'आत्मनिर्भर' बनाएगी जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी से संबंधित पीएम-गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है, जो समन्वित योजना निर्माण के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं एवं सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

उत्तर प्रदेश के दो जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 30 कि.मी. की वृद्धि होगी। पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा के मामले में किफायती परिवहन का साधन होने के कारण, रेलवे जलवायु संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने और देश की लॉजिस्टिक्स की लागत एवं कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन (149 करोड़ किलोग्राम), जो छह करोड़ पेड़ों के रोपण के बराबर है, को कम करने में मदद करेगा।■

सियालदह स्टेशन पर प्लेटफॉर्म के विस्तार का लोकार्पण

■ रेल मंत्री ने नई रेल सेवाओं और नशीपुर रेलवे पुल का उद्घाटन किया



वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सियालदह-राणाघाट ईएमयू, अजीमगंज-कोसिमबाजार एमईएमयू और कृष्णानगर-अजीमगंज पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 2 अक्टूबर, 2024 को सियालदह रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में 12 कोच वाली ईएमयू लोकल ट्रेनों को समायोजित करने के लिए पांच प्लेटफॉर्म (प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 5) का विस्तार राष्ट्र को समर्पित किया। ईएमयू ट्रेनों को 9 कोच से 12 कोच वाले रेक में अपग्रेड किया गया है, जिससे उपनगरीय यात्रियों को अधिक सहूलियत मिलेगी। रेल मंत्री ने मुर्शिदाबाद जिले में नवनिर्मित नशीपुर रेलवे पुल पर यात्री ट्रेन सेवाओं का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर, श्री वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सियालदह-राणाघाट ईएमयू, अजीमगंज-कोसिमबाजार एमईएमयू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन और कृष्णानगर-अजीमगंज पैसेंजर ट्रेन तथा राधिकापुर-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का उद्घाटन किया। श्री वैष्णव ने सियालदह में एक रेल कोच रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया तथा सियालदह में प्रदर्शित पुरानी फिल्मों के पोस्टरों की एक प्रदर्शनी का भी भ्रमण किया, जिसमें भारतीय रेल पर फिल्माए गए भारतीय फिल्मों के दृश्य दिखाए गए थे। उन्होंने सियालदह में 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' स्टॉल से डिजिटल भुगतान कर स्वदेशी उत्पाद खरीदे। श्री वैष्णव ने ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड में एक मॉडिफाइड गार्ड वैन का भी निरीक्षण किया।

रेल मंत्री ने कहा कि 1972 से 2014 के बीच कोलकाता मेट्रो ट्रैक की केवल 28 कि.मी. लंबाई विकसित की गई थी। हालांकि, पिछले दशक 2014 से 2024 तक, अतिरिक्त 38 कि.मी. ट्रैक बिछाया गया है, जो राज्य में मेट्रो नेटवर्क को बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर बालुरघाट के सांसद श्री सुकांत मजूमदार, पूर्वोत्तर क्षेत्र के शिक्षा एवं विकास राज्य मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री और बनगाँव के सांसद श्री शांतनु ठाकुर, पश्चिम बंगाल के विधानसभा सदस्य श्री समिक भट्टाचार्य, रानाघाट के सांसद श्री जगन्नाथ सरकार, रायगंज की पूर्व सांसद श्रीमती देबाश्री चौधरी, पद्मश्री श्री प्रहलाद राय अग्रवाल और पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देउस्कर भी उपस्थित रहे।■



'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत श्रमदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं अन्य महानुभाव

40वीं आरपीएफ स्थापना दिवस परेड का आयोजन

रेल मंत्री द्वारा अनुकरणीय सेवा हेतु आरपीएफ कर्मी सम्मानित



आरपीएफ की 40वीं स्थापना दिवस परेड समारोह में आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। इस अवसर पर आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव, मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीना एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 4 अक्टूबर, 2024 को नासिक स्थित आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की 40वीं स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रेल मंत्री ने 33 आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया, जिन्हें वर्ष 2023 और 2024 के दौरान यात्रियों की जान बचाने में उनके साहसी प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुलिस पदक और जीवन रक्षा पदक प्रदान किए गए।

रेल मंत्री ने अनुशासन और प्रतिबद्धता के एक महत्त्वपूर्ण प्रदर्शन के रूप में आरपीएफ परेड के दौरान औपचारिक सलामी भी ली। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, श्री वैष्णव ने 'संज्ञान' मोबाइल एप्लिकेशन का हिंदी संस्करण भी लॉन्च किया, जिससे बल के भीतर संचार को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने तीन नए अधिनियमित आपराधिक कानूनों पर संदर्भ पुस्तकों के हिंदी संस्करण भी जारी किए, जिनका उद्देश्य आरपीएफ कर्मियों के कानूनी ज्ञान को मजबूत करना है।

रेल मंत्री ने सुरक्षा उपायों को बढ़ाने में आधुनिक तकनीक को सक्रिय रूप से अपनाने के लिए आरपीएफ की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरपीएफ को अपने कर्मियों की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए बुलेट प्रूफ जैकेट और बेहतर हेलमेट सहित आधुनिक सुरक्षात्मक गियर से लैस किया जाएगा। इसके अलावा, मंत्री ने महिला कर्मियों के लिए सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ आरपीएफ के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए ₹35 करोड़ के अनुदान की घोषणा की। तमिलनाडु में आरपीएफ डॉग स्क्वॉड के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र तैयार करने के उद्देश्य से ₹5.5 करोड़ का अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत किया गया, जिसका उद्देश्य विशेष प्रशिक्षण बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना है।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया, जो भारतीय रेल के व्यापक परिवर्तन में मार्गदर्शक और प्रेरक शक्ति रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 5,300 कि.मी. नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं और पिछले 10 वर्षों में 31,000 कि.मी. नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं। पिछले 10 वर्षों के दौरान 40,000 कि.मी. लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है, जो पिछले 60 वर्षों में किए गए कार्यों से दोगुना है।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रेल का लक्ष्य वंदे भारत और अमृत भारत जैसी नए युग की ट्रेनों के माध्यम से अच्छी, आरामदायक, तेज और सस्ती यात्रा प्रदान करना है, साथ ही देश के सभी लोगों के लिए सुरक्षित यात्रा अनुभव के लिए कवच जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की सुविधा के लिए वर्तमान में लगभग 12,500 सामान्य श्रेणी के डिब्बे बनाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव, मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीना एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।■

रेल मंत्री ने नासिक में मुख्य इंजन निरीक्षकों का उत्साहवर्धन किया



महाराष्ट्र के नासिक में भारतीय रेल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मुख्य इंजन निरीक्षकों के साथ बातचीत करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 4 अक्टूबर, 2024 को महाराष्ट्र के नासिक में भारतीय रेल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान (आईआरआईईईएन) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मुख्य इंजन निरीक्षकों (सीएलआई) के साथ बातचीत की। रेल मंत्री ने लोकोमोटिव परिचालन के आधुनिकीकरण और भारतीय रेल में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से संबंधित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

श्री वैष्णव ने सीएलआई के साथ उनके प्रशिक्षण अनुभव, विशेष रूप से स्वदेशी स्वचालित रेलगाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली कवच के उपयोग के बारे में बातचीत की। सीएलआई ने इस बारे में अपने विचार साझा करते हुए बताया कि कैसे कवच प्रणाली रेलगाड़ी संचालन के दौरान गति बनाए रखने और सुरक्षा और समयपालन दोनों में सुधार करने में उनका आत्मविश्वास बढ़ाती है। चर्चा आधुनिक ब्रेकिंग प्रणाली, रेल इंजन में नई तकनीक और प्रभावी चालक दल प्रबंधन प्रथाओं पर भी केंद्रित थी।

रेल मंत्री ने 100 प्रतिशत वातानुकूलित रनिंग रूम और रेल इंजन निरीक्षकों के लिए बेहतर सुविधाओं की शुरुआत सहित चालक दल के लिए कामकाजी परिस्थितियों में सुधार के लिए रेलवे के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने ड्यूटी रोस्टर को विभाजित करके ड्यूटी के घंटों को कम करने और रेल इंजन को एयर कंडीशनिंग, शौचालय और आरामदायक सीटों से लैस करके आराम और सुरक्षा बढ़ाने के चल रहे प्रयासों को भी स्वीकार किया। श्री वैष्णव ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के कड़ाई से पालन के महत्त्व को रेखांकित किया और प्रशिक्षण मॉड्यूल पर दोहराया, जिसमें सिमुलेटर, फील्ड स्टाफ के सुझाव आदि शामिल हैं।

श्री एस के राठी, सीएलआई, भोपाल मंडल ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इंटरलॉकिंग से स्टेशन को मदद मिलती है। सुरक्षित संचालन के लिए मास्टर, ट्रैकमैन और कवच के लिए पीएसएसी स्लीपर ट्रैक एक क्रांतिकारी कदम है क्योंकि यह इंजन चालकों को रेलगाड़ी के सुरक्षित संचालन में सहायता करता है। इसे जारी रखते हुए सीएलआई में से एक निरीक्षक ने कहा कि कवच ने न केवल सुरक्षित रेलगाड़ी परिचालन में सहायता की है बल्कि उनके परिवार को खुश रखने में भी मदद की है क्योंकि कवच के कारण एलपी ड्यूटी सुरक्षित हो गई है। सीएलआई में से एक निरीक्षक ने कहा कि कवच एसपीएडी (सिग्नल पासिंग एट डेंजर) घटनाओं को रोकने में सहायता कर रहा है और समपार फाटकों पर सुरक्षा सुनिश्चित करता है। रेल मंत्री ने सीएलआई से पेश की जा रही आधुनिक प्रौद्योगिकियों का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया और भारतीय रेल के उच्च मानकों को बनाए रखने में निरंतर सीखने, समर्पण और प्रतिबद्धता के महत्त्व पर बल दिया।■

बेंगलुरु में रेल मंत्री द्वारा विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

दिनांक 5 अक्टूबर, 2024 को श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रेलवे स्टेशन (हाल्ट)–बेंगलुरु छावनी के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा बेंगलुरु छावनी रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों की समीक्षा हेतु रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर श्री वी. सोमन्ना, रेल राज्य मंत्री, श्री पी. सी. मोहन, सांसद, श्री अरविंद श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे, श्री अजय शर्मा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), प्रमुख विभागाध्यक्ष, श्री योगेश मोहन व मंडल रेल प्रबंधक, बेंगलुरु भी उपस्थित थे।■



मध्य प्रदेश में जौरा-अलापुर से कैलारस तक मेमू सेवा का विस्तार





वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के जौरा अलापुर और कैलारस स्टेशन के मध्य आमान परिवर्तन के उपरांत नवनिर्मित रेलखंड का लोकार्पण एवं आमान परिवर्तित रेल खंड पर तीन नई ट्रेनों की विस्तारित सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 6 अक्टूबर, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के जौरा अलापुर और कैलारस स्टेशन के मध्य आमान परिवर्तन के उपरांत नवनिर्मित रेलखंड का लोकार्पण एवं आमान परिवर्तित रेल खंड पर तीन नई ट्रेनों की विस्तारित सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस उद्घाटन समारोह का आयोजन मध्य प्रदेश के जौरा अलापुर रेलवे स्टेशन पर किया गया।

समारोह स्थल पर उपस्थित जन समुदाय को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए रेल मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे गरीबों और मिडिल क्लास की सवारी है। आमजन को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए 12,500 जनरल एवं स्लीपर कोच के निर्माण का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल और वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के माध्यम से भारतीय रेल को नया स्वरूप देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से 14 वाली अवधि में मध्य प्रदेश में रेल के विकास के लिए औसतन ₹632 करोड़ का प्रावधान किया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस साल के बजट में ₹14,700 करोड़ का प्रावधान मध्य प्रदेश में रेल के विकास के लिए किया गया है।

मध्य प्रदेश में पिछले 10 वर्षों में 222 कि.मी. की नई रेल लाइन परियोजनाएँ 1,200 कि.मी. की मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएँ और 707 कि.मी. की गेज परिवर्तन परियोजनाएँ पूर्ण हुई हैं। मध्य प्रदेश में कनेक्टिविटी में सुधार करने के साथ ही आपदा प्रबंधन और परियोजना निगरानी के लिए ड्रोन और जीपीएस ट्रैकर्स का इस्तेमाल कर सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। यह काम भारत में पहली बार किया गया है। यात्री सेवाएं देने के साथ ही ग्वालियर और खजुराहो स्टेशन का पुनर्विकास भी किया जा रहा है।

रेल मंत्री ने बताया कि ग्वालियर-श्योपुरकला (188 कि.मी.) आमान परिवर्तन प्रोजेक्ट ₹2,355 करोड़ की लागत से तैयार होने जा रहा है, जिसमें अब तक कुल 61 कि.मी. ट्रैक का कार्य संपन्न हो चुका है, शेष कार्य तीव्र गति से जारी है, जिसको जल्द से जल्द पूर्ण कर क्षेत्र की जनता को यह उच्चीकृत सेवा उपलब्ध होगी। इस नए 13 कि.मी. के खंड का निर्माण ₹163 करोड़ से हुआ है। इस परियोजना के तहत पूरे आमान परिवर्तन का कार्य अगले वर्ष जुलाई 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

इस अवसर पर सबलगढ़ की विधायक श्रीमती सरला बिजेंद्र रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ उत्तर मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री जे. एस. लाकरा और मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा एवं विभिन्न अधिकारी गण तथा सम्मानित नागरिकों की उपस्थिति रही।■



पूर्वोत्तर क्षेत्र के संचार और विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के जौरा अलापुर रेलवे स्टेशन से तीन नई ट्रेनों की विस्तारित सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया

झारखंड में रेल संपर्क को मिला बढ़ावा

रेल मंत्री ने साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी





वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दैनिक साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 10 अक्टूबर, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दैनिक साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई ट्रेन सेवा साहिबगंज को हावड़ा से जोड़ेगी। इस ट्रेन सेवा के शुरू होने से न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि क्षेत्र में व्यापार के अवसर और रोजगार भी बढ़ेंगे।

रेल मंत्री ने झारखंड को एक और तोहफा दिया है। अब से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आनंद विहार से अगरतला तक यात्रा करने वाली साप्ताहिक आनंद विहार-अगरतला तेजस राजधानी एक्सप्रेस अब झारखंड के साहिबगंज स्टेशन पर भी रुकेगी। साहिबगंज राज्य में इस ट्रेन का पहला पड़ाव होगा, इस प्रकार यह बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच झारखंड का एकमात्र स्टेशन होगा जहाँ ट्रेन रुकेगी।



रेल भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर गौड़ा से सांसद श्री निशिकांत दुबे भी उपस्थित थे

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, संथाल परगना क्षेत्र का एक लंबा इतिहास है और इसने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। झारखंड एक समृद्ध ऐतिहासिक संस्कृति वाला बड़ा राज्य है और देश भर के कई उद्योग बिजली आपूर्ति के लिए झारखंड पर निर्भर हैं। दस साल पहले झारखंड का रेल बजट महज ₹450 करोड़ था, लेकिन पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब यह बढ़कर ₹7,300 करोड़ हो गया है। झारखंड के विकास के लिए निवेश में 16 गुना वृद्धि है।

उन्होंने कहा कि पिछले दशक में झारखंड में 1,200 कि.मी. रेलवे लाइन का निर्माण और शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हुआ है। 57 स्टेशनों का पुनर्विकास प्रगति पर है और राज्य भर में कई नई परियोजनाएँ शुरू की गई हैं। झारखंड में रेलवे क्षेत्र के लिए ₹56,000 करोड़ के निवेश की योजना बनाई गई है। यह निवासियों को बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करेगा, नए उद्योगों को आकर्षित करेगा और रोजगार के अवसर पैदा करेगा। छात्रों के पास अपनी पढ़ाई के लिए यात्रा करने के साधन होंगे और चिकित्सा सेवाओं की जरूरत वाले लोगों को भी परिवहन की सुविधा मिलेगी।

रेल भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान गौड़ा से सांसद श्री निशिकांत दुबे भी इस अवसर पर उपस्थित थे, जबकि झारखंड के राजमहल से विधायक श्री अनंत कुमार ओझा ने साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में भाग लिया।■

रेल मंत्री द्वारा 'शेतकरी समृद्धि' विशेष किसान रेलगाड़ी का शुभारंभ

किसानों की उपज तेजी से देश के अन्य राज्यों तक पहुँचाना है उद्देश्य



महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर तक 'शेतकरी समृद्धि' विशेष किसान रेलगाड़ी का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 15 अक्टूबर, 2024 को महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर तक 'शेतकरी समृद्धि' विशेष किसान रेलगाड़ी का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र के देवलाली रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया तथा केंद्रीय रेल मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेल भवन से जुड़े थे।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने इस रेलगाड़ी का शुभारंभ करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य महाराष्ट्र के किसानों की उपज को तेजी से देश के अन्य राज्यों तक पहुँचाना है। यह ट्रेन नासिक, मनमाड़, जलगाँव, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, और दीनदयाल उपाध्याय सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे किसानों को अपनी उपज को सही समय पर और सही दाम पर बेचने का अवसर मिलेगा। किसान मात्र ₹4 प्रति किलो की दर से अपनी उपज को देवलाली और नासिक जैसे इलाकों से बिहार तक भेज सकेंगे। इस ट्रेन में छोटे और बड़े किसानों के लिए पार्सल वैन के साथ-साथ साधारण श्रेणी के कोच भी लगाए गए हैं, जिससे किसान और श्रमिक दोनों को सफर की सुविधा मिलेगी। देवलाली से दानापुर तक की 1,515 कि.मी. लंबी दूरी पर भाड़ा प्रति कि.मी., प्रति किलोग्राम मात्र 28 पैसे से भी कम होगा, जिससे जल्दी खराब होने वाले उत्पादों का कम लागत पर परिवहन संभव होगा। यह ट्रेन न केवल किसानों को नए बाजार उपलब्ध कराएगी, बल्कि श्रमिकों को भी सस्ती और सुविधाजनक यात्रा का साधन प्रदान करेगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

उन्होंने बताया कि यह ट्रेन किसानों के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई है, जिसके सफल होने पर आगे भी ऐसे और किसान हितैषी रेलगाड़ियों की शुरुआत की जाएगी।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में रेलवे के विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया गया है। वर्ष 2014 से पहले, महाराष्ट्र को प्रतिवर्ष रेलवे विकास के लिए मात्र ₹1,171 करोड़ का आवंटन मिलता था, जबकि इस वर्ष यह बजट बढ़ाकर ₹15,940 करोड़ कर दिया गया है। वर्तमान में राज्य में 5,870 कि.मी. नई रेल लाइन बिछाने के 41 प्रोजेक्ट्स स्वीकृत हैं, जिन पर कुल ₹81,000 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। इसके अलावा, महाराष्ट्र के 132 रेलवे स्टेशनों का विकास अमृत स्टेशन के रूप में किया जा रहा है, और 318 फ्लाईओवर तथा रोड अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

उन्होंने बुलेट ट्रेन परियोजना पर भी जानकारी दी, जिसके अंतर्गत महाराष्ट्र, गुजरात, और केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली से गुजरने वाली इस परियोजना के लिए अब तक 350 कि.मी. पियर फाउंडेशन, 316 कि.मी. पियर निर्माण, और 221 कि.मी. गर्डर कास्टिंग का कार्य पूरा हो चुका है। बुलेट ट्रेन परियोजना में समुद्र के नीचे 7 कि.मी. की सुरंग भी शामिल है, जो भारतीय रेल के आधुनिक और प्रगतिशील दृष्टिकोण को दर्शाता है।

श्री वैष्णव ने कहा कि महाराष्ट्र के मुंबई उपनगरीय नेटवर्क में कई परियोजनाएँ तेजी से पूरी हो रही हैं, जिनसे मुंबई की कनेक्टिविटी में सुधार आएगा। साथ ही, विरार से दहानू रोड के बीच रेल लाइन का चौहरीकरण भी किया जा रहा है। मुंबई मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के उपनगरीय क्षेत्र में नई लोकल सेवाओं के विस्तार से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं, और रोजगार के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में मुंबई से मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीणा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।■

भारत-स्विट्जरलैंड के संबंध हुए और मजबूत
तकनीकी सहयोग हेतु भारतीय रेल और डीईटीईसी के बीच समझौता





रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और फेडरल काउंसिलर एवं फेडरल डीईटीईसी के प्रमुख श्री अल्बर्ट रोस्टी ने दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय रेल ने दिनांक 29 अक्टूबर, 2024 को स्विट्जरलैंड के पर्यावरण, परिवहन और संचार विभाग के साथ दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवीकृत और औपचारिक रूप दिए गए इस एमओयू को रेल मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इससे भारतीय रेल को प्रौद्योगिकी साझाकरण, ट्रैक रख-रखाव, प्रबंधन और निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए व्यापक ढाँचा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह भारतीय रेल के आधुनिकीकरण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघीय काउंसिलर तथा डीईटीईसी के प्रमुख श्री अल्बर्ट रोएस्टि ने कहा कि स्विट्जरलैंड की उन्नत रेलवे प्रौद्योगिकी परिचालन दक्षता, सुरक्षा मानकों, सेवा गुणवत्ता और रेलवे के बुनियादी ढाँचे के विकास में सुधार करके भारतीय रेल को लाभान्वित करेगी।

दिनांक 31 अगस्त, 2017 को हस्ताक्षरित मूल समझौता ज्ञापन पांच वर्षों के लिए वैध था और इसमें सहयोग के कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

ट्रैक्शन रोलिंग स्टॉक, इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (ईएमयू) और ट्रेन सेट, कर्षण प्रणोदन उपकरण, मालवाहक और यात्री कारें, झुकने वाली रेलगाड़ियां, रेलवे विद्युतीकरण उपकरण, रेल समय-निर्धारण एवं परिचालन सुधार, रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, बहुविधीय परिवहन समाधान, सुरंग प्रौद्योगिकी।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर से पहले भारतीय रेल और स्विट्जरलैंड के रेलवे प्रतिनिधियों के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया था। इस कार्य समूह ने सहयोग के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों का पता लगाने के लिए दो बैठकें आयोजित की और इसी अनुरूप दिनांक 21 अक्टूबर, 2019 और दिनांक 30 अगस्त, 2022 को सत्र आयोजित किए गए। चर्चा के मुख्य क्षेत्र थे मालवाहक और यात्री कारें, रेलवे विद्युतीकरण उपकरण, रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, सुरंग प्रौद्योगिकी।

दिनांक 11 अक्टूबर, 2023 को हुई संयुक्त कार्य समूह की तीसरी बैठक में भारत ने पूंजीगत व्यय प्रस्तावों को प्रस्तुत किया जिसमें स्विस फर्मों के लिए भारतीय रेल क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण निवेश अवसरों को रेखांकित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने स्विट्जरलैंड के संघीय परिवहन कार्यालय के निदेशक श्री पीटर फुगलीस्टालर के साथ की थी। इस साझेदारी से भारत में रेलवे सेवाओं की दक्षता और विश्वसनीयता बढ़ेगी, जिससे यात्रियों और माल की ढुलाई में लाभ होगा। स्विट्जरलैंड की नामी कंपनियाँ मशीनरी, सामग्री और सुरंग निर्माण के क्षेत्र में परामर्श सेवाएँ प्रदान करेंगी। इस कार्यक्रम में स्विट्जरलैंड में भारत के राजदूत श्री मृदुल कुमार और स्विट्जरलैंड के संघीय काउंसिलर तथा संघीय पर्यावरण, परिवहन एवं संचार विभाग (डीईटीईसी) के प्रमुख श्री अल्बर्ट रोएस्टि भी उपस्थित थे।■

केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री द्वारा सिकंदराबाद-वास्को-द-गामा एक्सप्रेस का शुभारंभ





कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने दिनांक 6 अक्टूबर, 2024 को सिकंदराबाद स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में सिकंदराबाद-वास्को-द-गामा उद्घाटन एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री एम. अनिल कुमार यादव, सांसद (राज्यसभा) और श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे तथा अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री रेड्डी ने कहा कि यह ट्रेन तेलंगाना के प्रमुख शहरों के लोगों को सीधी सुविधा प्रदान करती है तथा यह ट्रेन कर्नाटक के प्रमुख शहरों की यात्रा करने के इच्छुक लोगों की भी सेवा करती है। उन्होंने बताया कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का विश्व स्तरीय मानकों के साथ ₹700 करोड़ की अनुमानित लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है तथा कार्य 2025 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।■

नव विकसित चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन का केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री द्वारा निरीक्षण

कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने दिनांक 20 अक्टूबर, 2024 को चेरलापल्ली में नव विकसित सैटेलाइट टर्मिनल स्टेशन का निरीक्षण किया। मलकाजगिरी के सांसद श्री ईताला राजेंद्र तथा श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक दक्षिण मध्य रेलवे और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी निरीक्षण के दौरान उनके साथ थे।

इस अवसर पर मीडिया कर्मियों से बात करते हुए, श्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि चेरलापल्ली सैटेलाइट टर्मिनल को ₹430 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक तकनीक से विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर आधुनिक सुख-सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। मंत्री ने कहा कि नए चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन की क्षमता 25 जोड़ी ट्रेनों को संभालने की होगी। कुल 19 लाइन क्षमता के साथ दस नई लाइनें जोड़ी गई हैं। चेरलापल्ली स्टेशन सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचेगुडा स्टेशनों पर भीड़-भाड़ को कम करेगा। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना



राज्य के 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। सिकंदराबाद स्टेशन का ₹715 करोड़ की लागत से विश्व स्तरीय मानकों के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है।■

रेल राज्य मंत्री ने अशोकपुरम् और मैसूरु रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

दिनांक 13 सितम्बर, 2024 को श्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य रेल एवं जल शक्ति मंत्री ने अशोकपुरम् और मैसूरु रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इसके पश्चात् उन्होंने मैसूरु क्षेत्र में चल रही रेलवे परियोजनाओं पर चर्चा और समीक्षा के लिए मंडल रेल कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री यदुवीर वाडियार, सांसद, श्री टी.एस. श्रीवत्स, विधायक, श्री जी.टी. देवगौड़ा, विधायक, श्री तनवीर सैत, विधायक, श्रीमती शिल्पी अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक, मैसूरु एवं रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।■



रेल राज्य मंत्री ने मैसूरु की रेल परियोजनाओं की समीक्षा की



दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को श्री वी सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य एवं जल शक्ति मंत्री ने शिवमोग्गा में समीक्षा बैठक की। इसके बाद उन्होंने मीडिया को मैसूरु मंडल में रेलवे के बुनियादी ढाँचों में प्रमुख विकास के बारे में जानकारी दी, जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना भी शामिल है, जिसका उद्देश्य मैसूरु मंडल में ₹385 करोड़ की लागत से 15 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है। प्रमुख परियोजनाओं में शिमोग्गा–शिकारीपुरा–राणिबेन्नूर नई लाइन, कोटेगंगुरु में कोचिंग डिपो और शिवमोगा में विश्व स्तरीय माल शेड का विकास शामिल है। उन्होंने चल रही कई पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य यात्री सुविधाओं और परिचालन दक्षता को बढ़ाना, क्षेत्रीय आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी को दृढ़ करना है। श्री राघवेंद्र बी वाई विजयेंद्र, सांसद, श्री चन्नबसप्पा, विधायक, श्रीमती शारदा नाइक, विधायक, श्री भारती शेट्टी, सदस्य, विधान परिषद, श्री डी.एस. अरुण, सदस्य, विधान परिषद, श्रीमती बालकिश बानू, सदस्य, विधान परिषद, श्री डॉ. धनंजय सरजी, सदस्य, विधान परिषद, श्री गुरुदत्त हेगड़े, सदस्य, विधान परिषद, उपायुक्त, शिवमोग्गा, श्री अरविंद श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, श्रीमती शिल्पी अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक, मैसुरु तथा रेलवे एवं राज्य सरकार के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।■

रेल राज्य मंत्री ने तुमकुरु-यशवंतपुर के बीच ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दिनांक 27 सितम्बर, 2024 को श्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य और जल शक्ति मंत्री ने तुमकुरु–यशवंतपुर के बीच ट्रेन संख्या 06201/02 मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री जी.बी. ज्योति गणेश, विधायक, श्री एम.टी. कृष्णप्पा, विधायक, श्री सी.बी सुरेश बाबू, विधायक, श्री बी. सुरेश गौड़ा, विधायक, श्री जी.एस. बसवराजू, पूर्व सांसद, श्री एच. निंगप्पा, पूर्व विधायक, एन.एल. नरेंद्र बाबू, पूर्व विधायक, के.एम. थिम्मारायप्पा, पूर्व विधायक एवं श्री योगेश मोहन, मंडल रेल प्रबंधक, बेंगलुरु तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।■



रेल राज्य मंत्री ने तुमकुरु, चित्रदुर्ग और दावणगेरे में बैठकें कीं



श्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य एवं जलशक्ति मंत्री दिनांक 2 अक्टूबर, 2024 को तुमकुरु में डीसी कार्यालय में तुमकुरु-रायदुर्गा नई लाइन परियोजना और तुमकुरु-चित्रदुर्ग-दावणगेरे नई लाइन परियोजनाओं की प्रगति और भूमि अधिग्रहण की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की। इस समीक्षा बैठक के दौरान श्री ज्योति गणेश, विधायक, तुमकुरु नगर भी उपस्थित थे।

श्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य और जलशक्ति मंत्री ने दिनांक 2 अक्टूबर, 2024 को तुमकुर-चित्रदुर्ग-दावणगेरे नई रेलवे लाइन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के संबंध में चर्चा करने के लिए चित्रदुर्ग जिला कलेक्टर कार्यालय में स्थानीय सांसद, विधायक, रेलवे और जिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किया। चित्रदुर्ग के सांसद, श्री गोविंद मकथप्पा करजोल; चल्लकेरे के विधायक, श्री टी. रघुमूर्ति; विधायक, होलालकेरे, श्री एम चंद्रप्पा; डिप्टी कमिश्नर, चित्रदुर्ग एवं रेलवे और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

जिला आयुक्त कार्यालय में दिनांक 2 अक्टूबर, 2024 को श्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य एवं जलशक्ति मंत्री ने दावण गेरे में रेलवे परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा हेतु एक समीक्षा बैठक की। परियोजनाओं के सुचारू रूप से क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ स्थानीय प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।■

कर्नाटक की रेल परियोजनाओं का रेल राज्य मंत्री द्वारा आकलन

श्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य रेल एवं जल शक्ति मंत्री ने दिनांक 3 अक्टूबर, 2024 को रेल सौधा, प्रधान कार्यालय, हुब्बल्लि में समीक्षा बैठक की। उन्होंने कर्नाटक में विभिन्न रेलवे आधारभूत संरचना से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया। चर्चा में मुख्य रूप से दोहरीकरण/चौगुनीकरण और नई लाइन परियोजनाओं की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उल्लेख किया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 52 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, साथ ही यशवंतपुर और बेंगलुरु कैंट में मेगा रेलवे टर्मिनलों की योजना बनाई जा रही है, जिससे यात्रियों के अनुभव और परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा। श्री सोमन्ना ने राज्य भर में यात्रियों के लिए सेवा बढ़ाने के लिए कुशल समन्वय और समय पर निष्पादन के महत्त्व पर जोर दिया।



इस अवसर पर श्री महेश तेंगिंकाई, विधायक, श्रीमती दिव्या प्रभु, जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, धारवाड़, श्री अरविंद श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे, श्री के.एस. जैन, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे एवं प्रमुख अधिकारीगण के साथ-साथ मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।■

रेल राज्य मंत्री ने की विभिन्न रेल परियोजनाओं की समीक्षा



श्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य रेल एवं जल शक्ति मंत्री ने दिनांक 6 अक्टूबर, 2024 को बेल्लारी स्थित जिला कलेक्टर के नए कार्यालय में इस क्षेत्र की रेल परियोजनाओं की समीक्षा हेतु श्री ई. तुकाराम, सांसद, श्री नारा भारत रेड्डी, विधायक, रेलवे एवं जिला अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में विभिन्न रेल परियोजनाओं की समीक्षा की।■

रेलवे सुरक्षा बल ने अपने शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की



राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के समक्ष रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह, साथ में हैं सदस्य वित्त, सुश्री रूपा श्रीनिवासन, आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा तथा रेलवे और आरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी और शहीदों के परिवार के सदस्य

प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है, जो पूरे देश के लिए एक भावनात्मक कार्यक्रम है, जहाँ पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इस केंद्रीय समारोह के बाद, पूरे देश में पुलिस बल, केंद्र और राज्य दोनों, शहीदों का सम्मान करने, उनके परिवारों को सम्मानित करने और उनके साहस एवं बलिदान की गाथाओं को साझा करने के लिए 22 से 30 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं। प्रत्येक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल एवं केंद्रीय पुलिस संगठन को राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए एक विशिष्ट दिन प्रदान किया जाता है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा 'शहीद सप्ताह' के स्मरणोत्सव के हिस्से के रूप में पिछले वर्ष अपने कर्तव्य को पूरा करने में अपने प्राण न्योछावर करने वाले अपने 14 कर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। शहीदों के सम्मान और स्मरण के प्रतीक के रूप में, आरपीएफ अधिकारी नौ राज्यों में इन बहादुर व्यक्तियों के विद्यालयों और उनके पैतृक गाँवों का दौरा किया।

सम्मानित किए जाने वाले शहीदों में ईस्ट कोस्ट रेलवे के आरपीएफ हेड कांस्टेबल श्री निराकार बेहरा भी शामिल हैं, जिन्होंने फरवरी 2024 में अपना कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। 21 अक्टूबर को खुर्दा रोड मंडल के आरपीएफ कर्मियों द्वारा ओडिशा के गंजम जिले के नेट्टांगा के विद्यालय, एमई स्कूल में एक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। उनकी पत्नि श्रीमती गीतांजलि बेहरा ने अपने पति के बलिदान को मान्यता दिए जाने के लिए हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की।

दिनांक 28 अक्टूबर, 2024 को समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिन सुबह शहीदों के परिवारों को राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय, वॉल ऑफ वेलोर और राष्ट्रीय रेल संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा में केंद्रीय पुलिस बलों की महत्त्वपूर्ण भूमिका और भारतीय रेल के विकास, संचालन एवं सुरक्षा में आरपीएफ कर्मियों के ऐतिहासिक योगदान के बारे में राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में जानकारी प्रदान की गई।

इसी शाम के एक सत्र में केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा रेल एवं आरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने केंद्रीय मूर्तिकला को श्रद्धांजलि अर्पित की, मूर्तिकला जो अपना कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 36,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के बलिदान एवं वीरता का प्रतीक है।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने एक विशेष समारोह में आरपीएफ शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया। इसी शाम को एक बैंड डिस्प्ले और एक वीडियो प्रस्तुति की गई, जिसमें आरपीएफ कर्मियों की वीरता, बलिदान एवं समर्पण को प्रदर्शित किया गया।

रेल राज्य मंत्री ने आरपीएफ शहीदों के असाधारण बलिदान की 157 प्रेरक कहानियों के संकलन 'आरपीएफ में शहीदों का संग्रह' जारी किया। यह दस्तावेज, उन 1,087 आरपीएफ कर्मियों की स्मृति को याद दिलाता है, जिन्होंने अपने कर्तव्य के लिए अपनी जान दे दी। इस संग्रह की एक ऑनलाइन कॉपी आरपीएफ की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है, जिसमें सभी लोगों को बहादुरी की इन उल्लेखनीय कहानियों पर अपना विचार प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 को भारतीय रेल के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने, जो एक अर्धसैनिक बल है, एक 'डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर' वेबसाइट – www.digitalmemorialofvalour.in शुरू की है। जहाँ आप किसी शहीद की तस्वीर को पुष्पांजलि और मोमबत्ती से डिजिटल रूप से सजा सकते हैं।■

चार राज्यों के सांसदों ने की दक्षिण मध्य रेलवे में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा कर्नाटक के सांसदों के साथ अलग-अलग बैठक कर इन राज्यों में चल रही रेल परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। श्री जैन ने यात्री सेवाओं, माल लदान, माल शेड विकास, विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं, डिजिटल पहल, नई ट्रेनों की शुरुआत के साथ कनेक्टिविटी में वृद्धि, विशेष ट्रेनों को चलाने, अतिरिक्त कोचों की वृद्धि, स्टेशनों, ट्रेनों की सफाई, हरित पहल आदि से संबंधित एससीआर के प्रदर्शन के बारे में विस्तार से बताया। इन बैठकों में एससीआर के प्रमुख विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।



दक्षिण मध्य रेलवे ने नांदेड़ मंडल के अधिकार क्षेत्र के सांसदों के साथ दिनांक 30 सितंबर, 2024 को नांदेड़ में एक बैठक आयोजित की जिसमें महाराष्ट्र राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले 9 सांसदों ने भाग लिया। बैठक में शामिल होने वाले सांसद थे। सर्वश्री संजय जाधव, परभणी, नागेश पाटिल अष्टीकर, हिंगोली, संजय उत्तमराव देशमुख, यवतमाल-वाशिम, अनूप संजय धोत्रे, अकोला, डॉ. शिवाजी बंडप्पा कालगे, लातूर, अशोकराव शंकरराव चव्हाण (राज्यसभा), श्रीमती फौजिया खान (राज्यसभा) और श्री अजीत माधवराव गोपछड़े (राज्यसभा)।

दिनांक 4 अक्टूबर, 2024 को भी दक्षिण मध्य रेलवे ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, गुंटूर और गुंटकल मंडल क्षेत्राधिकार से संबंधित संसद सदस्यों के साथ एक बैठक की। बैठक में आंध्र प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले दो राज्य मंत्री और 15 सांसदों ने भाग लिया। बैठक में संचार और ग्रामीण विकास राज्य



मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, संसद सदस्य (राज्यसभा) श्री गोला बाबूराव और श्री अयोध्या रामी रेड्डी अल्ला, संसद सदस्य (लोकसभा) श्री सी.एम. रमेश, जी.एम. हरीश बालयोगी, पुट्टा महेश कुमार, केसिनेनी शिवनाथ, कृष्ण प्रसाद टेनेटी, मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी, जी. लक्ष्मीनारायण, वाई. एस. अविनाश रेड्डी, बस्तीपति नागराजू, पी.वी. मिधुन रेड्डी, लावु श्री कृष्ण देवरायलु और दग्गुमल्ला प्रसाद राव ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे ने दिनांक 24 अक्टूबर, 2024 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्राधिकार से संबंधित तेलंगाना और कर्नाटक राज्यं के सांसदों के साथ बैठक की। श्री जी. किशन रेड्डी, कोयला और खान मंत्री, श्री के.आर. सुरेश रेड्डी, सांसद, राज्यसभा, लोकसभा से सांसद श्री गोदाम नागेश, आदिलाबाद, श्री आर. रघुराम रेड्डी, खम्मम, श्री बलराम नाइक पोरिका, महबुबाबाद, श्रीमती डी.के. अरुणा, महबूबनगर, श्री एटाला राजेंदर, मल्काजगिरि, श्री रघुनंदन राव माधवनेनी, मेडक, डॉ. कादियाम काव्या, वारंगल, श्री सागर ईश्वर खंड्रे, बीदर और श्री राधाकृष्ण डोड्डामणि, कलबुर्गी ने बैठक में भाग लिया।

बैठक के दौरान सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में रेलवे के विकास कार्यों/सेवाओं से संबंधित कई मुद्दे उठाए। महाप्रबंधक ने कहा कि इस बैठक में विचार-विमर्श से रेलवे को इस क्षेत्र के लोगों के लिए रेलवे विकास योजनाओं को अंतिम रूप देने में काफी मदद मिलेगी। नये कार्यों/सेवाओं के लिए प्रस्ताव तैयार करते समय सदस्यों द्वारा व्यक्त सुझावों और विचारों पर उचित विचार किया जाएगा।■



रांची-गोरखपुर-रांची एक्सप्रेस का शुभारंभ



दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रांची-गोरखपुर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए श्री संजय सेठ, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री। इस अवसर पर सांसद श्रीमती महुआ माजी, विधायक श्री सीपी सिंह, और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे : बिलासपुर मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदों के साथ महाप्रबंधक की बैठक का आयोजन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले संसदीय क्षेत्रों के सांसदों की बैठक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक सुश्री नीनु इटियेरा के साथ दिनांक 6 सितम्बर, 2024 को आयोजित की गई। बैठक श्री तोखन साहू, सांसद बिलासपुर एवं राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सांसद श्री साहू अलावा श्रीमती हिमाद्री सिंह (शहडोल), श्रीमती कमलेश जांगड़े (जांजगीर-चांपा), श्री प्रदीप पुरोहित (बरगढ), श्री चिंतामणि महाराज (सरगुजा), श्री राधेश्याम राठिया (रायगढ़), श्री देवेंद्र प्रताप सिंह सांसद राज्यसभा (रायगढ़) सहित श्री जे. ओ. राम (सुंदरगढ़) एवं केंद्रीय मंत्री जन जातीय कार्य मंत्रालय तथा



डॉ. श्रीमती ज्योत्सना महंत (कोरबा) के प्रतिनिधि व उच्च रेल अधिकारी उपस्थित थे।■

पूर्व रेलवे ने सांसदों के साथ मंडल समिति की बैठक की





दिनांक 3 सितम्बर, 2024 को कोलकाता में पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिन्द देऊस्कर की उपस्थिति में हावड़ा और सियालदह मंडल क्षेत्र के सांसदों के साथ एक उच्च स्तरीय मंडल समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हावड़ा और सियालदह मंडल नेटवर्क के विभिन्न प्रमुख मुद्दों और विकास पहलुओं पर चर्चा हुई।

दिनांक 24 सितम्बर, 2024 को पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, प्रधान विभागाध्यक्षों और पूर्व रेलवे के आसनसोल और मालदा मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों की उपस्थिति में आसनसोल में आसनसोल और मालदा मंडल नेटवर्क पर सांसदों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मालदा और आसनसोल मंडल नेटवर्क के विभिन्न मुद्दों और विकास पहलुओं पर चर्चा हुई।■

पश्चिम रेलवे ने बान्द्रा टर्मिनस से लालकुआँ के बीच साप्ताहिक ट्रेन शुरू की



केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास आठवले और विधायक श्री आशीष शेलार ने दिनांक 13 अक्टूबर, 2024 को बान्द्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन से बान्द्रा टर्मिनस-लालकुआँ एक्सप्रेस की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज वर्मा भी मौजूद थे, जिन्होंने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।■

रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का सोनभद्र रेलवे स्टेशन पर ठहराव



दिनांक 6 अक्टूबर, 2024 को लोकसभा सदस्य, श्री छोटेलाल एवं विधायक, राबर्ट्सगंज, श्री भूपेश चौबे ने ट्रेन संख्या 12454 नई दिल्ली-रांची, राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव का सोनभद्र स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी के प्रतिनिधि श्री एसके गौतम, सदर ब्लाक प्रमुख, श्री अजीत रावत तथा क्षेत्र की जनता बड़ी संख्या में उपस्थित थी।■

रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला निर्मित नमो भारत रैपिड रेल का 145 कि.मी. प्रति घंटे की गति पर सफल परीक्षण



रेल डिब्बा कारखाना (रेडिका) कपूरथला ने 8 महीने की छोटी सी अवधि में उन्नत तकनीक वाली नमो भारत रैपिड रेल ट्रेन सेट का निर्माण करके एक और मील का पत्थर स्थापित किया है, जिससे भारतीय रेल के प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते कदमों को और गति मिली है। आरडीएसओ टीम द्वारा विभिन्न परीक्षण किए जाने के लिए इस ट्रेन सेट को रेडिका कपूरथला से 30 सितम्बर, 2024 को रवाना किया गया था। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में हाल ही में किए गए स्पीड एवं ब्रेकिंग डिस्टेंस ट्रायल के दौरान इस ट्रेन ने 145 कि.मी. प्रति घंटे की गति से लगभग 50 कि.मी. की दूरी सफलतापूर्वक तय की।

रेडिका द्वारा निर्मित नमो भारत रैपिड रेल ट्रेन सेट के डिब्बों में 100 व्यक्तियों के बैठने की और 180 व्यक्तियों के खड़े होने की क्षमता है। यह ट्रेन सेट अत्याधुनिक संरक्षा उपकरणों और कई नई यात्री सुविधाओं जैसे आपात स्थिति में यात्री-चालक टॉकबैक सिस्टम, आग और धुआं पहचान प्रणाली, टकराव से बचाव के लिए 'कवच' प्रणाली तथा दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय से लैस है। भुज-अहमदाबाद के बीच वर्तमान में चल रही नमो भारत रैपिड रेल में 12 कोच हैं और इसकी गति 110 कि.मी. प्रति घंटे है। इसकी यात्री क्षमता 3602 है। इसके विपरीत, रेडिका द्वारा निर्मित नई नमो भारत रैपिड रेल ट्रेन सेट में कोचों की संख्या 16 और 4,364 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता होगी तथा इसकी गति 130 कि.मी. प्रति घंटा होगी।■



महाकुंभ 2025

भारतीय रेल प्रमुख सहयोगी की भूमिका में

पौराणिक मान्यता है कि देवों और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से अंतिम रत्न के रूप में अमृत की प्राप्ति हुई थी। इसे सुरक्षित रखने और असुरों की पहुँच से दूर रखने के लिए भगवान विष्णु अमृत का कुंभ (घड़ा) ले जा रहे थे, तभी उसको लेने और छीनने के प्रयास में अमृत की चार बूँदें गिर गईं। जो प्रयाग, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन के चार तीर्थों पर धरती पर गिरीं। तीर्थ वह स्थान होता है जहाँ भक्त मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। यह आयोजन हर तीन साल में कुंभ मेले के रूप में मनाया जाता है, जो प्रत्येक तीर्थ पर बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। संगम को तीर्थराज, 'तीर्थों का राजा' के रूप में जाना जाता है और यहाँ हर बारह साल में एक बार कुंभ आयोजित किया जाता है, जो सबसे बड़ा और सबसे पवित्र है। कुंभ मेले को 2017 में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया था। पृथ्वी पर सबसे बड़ा शांतिपूर्ण मानव समागम माने जाने वाले कुंभ में तीर्थयात्री, जन्म और मृत्यु के अनन्त चक्र से मुक्ति मिलने के विश्वास के साथ पवित्र नदियों – गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करते हैं।

कुंभ मेला परंपरा का विश्व भर में रहने वाले करोड़ों हिंदुओं के जीवन में आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व है। यह आयोजन खगोल विज्ञान, ज्योतिष, अध्यात्म, अनुष्ठानिक परंपराओं और सामाजिक और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं के विज्ञान को समाहित करता है, जो इसे विविध क्षेत्रों और विषयों के ज्ञान का एक मिश्रण बनाता है। इस प्रकार परंपरा से संबंधित ज्ञान और कौशल, प्राचीन धार्मिक पांडुलिपियों, मौखिक परंपराओं, ऐतिहासिक यात्रा वृत्तांतों और प्रख्यात इतिहासकारों द्वारा निर्मित ग्रंथों के माध्यम से इस महान मानव उत्सव में प्रसारित किए जाते हैं।

प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर इसका आयोजन तब किया जाता है जब राशि चक्र में बृहस्पति मेष या वृषभ राशि में होता है और सूर्य और चंद्रमा ग्रेगोरियन कैलेंडर के जनवरी-फरवरी के आसपास हिंदू महीने माघ के दौरान मकर राशि में होते हैं। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान, छह मुख्य स्नान दिवस होते हैं- पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघीपूर्णिमा और महाशिवरात्रि। अनुमान है कि 2025 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेले में लगभग 40 करोड़ तीर्थयात्री आएंगे।

राष्ट्र की जीवन रेखा माने जाने वाले भारतीय रेल की कुंभ के दौरान तीर्थयात्रियों की सेवा करने की बहुत पुरानी परंपरा है। प्रयागराज आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए परिवहन के सबसे

महत्त्वपूर्ण साधनों में से एक भारतीय रेल उन्हें लाने, उनका स्वागत करने और वापस उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह तैयार हो रही है। इसके लिए लगभग एक साल से भी अधिक समय से बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं।

प्रयागराज जिले में प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी सहित कुल 9 रेलवे स्टेशन हैं, जो तीन क्षेत्रीय रेलवे : उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत आते हैं।

तीनों क्षेत्रीय रेलवे प्रयागराज में जनवरी-फरवरी 2025 के दौरान आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले की तैयारियों के लिए कार्यरत हैं। तीनों रेलवे और स्थानीय नागरिक प्रशासन के बीच आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के लिए, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा नोडल (समन्वय) रेलवे के रूप में नियमित समन्वय बैठकें आयोजित की जाती हैं। भारतीय रेल ₹933.62 करोड़ की लागत की बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। इन कार्यों में ₹494.90 करोड़ की लागत से यात्री सुविधाओं में वृद्धि और ₹438.72 करोड़ की लागत से रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज का निर्माण शामिल है।

यात्री सुविधा कार्य-तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाना

कुंभ पर्व हेतु 79 यात्री सुविधा कार्य किए जा रहे हैं। इनमें से 25 कार्य पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। इन कार्यों में स्टेशन भवन/प्लेटफॉर्म/कवर शेड का निर्माण/विस्तार/सुधार, अतिरिक्त एफओबी का निर्माण/मरम्मत, वाशिंग लाइनों का निर्माण/उन्नयन, यात्री सूचना प्रणाली का विस्तार, सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, अमृत स्टेशनों का विकास, रेलवे परिसर में बाउंड्री का निर्माण, यात्री शेल्टर, सड़कों का सुधार, सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, जलापूर्ति में वृद्धि, साइनेज और अन्य वाणिज्यिक वस्तुओं की खरीद, एग्जीक्यूटिव लाउंज का निर्माण, शौचालय सुविधाओं में वृद्धि आदि शामिल हैं।

इन सभी स्टेशनों पर होल्डिंग क्षमता भी बढ़ाई जा रही है। प्रयागराज जंक्शन पर पहले से उपलब्ध 4 यात्री आश्रयों के साथ ही 4,000 यात्रियों की क्षमता वाला एक अतिरिक्त यात्री आश्रय जोड़ा गया है। इसी तरह प्रयागराज छिवकी में 2 अस्थायी आश्रयों के स्थान पर 2 स्थायी आश्रय, सूबेदारगंज में 1 आश्रय, प्रयाग जंक्शन पर 3 स्थायी आश्रय, फाफामऊ में 2 और प्रयागराज रामबाग में 6 आश्रय बनाए गए हैं, जबकि पिछली बार दो आश्रय बनाए गए थे। सभी आश्रयों में सार्वजनिक शौचालय, खानपान स्टॉल, उद्घोषणा और पूछताछ डिस्प्ले आदि जैसी बुनियादी सुविधाएँ



श्री सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने दिनांक 26 अक्टूबर, 2024 को प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी स्टेशनों का दौरा कर महाकुंभ 2025 की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे, सुश्री सौम्या माथुर, महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे एवं रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे

प्रदान की जा रही हैं। लगेज ट्रॉली बुकिंग, व्हील चेयर सेवा, टैक्सी और होटल बुकिंग आदि जैसी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता के लिए स्टेशनों पर 'मे आई हेल्प यू' बूथ भी खोले जा रहे हैं।

बहुभाषी सूचना प्रसार

महाकुंभ के दौरान, बहुभाषी उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भारत के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को स्टेशन और मेला क्षेत्र में विभिन्न भाषाओं में यात्रा संबंधी जानकारी/डेटा की घोषणा की जाएगी। यह प्रणाली हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और उड़िया आदि में जानकारी प्रदान करेगी।

तीर्थयात्रियों की सहायता करने और उनके प्रश्नों के समाधान और उन्हें ऑनलाइन मदद करने के लिए महाकुंभ रेलवे हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर-1800-4199-139 जारी किया गया है और कुंभ-2025 मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है। कॉल सेंटर को ऑपरेटरों द्वारा 24 घंटे प्रति शिफ्ट प्रबंधित किया जाएगा और इसमें टोल फ्री नंबर और क्लाउड सेटअप शामिल होगा।



अवसंरचना में सुधार : यातायात के निर्बाध आवागमन के लिए

महाकुंभ 2025 के दौरान अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए कई क्षमता वृद्धि कार्य शुरू किए गए हैं। इन कार्यों में सूबेदारगंज यार्ड का पुनर्निर्माण, सूबेदारगंज स्टेशन पर दो अतिरिक्त प्लेटफार्मों का निर्माण, झूंसी में दो अतिरिक्त प्लेटफार्मों का निर्माण, प्रयागराज और सूबेदारगंज में नई वाशिंग लाइनों का निर्माण/मौजूदा वाशिंग लाइनों का उन्नयन, वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकरण, प्रयागराज यार्ड का पुनर्निर्माण, प्रयाग जंक्शन पर एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म का निर्माण, प्रयागराज सिविल लाइन की ओर की वाशिंग लाइनों की भारी मरम्मत, प्रयागराज जंक्शन का प्रमुख उन्नयन, अमृत स्टेशन योजना के तहत प्रयाग जंक्शन और फाफामऊ जंक्शन का विकास और जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण आदि शामिल हैं। सभी कार्य लक्षित समय सीमा में पूरे किए जा रहे हैं। इनमें से 6 पहले ही पूरे हो चुके हैं।







सुविधाजनक यात्रा के लिए अधिकतम रेल परिचालन सुनिश्चित करना

भारतीय रेल कुंभ मेला अवधि के दौरान अधिक से अधिक रेलगाड़ियाँ चलाने की योजना बना रही है। परिचालन की योजना बड़े पैमाने पर बनाई गई है। रेलवे ने मेला अवधि के दौरान नियमित 140 रेलगाड़ियों के अलावा मुख्य स्नान के दिनों में 1,225 विशेष रेलगाड़ियाँ चलाने की योजना बनाई है। अयोध्या और काशी जाने के इच्छुक तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए दो दिशाओं में हर चौथे स्टेशन पर ठहराव के साथ फास्ट रिंग रेल मेमू सेवा चलाने की भी योजना बनाई गई है- प्रयागराज-प्रयाग-अयोध्या-वाराणसी-प्रयागराज और प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-अयोध्या-प्रयागराज। इसके साथ ही तीर्थस्थल चित्रकूट



जाने के इच्छुक तीर्थयात्रियों के लिए एक और रिंग रेल सेवा की योजना बनाई गई है, जो वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–बांदा–चित्रकूट–मानिकपुर–प्रयागराज–फतेहपुर–गोविंदपुरी–उरई–वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मार्ग को कवर करेगी और विपरीत दिशा में भी।

इन 1,225 विशेष ट्रेनों में से 825 छोटी दूरी की और 400 लंबी दूरी की आरक्षित ट्रेनें हैं। यह कुंभ वर्ष 2019 के दौरान चलाई गई ट्रेनों से लगभग 177 प्रतिशत अधिक है, कुंभ वर्ष 2019 के दौरान 533 छोटी दूरी की और 161 लंबी दूरी की आरक्षित ट्रेनें चलाई गईं।

सभी स्टेशनों के साथ-साथ मेला क्षेत्र में यूटीएस, एटीवीएम, एमयूटीएस, पूछताछ और पीआरएस सहित कुल 542 टिकटिंग पॉइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें प्रयागराज जंक्शन पर ही 132 काउंटर बनाने की योजना बनाई गई है। ये सभी काउंटर प्रतिदिन लगभग 9,76,000 टिकट प्रदान कर सकते हैं, इस प्रकार प्रति टिकट दो यात्रियों के हिसाब से प्रतिदिन लगभग 19,52,000 यात्रियों को यात्रा टिकट उपलब्ध करवाई जा सकती है।

भीड़ नियंत्रण एवं प्रबंधन के लिए राज्य सरकार द्वारा विस्तृत यातायात योजना तैयार की गई है, जिसमें भारतीय रेल द्वारा व्यापक इनपुट दिया गया है। महाकुंभ मेले के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक कंप्यूटर-तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिसमें सिमुलेशन प्रोग्राम शामिल होंगे। महाकुंभ मेला अवधि के दौरान सभी हितधारकों के बीच निर्बाध संचार सुनिश्चित करने पर भी बहुत ध्यान दिया जा रहा है। मैन पॉवर के क्षेत्र में अतिरिक्त संसाधन भी जुटाए जा रहे हैं। कुंभ मेले की भीड़ को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद करने के लिए भारतीय रेल के सभी हिस्सों से बड़ी संख्या में आरपीएफ और आरपीएसएफ कर्मियों को प्रयागराज लाया जा रहा है। प्रयागराज क्षेत्र के सभी स्टेशनों के लिए तीर्थयात्रियों की आवाजाही की योजना और रेलवे परिसर के भीतर होल्डिंग एरिया प्लान को अंतिम रूप दिया गया है। प्रत्येक स्टेशन से दिशावार आवाजाही की योजना बनाई गई है और यात्रियों को जानकारी प्रसारित करने के लिए वांछित 360 डिग्री प्रचार रणनीति तैयार की गई है। यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी स्टेशन पर क्रॉस मूवमेंट की संभावना न हो और यात्रियों की केवल यूनी डायरेक्शनल मूवमेंट सुनिश्चित किया जाएगा।



किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी स्टेशनों पर प्राथमिक उपचार बूथ स्थापित किए जा रहे हैं और रैपिड एक्शन टीमें भी बनाई जा रही हैं। परिवहन से संबंधित चिकित्सा सहायता देने के लिए सभी स्टेशनों पर एम्बुलेंस भी तैनात रहेंगी। राज्य सरकार के अग्निशमन विभाग द्वारा सभी 9 स्टेशनों का अग्नि ऑडिट किया गया है। इसके अलावा, सभी स्थानों पर उचित अग्निशमन व्यवस्था की जा रही है। इसमें अग्निशामक यंत्र, फायर बॉल, वाटर हाइड्रेंट, बाल्टी में पानी/रेत के साथ-साथ फायर टेंडर

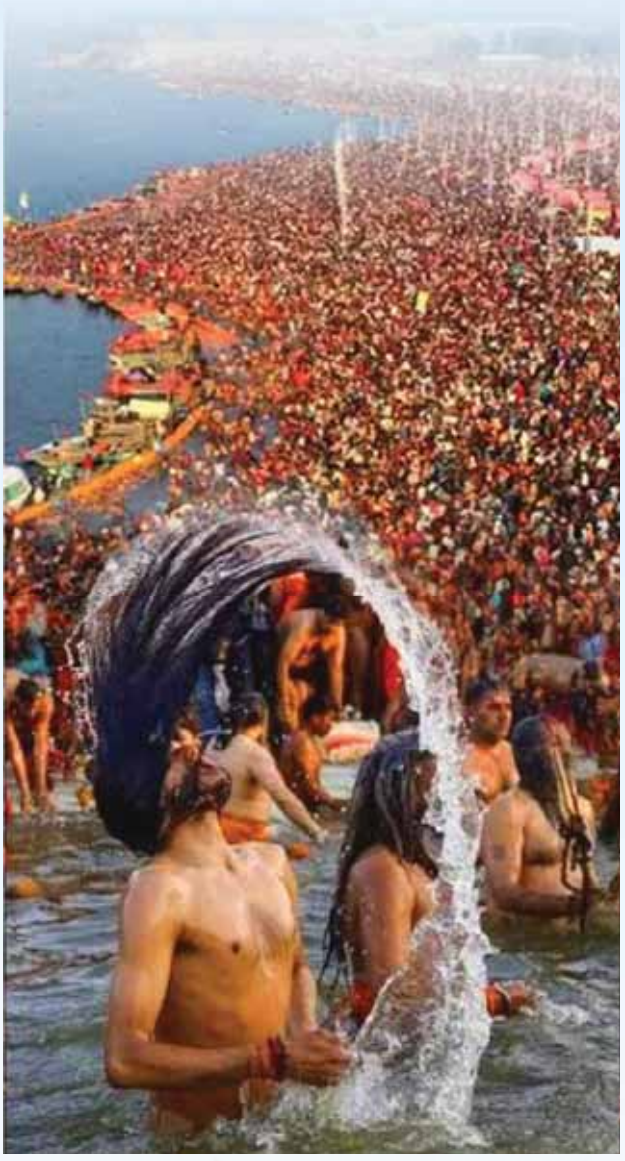


की तैयारी भी शामिल है। सुरक्षा तैयारियों को भी बढ़ाया जा रहा है। अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती के अलावा, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु का पता लगाने और स्टेशनों पर तलाशी अभियान के लिए आरपीएफ की डॉग स्क्वायड टीमों को तैनात किया जाएगा। यात्रियों की भीड़ पर नजर रखने और निगरानी रखने के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्षों में लाइव फुटेज के साथ 651 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इनमें से करीब 100 कैमरों में शरारती तत्वों और असामाजिक तत्वों की पहचान करने के लिए एआई आधारित फेस रिकग्निशन सिस्टम है।



जल्द ही पूर्व की भंति एक बार फिर अद्वितीय, अतुलनीय और भव्य महाकुंभ के रूप में धरती पर सबसे बड़े समागम का साक्षी बनने जा रहे प्रयागराज में एक बहुत मजबूत रेलवे नेटवर्क और रेलकर्मियों की एक अत्यंत प्रतिबद्ध और सक्षम टीम, इस शहर के लिए एक अनमोल संपत्ति है। संक्षेप में, यह कहा जा सकता है कि भारतीय रेल, महाकुंभ 2025 के प्रबंधन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है।■

मुख्य जनसम्पर्क कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे





आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई–मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल, कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली–110 001

स्वच्छता ही सेवा - 2024

भारतीय रेल ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान 45.20 करोड़ वर्ग मीटर क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया

भारतीय रेल अपनी थीम 'स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत' के साथ हमेशा से ही केन्द्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) का एक प्रमुख साझेदार रही है और इसने यात्रियों के लिए स्वच्छ और अधिक स्वास्थ्यकर यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक पहलें की हैं। पखवाड़ा अवधि के दौरान, भारतीय रेल की इकाइयों ने पौधारोपण अभियान, स्वच्छ संवाद, स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ परिसर, स्वच्छ आहार, स्वच्छ प्रशाधन आदि जैसी दिनवार योजना/गतिविधियाँ कीं। इस वर्ष शहरी/अर्धशहरी क्षेत्रों में पड़ने वाले रेलवे स्टेशन और पटरियों के आसपास के क्षेत्रों में स्थित रेलवे ट्रैक को साफ-सुथरा रखने, नालियों तथा शौचालयों की सफाई, रेलवे कॉलोनियों, रेलवे भवनों/प्रतिष्ठानों आदि को स्वच्छ रखने पर विशेष ध्यान दिया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के दौरान

भारतीय रेल ने सफाई के संबंध में उल्लेखनीय कार्य किया है। विवरण निम्नानुसार है :

- पखवाड़ा के दौरान **7,285** स्टेशनों, 2754 ट्रेनों और **1,8331** कार्यालयों में व्यापक सफाई की गई।
- **45.20** करोड़ वर्ग मीटर क्षेत्र की सफाई की गई।
- कुल **20,182** कि.मी. लंबी पटरियों की सफाई की गई।
- स्वच्छता अभियान/श्रमदान गतिविधियों में **4,65,723** लोगों ने हिस्सा लिया।
- अभियान के दौरान **1,17,56,611** मीटर नालियों की सफाई की गई।
- यात्रियों की जागरूकता के लिए **821** स्थानों पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए।
- भारतीय रेल में **2,259** 'कूड़ा-कचरा मुक्ति अभियान' चलाए गए, जिनमें **12,609** लोगों को दंडित किया गया और **1,77,133** लोगों को रेलवे परिसर में कूड़ा-कचरा न फैलाने के लिए सलाह दी गई।
- **1,541** स्वच्छता जागरूकता वेबिनार/सेमिनार आयोजित किए गए, जिनमें **66,188** लोगों ने भाग लिया।
- इस अभियान के दौरान, **2,63,643** पौधे लगाए गए।
- पखवाड़े के दौरान, रेलवे वर्कशॉप में **5,400** टन स्क्रैप एकत्र किया गया।
- पखवाड़े के दौरान, कुल मिलाकर **4,619** टन कचरा एकत्र किया गया।
- **710** टन प्लास्टिक कचरा हटाया गया।
- **19,759** डस्टबिन लगाए गए।
- फीडबैक तंत्र के एक हिस्से के रूप में, स्वच्छता के स्तर के बारे में यात्रियों से **50,276** एसएमएस/प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं।
- लगभग **2,597** स्थानों पर 'स्वच्छ आहार अभियान' शुरू किए गए और लगभग **6,960** खाद्य स्टॉलों की बहुत अच्छी तरह सफाई की गई। इसी प्रकार, लगभग **4,478** स्थानों पर 'स्वच्छ नीर अभियान' शुरू किए गए और लगभग **17,579** वाटर बूथों की सफाई की गई।
- **452** स्टेशनों पर 'वेस्ट टू आर्ट' सेल्फी पॉइंट बनाए गए।

प्रत्येक रेल कर्मी ने पूरे मन से इस अभियान में भाग लिया, जिसमें लगभग 2,100 कार्य योजनाएं और 3,250 विभिन्न प्रकार की स्वच्छता गतिविधियां उपरोक्त दिनवार योजनाओं के अंतर्गत आयोजित की गई, जैसे कि स्वच्छता पखवाड़ा का लोगो और बैनर तथा इनको रेलवे की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया, यात्रियों की जागरूकता के लिए ट्रेनों/स्टेशनों में कचरे के उचित निपटान के लिए ट्रेनों/स्टेशनों में घोषणा की गई, जागरूकता बढ़ाने के लिए 'स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत' के नारे के साथ प्रभात फेरी निकाली गई, यात्रियों की जागरूकता के लिए रेलवे स्टेशनों पर गैर सरकारी संगठनों, धार्मिक निकायों और स्कूली बच्चों की मदद से नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए, आईईसी के माध्यम से लोगों को स्टेशनों के पास के क्षेत्रों, रेल पथ पर, यार्ड या डिपो परिसर में खुले में शौच से बचने के लिए प्रोत्साहित किया गया, यात्रियों के लिए स्वच्छता पर क्या करें/क्या न करें के पोस्टर प्रदर्शित किए गए, रेलवे परिसरों (स्टेशनों, रेलगाड़ियों, रेलवे कॉलोनियों, विश्राम/प्रतीक्षा कक्षों, विश्राम गृह और डॉर्मीट्री कैंटीन, स्टेशन परिसर में और उसके आसपास के खाद्य स्टॉलों) की अच्छे ढंग से सफाई की गई।

हर वर्ष की तरह स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत से ही भारतीय रेल हर साल सच्ची भावना के साथ स्वच्छता पखवाड़ा मनाती रहा है। इस वर्ष, भारतीय रेल ने दिनांक 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2024 को रेल भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल से स्वच्छता की शपथ दिलाकर स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम की शुरुआत की। श्री कुमार ने रेलवे अधिकारियों को अपने परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित किया और उनसे आग्रह किया कि हमें केवल इस पखवाड़े के अभियान के दौरान ही स्वच्छता की आदतों को सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि हमें पूरे साल ऐसा करना चाहिए। लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए रेलवे बोर्ड के अधिकारियों द्वारा एक नाटक का आयोजन भी किया गया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत, रेल भवन में आयोजित उद्घाटन समारोह में रेलवे अधिकारियों के बीच लगभग 2,000 पौधे वितरित किए गए। स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता विषय पर निबंध प्रतियोगिता के विजेता को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। स्वच्छता गतिविधियों में लगे रेलवे बोर्ड के कर्मियों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 120 कर्मी शामिल हुए।

भारतीय रेल हमेशा ऐसे अभियानों को 'पूरे समाज के दृष्टिकोण' के साथ चलाने का प्रयास करती है, जिसमें लोगों की भागीदारी पर बल दिया जाता है और इस तरह 'स्वच्छता हर आदमी का काम' बन जाता है। भारतीय रेल स्वच्छता और सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गई पहलों को सभी के लिए स्वच्छ, हरित और अधिक सतत यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करने के लिए लागू किया जाना जारी रहेगा।



छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित वैगन रिपेयर शॉप में विशेष अभियान 4.0 के तहत स्क्रैप सामग्री से तैयार की गई भगवान श्री गणेश की 12.5 फीट ऊंची मूर्ति टिकाऊ शिल्प कौशल का प्रमाण है

एक पेड़ माँ के नाम



दिनांक 1 अक्टूबर, 2024 को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अधिकारियों को पौधे वितरित करते हुए श्री सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड। इस अवसर पर सदस्य वित्त श्रीमती रूपा श्रीनिवासन, सदस्य अवसंरचना श्री नवीन गुलाटी, सदस्य कर्षण श्री बृज मोहन अग्रवाल एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे



सुश्री नीनु इटियेरा
महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे



श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी
महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे



श्री धर्मवीर मीणा
महाप्रबंधक, मध्य रेल



श्री अरूण कुमार चौधरी
महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)



श्री अनिल कुमार मिश्रा
महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे



सुश्री सौम्या माथुर
महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे



श्री मिलिन्द देउस्कर
महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे



श्री आर. एन. सिंह
महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे



श्री उदय बोरवांकर
महानिदेशक, आरडीएसओ



श्री संतोष कुमार झा
सीएमडी/केआरसीएल

स्वच्छता अभियान



श्री आर. एन. सिंह
महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे



श्री परमेश्वर फंकवाल
महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे



श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय
महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे



श्री ए. के. वर्मा
महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे



श्री अमिताभ
महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे



श्री प्रशांत कुमार मिश्रा
महाप्रबंधक, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली



हुब्बल्लि स्टेशन पर एकत्रित प्लास्टिक की बोतलों से एक आकर्षक मूर्ति बनाई गई। श्री अरविन्द्र श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण-पश्चिम रेलवे के साथ उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण



सीएसएमटी स्टेशन,
मुंबई में नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन



केएसआर बेंगलूरु सिटी जंक्शन, कर्नाटक



आसनसोल जंक्शन, पश्चिम बंगाल

भारतीय रेल और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बच्चों की सुरक्षा हेतु अद्यतन एसओपी जारी की



रेल भवन में आयोजित कार्यक्रम में एसओपी लॉन्च करते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, एमओडब्ल्यूसीडी के सचिव श्री अनिल मलिक, रेलवे बोर्ड के सदस्य संचालन और व्यवसाय विकास, श्री रविंदर गोयल, आरपीएफ महानिदेशक श्री मनोज यादव

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। देश भर में रेल परिसरों में पाए जाने वाले कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक पहल में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली के रेल भवन में अद्यतन मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) शुरू की है। यह व्यापक एसओपी भारतीय रेल के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत ढाँचे की रूपरेखा तैयार करती है।

मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने के दौरान, एमओडब्ल्यूसीडी के सचिव श्री अनिल मलिक ने उन्नत रेल स्टेशनों पर सीसीटीवी और चेहरा पहचान तकनीक स्थापित करने जैसे उपायों के माध्यम से किशोरों की सुरक्षा बढ़ाने की पहल के लिए भारतीय रेल की सराहना की।

प्रतिदिन 2.3 करोड़ से अधिक लोग रेल से यात्रा करते हैं, जिनमें 30 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं- जिनमें से कई अकेले यात्रा करती हैं- ऐसे में कमजोर समूहों, विशेष रूप से किशोरों की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता है, जो मानव तस्करों द्वारा शोषण का जोखिम उठाते हैं। कार्यक्रम में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) को मजबूत करने के महत्त्व पर एमओडब्ल्यूसीडी अधिकारियों को जानकारी दी और असम, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से तस्करी को रोकने और यात्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे स्टेशनों पर इन इकाइयों को स्थापित करने का आग्रह किया। महिलाओं और बच्चों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने में भारतीय रेल के महत्त्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने भारतीय रेल को आश्वासन दिया है कि महिलाओं और बच्चों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने के उसके प्रयासों में फंडिंग बाधा नहीं बनेगी।

आरपीएफ यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत सक्रिय भूमिका निभा रही है कि उसके परिसर का उपयोग मानव तस्करों द्वारा बच्चों को लाने-ले जाने को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाए। आरपीएफ ने पिछले पांच वर्षों में 57,564 बच्चों को तस्करी से बचाया है। इनमें 18,172 लड़कियाँ थीं। इसके अलावा बल ने यह सुनिश्चित किया कि इनमें से 80 प्रतिशत बच्चे अपने परिवारों से मिल जाएं। 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत, आरपीएफ ने पूरे रेल नेटवर्क में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रित पहलों की शृंखला शुरू की है। बाल तस्करी की निरंतर चुनौती को पहचानते हुए, आरपीएफ के 'ऑपरेशन एएएचटी' ने 2022 से 2,300 से अधिक बच्चों को बचाने और 674 तस्करों को पकड़ने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आरपीएफ के लिए जारी किए गए नए नारे, 'हमारा मिशन : ट्रेनों में बाल तस्करी को रोकें' के साथ, भारतीय रेल ने सभी के लिए रेल को सुरक्षित यात्रा अनुभव बनाने की अपनी प्रतिज्ञा की पुष्टि की। मानव तस्करों से निपटने के दौरान पिछले एक दशक में मिली सीख से संशोधित एसओपी में योगदान मिला। अपने व्यापक रेल नेटवर्क में सुरक्षात्मक, दयालु वातावरण बनाने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, आरपीएफ महानिदेशक श्री यादव ने कहा कि भारत के बच्चों के कल्याण को ध्यान में रखना नई एसओपी के मूल में है।■

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते

- आरपीएफ ने पिछले पांच वर्षों में **57,564** बच्चों को तस्करी से बचाया।
- इनमें **18,172** लड़कियाँ थीं।
- इनमें से **80** प्रतिशत बच्चे अपने परिवारों से मिल पाएं।
- 'ऑपरेशन आहट' के तहत **2,300** से अधिक बच्चों को बचाया गया एवं **674** तस्कर पकड़े गए।



बच्चों की तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने हेतु रेलवे सुरक्षा बल ने दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया



दिनांक 20 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें आरपीएफ के महानिदेशक, श्री मनोज यादव ने 26 आरपीएफ सदस्यों की एक टीम की अगुवाई की। इस मैराथन में भाग लेने का उद्देश्य रेलवे नेटवर्क में बच्चों की तस्करी की रोकथाम के प्रयासों को उजागर करने और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

आरपीएफ की भागीदारी का मुख्य उद्देश्य बच्चों की तस्करी से निपटने के लिए उठाए गए उपायों के बारे में जनता को शिक्षित करना और नागरिकों से इस खतरे के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने की अपील करना था। 'हमारा मिशन : ट्रेनों में बच्चों की तस्करी को रोकना' नारे के तहत, आरपीएफ का लक्ष्य बच्चों को शोषण तथा दुर्व्यवहार से बचाने के लिए सामूहिक कार्रवाई की तात्कालिकता और आवश्यकता पर बल देना है।

इस आयोजन में, टीम के सभी सदस्य पूरी हाफ मैराथन में दौड़े, जो इस नेक काम के प्रति रेलवे सुरक्षा बल की ताकत, उसकी एकता और उसकी कटिबद्धता का प्रतीक है। आम जनता की भागीदारी बढ़ाने के लिए, आरपीएफ बैंड ने रेल भवन के नजदीक दौड़ मार्ग के किनारे लाइव प्रदर्शन किया, जिससे प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों के लिए एक संवादात्मक और सहायक वातावरण तैयार में मदद मिली।■

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना : नवसारी में नेशनल हाईवे-48 पर 210 मीटर लंबा पीएससी ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए नवसारी जिले में नेशनल हाईवे-48 पर 210 मीटर लंबा पीएससी ब्रिज का निर्माण दिनांक 1 अक्टूबर, 2024 को पूरा हो गया

- मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का वायडक्ट गुजरात के नवसारी जिले के सिसोदरा गाँव में दिल्ली और चेन्नई के बीच नेशनल हाईवे 48 (गुजरात और महाराष्ट्र से होकर) के ऊपर से होकर गुजर रहा है।
- 210 मीटर लंबा यह दूसरा पीएससी बॉक्स-सेगमेंट ब्रिज है, जिसका निर्माण हाईवे पर बैलेंस्ड केंटिलीवर मेथड द्वारा किया गया है।
- ब्रिज में 72 सेग्मेंट्स हैं, जिनमें 40, 65, 65 और 40 मीटर के चार स्पैन हैं।
- यह ब्रिज बिलिमोरा और सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच स्थित है।



- एनएच-48 देश के सबसे व्यस्त हाईवे में से एक है, इसलिए हाईवे पर लॉन्चिंग सावधानीपूर्वक योजना और निष्पादन की सटीकता के साथ पूरी की गई है।■

बुलेट ट्रेन परियोजना : वडोदरा मंडल में 60 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा किया गया



नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए दिनांक 22 अक्टूबर, 2024 को 60 मीटर लंबा स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया गया है। ब्रिज का निर्माण, गुजरात के वडोदरा जिले में पश्चिमी रेलवे की बाजवा-छायापुरी कॉर्ड लाइन पर किया गया। 12.5 मीटर ऊंचे और 14.7 मीटर चौड़े 645 मीट्रिक टन के इस स्टील ब्रिज का निर्माण गुजरात के भचाऊ स्थित कार्यशाला में किया गया है और साइट पर इंस्टालेशन के लिए पहुँचाया गया।

ब्रिज असेंबली में लगभग 25,659 टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया है, जिनमें सी5 (C5) सिस्टम पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग शामिल हैं और जो 100 साल के जीवनकाल के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। स्टील ब्रिज को अस्थायी ढाँचे पर जमीन से 23.5 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया और इसे 2 सेमी-ऑटोमैटिक जैक के स्वचालित तंत्र से खींचा गया, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 250 टन है। इसमें मैक-अलॉय बार का इस्तेमाल किया गया है। इस स्थान पर पिएर की ऊंचाई 21 मीटर है।

सुरक्षा और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए परियोजना को सावधानीपूर्वक निष्पादित किया जा रहा है। जापानी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, भारत 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए अपने स्वयं के तकनीकी और भौतिक संसाधनों का उपयोग कर रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए स्टील ब्रिज इस प्रयास का एक बड़ा उदाहरण है। एमएएचएसआर परियोजना के लिए नियोजित 28 स्टील ब्रिज में से यह पांचवां स्टील ब्रिज पूरा कर लिया गया है।■

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना : महाराष्ट्र में ट्रैक निर्माण कार्य हेतु निविदाएँ आमंत्रित

नेशनल हाई-स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने महाराष्ट्र राज्य में 'डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के लिए परीक्षण और कमीशनिंग सहित ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों के डिज़ाइन, आपूर्ति और निर्माण' के लिए पात्र भारतीय और जापानी कंपनियों से निविदाएं आमंत्रित की हैं। कुल मिलाकर लगभग 157 कि.मी. लम्बा मार्ग यानि 314 कि.मी. लम्बा ट्रैक, मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन और महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गाँव के बीच है। इसमें 4 स्टेशनों के लिए ट्रैक कार्य और ठाणे में रोलिंग स्टॉक डिपो भी शामिल है।

जापानी एचएसआर (शिंकानसेन) में इस्तेमाल की जाने वाली बैलास्ट-लेस स्लैब ट्रैक प्रणाली का इस्तेमाल भारत की पहली एचएसआर परियोजना (एमएएचएसआर) में किया जाएगा। सामान्य सलाहकार के रूप में जेआईसीसी ने अनुबंध के लिए आरसी ट्रैक बेड, ट्रैक स्लैब व्यवस्था आदि जैसे प्रमुख एचएसआर ट्रैक घटकों का विस्तृत डिज़ाइन और ड्राइंग प्रदान किया है।

एनएचएसआरसीएल और जापान रेलवे तकनीकी सेवा (जेएआरटीएस) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत, जेएआरटीएस मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (टी-1 पैकेज सहित) के लिए ट्रैक कार्यों के निर्माण के लिए



प्रशिक्षण एवं प्रमाणन और सलाहकार सेवाएं प्रदान करेगा। भारतीय इंजीनियरों के लिए जापानी प्रशिक्षकों द्वारा टी-2 और टी-3 पैकेज के लिए ट्रैक ट्रेनिंग फैसिलिटी (टीटीएफ) सूरत में कई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पहले ही पूरे किए जा चुके हैं।

मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए यह आखिरी ट्रैक निर्माण अनुबंध है। गुजरात में पैकेज टी-2 और टी-3 के तहत ट्रैक निर्माण का काम पहले ही शुरू हो चुका है। गुजरात में ट्रैक निर्माण के दोनों अनुबंध भारतीय कंपनियों को दिए गए हैं।

तकनीकी बोलियाँ दिनांक 3 फरवरी, 2025 को खोली जाएंगी।■

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के स्टेशनों पर अपडेट



यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, बुलेट ट्रेन परियोजना पर सभी स्टेशन आधुनिक और उन्नत सुविधाओं और सूचना प्रणालियों से लैस होंगे। स्टेशनों पर टिकटिंग, वेटिंग एरिया, बिजनेस-क्लास लाउंज, नर्सरी, टॉयलेट, इंफॉर्मेशन बूथ, रिटेल सेंटर आदि सभी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। एस्केलेटर्स का पहला सेट (2 Nos.), आणंद बुलेट ट्रेन स्टेशन पर इंस्टाल किया जा रहा है, जिसका उपयोग ग्राउंड से कॉनकोर्स स्तर तक किया जाएगा। परियोजना के सभी 12 स्टेशनों पर कुल 90 ऊर्जा दक्ष एस्केलेटर लगाए जाएंगे। (गुजरात के 8 स्टेशनों पर 48 और महाराष्ट्र के 4 स्टेशनों पर 42) यात्रियों की सुरक्षा के लिए, आपातकालीन स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया के लिए एस्केलेटर पर आपातकालीन स्टॉप बटन, एस्केलेटर की रेलिंग में उंगलियों के आकस्मिक फंसने से बचाने के लिए हैंडरेल फिंगर गार्ड सुरक्षा उपकरण, कपड़ों और सहायक उपकरणों को एस्केलेटर में फंसने से बचाने के लिए ड्रेस गार्ड (ब्रश प्रकार का उपकरण) इत्यादि लगाए जाएंगे।

गुजरात में बुलेट ट्रेन स्टेशनों पर लगाए जाने वाले एस्केलेटरों का विवरण

बुलेट ट्रेन स्टेशन	एस्केलेटर की संख्या
साबरमती	12 (8 प्लेटफॉर्म से कॉनकोर्स और 4 कॉनकोर्स से पहली मंजिल तक)
अहमदाबाद	8 (प्लेटफॉर्म से कॉन्कोर्स तक)
आणंद	6 (ग्राउंड से कॉनकोर्स तक 2 और कॉनकोर्स से प्लेटफॉर्म स्तर तक 4)
वडोदरा	4 (02 ग्राउंड से कॉनकोर्स तक और 2 कॉनकोर्स से प्लेटफॉर्म तक)
भरूच	4 (ग्राउंड से प्लेटफॉर्म स्तर तक)
सूरत	6 (कॉन्कोर्स से ग्राउंड तक 2 और प्लेटफॉर्म से कॉन्कोर्स तक 4)
बिलिमोरा	4 संख्या (ग्राउंड से प्लेटफॉर्म स्तर तक)
वापी	4 संख्या (ग्राउंड से प्लेटफॉर्म स्तर तक)

भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं। ❶

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं। ❷

आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग–इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

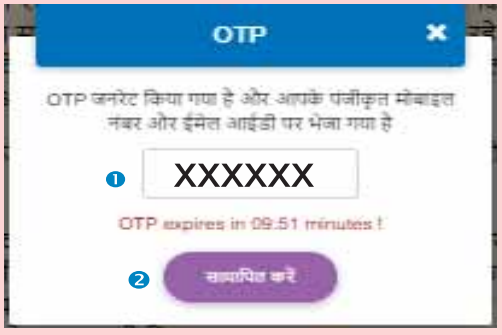


❷ लॉग–इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग–इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई–मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई–मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट–वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

अब ई-पत्रिका भी उपलब्ध

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदि 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेल' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. इलेक्ट्रॉनिक मैग्जीन के लिए, ई–मैग्जीन पर क्लिक करें और हार्ड पत्रिका के लिए, फिजिकल बुक पर क्लिक करें
5. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



6. नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

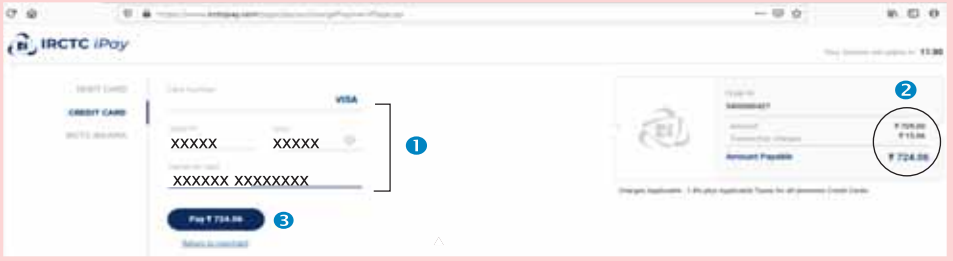
STEP 4



1. अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें

2. सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1. पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2. पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3. संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।

➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में 21 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य प्रगति पर

■ **भारत की पहली 7 कि.मी. लंबी समुद्र के नीचे सुरंग भी इसमें शामिल**



भारत की पहली भूमिगत और समुद्र के नीचे सुरंग का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसकी लंबाई 21 कि.मी. है। यह सुरंग बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मुंबई बुलेट ट्रेन के भूमिगत स्टेशन को महाराष्ट्र राज्य के शिल्पाता से जोड़ती है। कुल 21 कि.मी. लंबी सुरंग में से 16 कि.मी. की खुदाई टनल बोरिंग मशीनों का उपयोग करके की जा रही है, जबकि शेष 5 कि.मी. का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि (एनएटीएम) के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, इस परियोजना में ठाणे क्रीक में समुद्र के नीचे सुरंग का 7 कि.मी. का खंड शामिल है।

निम्नलिखित स्थानों पर निर्माण एवं उत्खनन कार्य प्रगति पर है :

- **मुंबई एचएसआर स्टेशन निर्माण स्थल पर शाफ्ट 1 :** शाफ्ट की गहराई 36 मीटर, 100% सीकेंट पाइलिंग का काम पूरा हो गया है, खुदाई का काम अभी चल रहा है
- **विक्रोली में शाफ्ट 2 :** शाफ्ट की गहराई 56 मीटर, 100% सीकेंट पाइलिंग का काम पूरा हो गया है। अभी तक, शाफ्ट के लिए लगभग 92% खुदाई पूरी हो चुकी है।
- **सावली (घनसोली के पास) में शाफ्ट 3 :** शाफ्ट की गहराई 39 मीटर है, 100% खुदाई का काम पूरा हो चुका है। यह शाफ्ट पहली सुरंग खोदने वाली मशीन की सुविधा प्रदान करेगा, जिसे इस वर्ष के अंत तक उतारा जाना अपेक्षित है।
- **शिलफाटा :** यह सुरंग का एनएटीएम छोर है। पोर्टल का काम पहले ही पूरा हो चुका है और अब तक 200 मीटर खुदाई हो चुकी है।
- **एडीआईटी (एडिशनली ड्रिवेन इंटरमीडिएट टनल) पोर्टल :** 394 मीटर लंबी एडीआईटी सुरंग का निर्माण रिकॉर्ड समय यानी 6 महीने में पूरा हो चुका है। इससे शिलफाटा के अतिरिक्त उत्खनन कार्य के लिए दो अतिरिक्त एनएटीएम फेस की सुविधा मिल गई है। इस अतिरिक्त पहुँच के कारण 700 मीटर से अधिक सुरंग निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

11 मीटर X 6.4 मीटर के आंतरिक आयाम वाले एडीआईटी से निर्माण और परिचालन के दौरान मुख्य सुरंग तक वाहनों की सीधी पहुँच सुनिश्चित होगी और आपातकालीन स्थिति में निकासी प्रक्रिया के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकेगा।

टिल्ट, सेटलमेंट, वाइब्रेशन, दरारें और विरूपण की मॉनिटरिंग के लिए निर्माण स्थलों पर और उसके आसपास विभिन्न प्रकार के भू-तकनीकी उपकरण जैसे कि इनक्लिनोमीटर, कंपन मॉनिटर, ग्राउंड सेटलमेंट मार्कर, टिल्ट मीटर आदि स्थापित किए गए हैं। उत्खनन और सुरंग निर्माण सहित चल रहे भूमिगत कार्यों के साथ-साथ निकटवर्ती संरचनाओं को किसी भी संभावित जोखिम से बचाने में इन उपकरणों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।■



भारतीय रेल
पत्रिका

अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

भारतीय रेल का महत्त्वपूर्ण निर्णय
अब अग्रिम आरक्षण अवधि हुई 60 दिन

■ **दिनांक 1 नवम्बर, 2024 से प्रभावी**



भारतीय रेल ने अग्रिम आरक्षण अवधि की वर्तमान समय-सीमा को 120 दिनों से घटाकर 60 दिन कर दिया है, जो दिनांक 1 नवम्बर, 2024 से प्रभावी बनाया है। रेल मंत्रालय ने वास्तविक यात्रियों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय यात्रियों द्वारा ट्रेन में बुकिंग के लिए अग्रिम आरक्षण अवधि (एआरपी) में इस बदलाव की घोषणा की है। इस निर्णय से रेलवे बोर्ड को देश में रेल यात्रा की वास्तविक मांग की जानकारी में सुधार करने में मदद मिलेगी। यह जानकारी मिल रही थी कि 61 से 120 दिन की अवधि के लिए कराए गए लगभग 21 प्रतिशत आरक्षण रद्द किए जा रहे थे। इसके अलावा, 5 प्रतिशत यात्री ऐसे भी थे जो न तो अपनी टिकट रद्द कर रहे थे और न ही यात्रा कर रहे थे। टिकट उपलब्ध नहीं दिखने की प्रवृत्ति भी इस निर्णय के पीछे के कारकों में से एक थी, क्योंकि इससे भारतीय रेल को पीक सीजन के दौरान विशेष ट्रेनों की बेहतर योजना बनाने में मदद करेगी।

इस निर्णय का उद्देश्य वास्तविक यात्रियों के लिए टिकट उपलब्धता में सुधार करना और टिकट रद्दीकरण तथा नो शो की घटनाओं में कमी लाना है, जिसके कारण आरक्षित बर्थ की बर्बादी होती है। आरक्षण रुझानों और यात्रियों की यात्रा की अनिश्चितता के आधार पर, भारतीय रेल अपनी एआरपी नीति में बदलाव करता रहता है। ताज एक्सप्रेस और गोमती एक्सप्रेस जैसी कुछ दिन वाली एक्सप्रेस ट्रेनें अग्रिम आरक्षण के लिए कम समय सीमा का पालन करना जारी रखेंगी जबकि विदेशी पर्यटकों के लिए 365-दिवसीय एआरपी सीमा में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। 31 अक्टूबर, 2024 से पहले 120-दिवसीय एआरपी के अंतर्गत की गई सभी मौजूदा बुकिंग मान्य होगी। 60 दिनों के नए एआरपी से अलग किए गए आरक्षण अभी भी रद्दीकरण के लिए पात्र होंगे।

एआरपी में कमी होने के साथ, यात्रियों को अब एक बार फिर अपनी यात्रा योजनाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, जिससे वर्तमान 21 प्रतिशत रद्दीकरण दर में कमी आएगी। अग्रिम आरक्षण अवधि के इस महत्त्वपूर्ण नीतिगत निर्णय को पिछली बार दिनांक 1 जनवरी, 2015 से 60 दिन से बढ़ाकर 120 दिन कर दिया गया था। इससे पहले, दिनांक 1 सितम्बर, 1995 से 31 जनवरी, 1998 तक यह अवधि 30 दिनों तक थी।

नई नीति का उद्देश्य यात्रियों द्वारा टिकट रद्दीकरण किए बिना यात्रा न करने की समस्या से निपटना है, जो अक्सर प्रतिरूपण और धोखाधड़ी का कारण बनता है। भारतीय रेल सभी यात्रियों से इस बदलाव के बारे में जानकार रहने का आग्रह करता है और अपनी यात्रा योजना सुनिश्चित करने के लिए संशोधित एआरपी के अंतर्गत शीघ्र बुकिंग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। 60 दिन की बुकिंग अवधि होने से टिकट जमाखोरी में कमी आने की संभावना है, जिससे वास्तविक यात्रियों के लिए ज्यादा टिकट उपलब्ध हो सकेंगे।■



क्षेत्रीय रेल एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार



श्री अशोक कुमार वर्मा ने उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

भारतीय रेल भंडार सेवा के वर्ष 1987 बैच के अधिकारी श्री अशोक कुमार वर्मा ने उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले श्री वर्मा केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन (कोर) प्रयागराज के महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। श्री वर्मा ने विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर भारतीय रेल की सेवा की है। श्री अशोक कुमार वर्मा ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री और आईआईएम, कोलकाता से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड मैटेरियल मैनेजमेंट से पब्लिक प्रोक्योरमेंट (बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं में पब्लिक प्रोक्योरमेंट) में डिप्लोमा और नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी से अल्टर्नेट डिस्प्यूट रिजोल्यूशन मेकैनिज्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। उन्हें वित्त और सार्वजनिक खरीद में व्यापक अनुभव है।■



श्री चंद्र वीर रमन बने रेल पहिया कारखाना के महाप्रबंधक

भारतीय रेल प्रबंधन सेवा (भारतीय रेल सेवा के वर्ष 1986 बैच) के अधिकारी श्री चंद्र वीर रमन ने दिनांक 16 अक्टूबर, 2024 को रेल पहिया कारखाना, येलहंका के महाप्रबंधक का पदभार संभाल लिया।

श्री रमन ने विभिन्न रेलवे मंडलों और क्षेत्रीय रेलों में महाप्रबंधक, डीआरएम, प्रमुख कार्यकारी निदेशक, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, कार्यकारी निदेशक आदि जैसे विभिन्न स्तरों पर काम किया है।

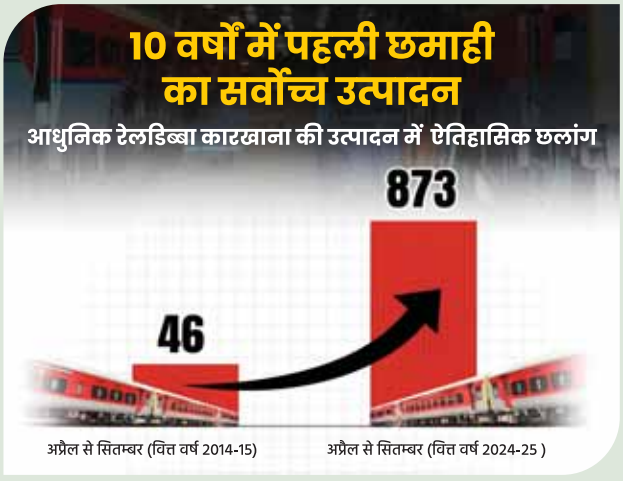
उनके पास भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी. टेक का शैक्षणिक रिकॉर्ड है।

उन्होंने भारत और विदेशों में यूएसए, सिंगापुर, मलेशिया, फ्रांस और इटली आदि देशों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।■

वित्त वर्ष के प्रथम 6 माह में अभी तक का सर्वाधिक कोच का उत्पादन

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 तक प्रथम 6 माह में कुल 873 कोच का उत्पादन किया गया, जो आरेडिका के अभी तक के प्रथम 6 माह का सर्वाधिक उत्पादन है तथा पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के प्रथम 6 माह में हुए कोच उत्पाद (783 कोच) से 11 प्रतिशत अधिक है। इन 873 कोचों में (331 कोच जनरल सिटिंग तथा स्लीपर क्लास एवं 421 कोच 3 एसी) 90 प्रतिशत से अधिक कोच जन सामान्य को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

रेलवे बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों को ध्यान में रखते हुए आरेडिका जनरल एवं स्लीपर क्लास के कोचों के उत्पादन को लगातार बढ़ा रहा है। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 में सर्वाधिक 841 कोचों का निर्माण किया गया था, जिसको आरेडिका ने इस वित्त वर्ष पार कर लिया है। आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर सभी विभागाध्यक्षों के योगदान की तारीफ की तथा कहा कि यह सभी विभागों के सामूहिक प्रयास से संभव हो पाया है।■



महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा हुब्बल्लि स्थित डीजल लोकोमोटिव शेड का उद्घाटन



दिनांक 3 सितम्बर, 2024 को श्री अरविंद श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने हुब्बल्लि स्थित डीजल लोकोमोटिव शेड में बे-5 और बे-6 के विस्तारीकरण का कार्य उद्घाटन किया। इस विस्तारीकरण से शेड की क्षमता एवं योग्यता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जो दक्षिण पश्चिम रेलवे की अपनी आधारभूत संरचना और विकसित परिचालन प्रदर्शन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।■

अमृत भारत ट्रेनों के लिए WAP-5 इलेक्ट्रिक लोको को चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में हरी झंडी दिखाई गई



अमृत भारत ट्रेनों के लिए परिवर्तित एयरोडायनामिक WAP-5 इलेक्ट्रिक लोको की पहली जोड़ी को चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में हरी झंडी दिखाई गई, जिससे रीडिज़ाइन की जरूरतों को कम करके महत्त्वपूर्ण लागत की बचत होगी। इसकी प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- पुन: डिज़ाइन की गई कैब।
- वास्तविक समय सूचना प्रणाली।
- दूरस्थ निगरानी प्रणाली।■

सर्कुलर रेलवे परिचालन के शानदार 40 वर्षों का जश्न : कोलकाता स्टेशन से प्रिंसेप घाट तक विशेष ईएमयू ट्रेन चलाई गई



कोलकाता में सर्कुलर रेलवे (चक्र रेलवे) संचालन के प्रशंसित 40 वर्षों के उपलक्ष्य में दिनांक 21 सितंबर, 2024 को छात्रों, रेल प्रेमियों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में कोलकाता स्टेशन से एक विशेष ईएमयू ट्रेन औपचारिक रूप से चलाई गई। विशेष ट्रेन उत्साहित यात्रियों को प्रिंसेप घाट स्टेशन तक ले गई, जहाँ उनके आगमन का भव्य स्वागत किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा में पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर, पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री सुमित सरकार, मं.रे.प्र., सियालदह श्री दीपक निगम और पूर्व रेलवे मुख्यालय के अन्य प्रमुख अधिकारियों ने भी भाग लिया।■

महाप्रबंधक ने किया नवनिर्मित स्टोर डिपो एवं आरसीसी बॉक्स ब्रिज का उद्घाटन



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में दिनांक 11 सितम्बर, 2024 को नवनिर्मित स्टोर डिपो एवं आरसीसी बॉक्स ब्रिज का उद्घाटन महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। इस नवनिर्मित स्टोर डिपो का कुल क्षेत्रफल 3,672 वर्गमीटर है, जिसकी लंबाई 72 मीटर एवं चौड़ाई 51 मीटर है और आरसीसी बॉक्स ब्रिज का कुल क्षेत्रफल 150 वर्गमीटर है, जिसकी लंबाई 15 मीटर एवं चौड़ाई 10 मीटर है। नवनिर्मित स्टोर डिपो के निर्माण हो जाने से भंडार विभाग को अतिरिक्त कोच सामग्री के रख-रखाव में सुविधा उपलब्ध होगी।■

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा पश्चिम मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों का निरीक्षण

दिनांक 7 से 9 अक्टूबर, 2024 तक मध्य वृत्त के रेल संरक्षा आयुक्त श्री मनोज अरोरा ने पश्चिम मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों का निरीक्षण किया। श्री अरोरा ने दिनांक 7 अक्टूबर 2024 को दोहरीकरण रेल लाइन परियोजना के अर्न्तगत कटनी- सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत जोबा-मड़वासग्राम (7.5 कि.मी.) रेलखंड सहित स्टेशनों और यार्डों का कमीशनिंग के उद्देश्य से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इस रेलखंड पर अधिकतम 120 कि.मी./घंटा की गति से सफल स्पीड ट्रायल भी किया।

पश्चिम मध्य रेल पर कटनी-सिंगरौली रेल खंड एक कोल रूट होने के कारण एक अत्यंत व्यस्त रूट है एवं उक्त सेक्शन डबल लाइन हो जाने से इस रूट की व्यस्तता में माल यातायात को राहत मिलेगी, साथ ही यात्री यातायात का संचालन और भी सुगम हो सकेगा।

दिनांक 8 अक्टूबर, 2024 को श्री अरोरा द्वारा कटनी-बीना तिहरीकरण परियोजना के अर्न्तगत असलाना-दमोह रेलखंड का कमीशनिंग के उद्देश्य से निरीक्षण किया गया। इस सेक्शन की



कुल दूरी 12.771 कि.मी. है। तथा रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दिनांक 9 अक्टूबर, 2024 को ललितपुर-सिंगरौली नई रेललाइन परियोजना के अर्न्तगत सतना-बरेठिया स्टेशनों के बीच नवनिर्मित रेललाइन का सघन निरीक्षण किया। इस प्रकार तीन दिनों में कुल 38 कि.मी. नवनिर्मित रेललाइन का संरक्षा निरीक्षण किया गया। सीआरएस ने सतना-बरेठिया सेक्शन में अधिकतम 110 कि.मी./घंटा की गति से स्पीड ट्रायल भी किया।■

कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए मेट्रो रेलवे से संबंधित सभी छतों पर सौर ऊर्जा पैनल का संस्थापन



मेट्रो रेलवे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पन्न कर कार्बन उत्सर्जन को कम करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है, इससे मेट्रो प्रणाली की दक्षता में वृद्धि होगी। भारतीय रेल के लिए 2030 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक बनने के लक्ष्य को तय करने के पश्चात इस प्रकार की पहल को गति मिली है।

विभिन्न सेवा भवनों और कारशेड में 4,197 KWp (4.2MWp) क्षमता के सौर संयंत्र की स्थापना की गई हैं जिनमें से ब्लू लाइन में नोआपाड़ा, दम दम, बेलगछिया सुरंग रैंप, महानायक में 763 KWp सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। उत्तम कुमार और कवि सुभाष स्टेशनों के साथ-साथ तपन सिन्हा मेमोरियल अस्पताल में भी सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। ईस्ट-वेस्ट परियोजना, सॉल्ट लेक सेक्टर-V, सेंट्रल पार्क स्टेशनों के साथ-साथ सेंट्रल पार्क डिपो में भी 1519 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। पर्पल लाइन के जोका में 1,400 किलोवाट क्षमता का संयंत्र कार्यरत है। ऑरेंज लाइन में कवि सुभाष स्थित नए कारशेड में 500 किलोवाट का सौर ऊर्जा संयंत्र कार्यरत है।

दिनांक 15 अगस्त, 2024 को मेट्रो रेलवे के बेलगछिया और दम-दम स्टेशन (1,200 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र) के बीच सुरंग के रैंप पर 106 किलोवाट क्षमता वाला एक सौर संयंत्र चालू किया गया है। बेलगछिया, टॉलीगंज और सर्विस बिल्डिंग के क्वार्टरों की छतों पर 360KWp के सौर संयंत्रों की स्थापना की जा रही है। इन संयंत्रों के बहुत जल्द चालू होने की उम्मीद है। इन 360 किलोवाट क्षमता वाले संयंत्रों की स्थापना के पश्चात, बेलगाछिया के क्वार्टरों की 100% विद्युत आपूर्ति सौर ऊर्जा पर आधारित हो जाएगी और टॉलीगंज के क्वार्टरों की लगभग 70% मांग भी सौर ऊर्जा द्वारा पूरी की जा सकेगी।

जेसोर रोड और गीतांजलि के पास खाली पड़ी जमीन पर 1,500 किलोवाट क्षमता वाले सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए टेंडर पहले ही जारी किया जा चुका है और जल्द ही इसे खोला जाएगा। 400 किलोवाट क्षमता वाले रूफटॉप सोलर के काम के लिए जल्द ही टेंडर जारी किया जाएगा।■

खेलों में भारतीय रेल

9वीं यू.एस.आई.सी. बैडमिंटन चैंपियनशिप-2024



भारतीय रेल के खिलाड़ियों ने 1 से 5 अक्टूबर, 2024 तक पोलैंड में आयोजित 9वीं यू.एस.आई.सी. बैडमिंटन चैंपियनशिप-2024 का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता के ग्रुप-ए के लीग मुकाबलों में भारतीय रेल ने ग्रेट ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड एवं चेक गणराज्य को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में बुल्गारिया को और फाइनल मैच में ग्रेट ब्रिटेन को हराकर यह चैंपियनशिप जीती।

भारतीय रेल की बैडमिंटन टीम में सम्मिलित खिलाड़ियों में मध्य रेल के चिराग सेन एवं वैदेही चौधरी, दक्षिण पूर्व रेलवे के सिद्धार्थ प्रताप सिंह एवं मिथुन मंजुनाथ, पश्चिम मध्य रेलवे की श्रीयांशी परदेसी तथा उत्तर रेलवे के अभिनव ठाकुर और टीम के कोच पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के सुरंजन भोबोरा ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस चैंपियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के महासचिव एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे श्री पंकज कुमार सिंह भारतीय रेल टीम के प्रबंधन प्रमुख थे। (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) की ओर से श्री राम प्रजापति ने समन्वयक के रूप में अपना योगदान दिया।

भारतीय रेल के इस प्रदर्शन पर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर ने भारतीय रेल बैडमिंटन टीम के प्रबंधन प्रमुख, महासचिव/नरसा एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह एवं भारतीय रेल के बैडमिंटन टीम के सदस्यों को बधाई दी।■

भारतीय रेल ने आईबीएसएफ वर्ल्ड 6 रेड्स स्नूकर चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण और कांस्य पदक जीता



कमल चावला और मलकीत सिंह ने मंगोलिया में आयोजित आईबीएसएफ वर्ल्ड 6 रेड्स स्नूकर चैंपियनशिप 2024 में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम गौरवान्वित किया। दोनों खिलाड़ी और भारतीय क्यू स्पोर्ट्स टीम के कोच अशोक शांडिल्य भारतीय रेल के गौरवशाली सदस्य हैं।■

भारतीय रेल की निशानेबाज को आईएसएसएफ विश्व कप में रजत पदक



भारतीय रेल की निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर ने नई दिल्ली में आयोजित आईएसएसएफ (ISSF) विश्व कप फाइनल में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता।■



भारतीय रेल की महिला हॉकी टीम ने चौथी हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में जीत दर्ज की



भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने चीन पर 1-0 की जीत के साथ अपना रिकॉर्ड तोड़ 5वां एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। भारतीय टीम के महत्त्वपूर्ण सदस्य अमित रोहिदास भारतीय रेल के गौरवशाली सदस्य हैं



भारतीय रेल की सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में महिला युगल स्पर्धा में भारत के लिए पहला कांस्य पदक जीता

पूर्वोत्तर रेलवे ने 79वीं अखिल भारतीय रेल फुटबॉल चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों ने 23 से 28 सितम्बर, 2024 तक नागपुर में आयोजित 79वीं अखिल भारतीय रेल फुटबॉल चैंपियनशिप के नॉकआउट राउंड मैचों में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये कांस्य पदक प्राप्त किया। फुटबॉल टीम के बेहतर प्रदर्शन में कोच श्री अरविन्द प्रताप सिंह एवं सहायक कोच श्री मिथुन विश्वास का विशेष योगदान रहा है। तीसरे स्थान के लिए खेले गये अंतिम मुकाबले में पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये पश्चिम रेलवे को 1-0 से पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता का खिताब मध्य रेलवे ने मेट्रो रेलवे को हराकर जीता।



पूर्वोत्तर रेलवे के फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर, अपर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री दिनेश कुमार सिंह, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के अध्यक्ष श्री अभय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष/नरसा श्री सुनील कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने शुभकामनाएं दी।■

65वीं ऑल इंडिया रेलवे कुश्ती चैंपियनशिप संपन्न


रेल डिब्बा कारखाना कपूरथला


पूर्वोत्तर रेलवे

रेल डिब्बा कारखाना (रेडिका) कपूरथला के रेसलिंग एरीना में आयोजित पुरुष वर्ग की 65वीं ऑल इंडिया रेलवे कुश्ती चैंपियनशिप दिनांक 11 अक्टूबर, 2024 को संपन्न हुई। इसमें फ्री स्टाइल वर्ग में उत्तर रेलवे की टीम प्रथम, मेजबान रेल डिब्बा कारखाना-दूसरे, मध्य रेल-तीसरे और पश्चिम रेलवे टीम चौथे स्थान पर रही। ग्रीको रोमन वर्ग में उत्तर पूर्व रेलवे को पहला, पश्चिम रेलवे को दूसरा, उत्तर रेलवे को तीसरा और मध्य रेल को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। इस चैंपियनशिप का उद्घाटन दिनांक 11 अक्टूबर, 2024 को रेडिका के महाप्रबंधक श्री मंजुल माथुर द्वारा किया गया था। रेडिका के पहलवानों ने फ्री स्टाइल में 1 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मैडल हासिल किए।

पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवानों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए ग्रीको रोमन स्टाइल में 3 स्वर्ण, 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक जीते। संदीप सिंह ने 92 किलोग्राम में गोल्ड मैडल जीता जबकि कुलदीप ने 57 किलोग्राम, सागर जागलान ने 86 किलोग्राम, साहिल ने 97 किलोग्राम और करणदीप सिंह ने 125 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मैडल प्राप्त किए। 65 किलोग्राम वर्ग में दीपक और 79 किलोग्राम वर्ग में संजीव ने रेडिका की तरफ से ब्रॉन्ज मैडल जीते। रेडिका के दिलमोहब्बत फोगाट ने ग्रीको-रोमन शैली के 72 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। चैंपियनशिप की समाप्ति पर रेडिका के महाप्रबंधक श्री मंजुल माथुर ने पुरस्कार वितरण समारोह में खिलाड़ियों को पुरस्कार बांटे।■

61वें अखिल भारतीय इंटर रेलवे ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप का आयोजन



दिनांक 11 से 13 सितंबर, 2024 तक इंदिरा गांधी साइक्लिंग वेलोड्रोम, नई दिल्ली में आयोजित 61वीं अखिल भारतीय इंटर रेलवे ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप 2024 में पू. सी. रेलवे टीम को टीम चैंपियनशिप (पुरुष) में 48 अंकों के साथ सर्वश्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि दक्षिण पश्चिम रेलवे को 34 अंक, उत्तर रेलवे को 31 अंक मिले। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में, एल. रोनाल्डो सिंह ने 500 मीटर स्प्रिंट इवेंट में स्वर्ण; वाई. रोजीत सिंह ने 1 कि.मी. टाइम ट्रायल इवेंट में स्वर्ण और मंजीत कुमार ने 4 कि.मी. परस्यूट इवेंट में रजत जीता। टीम वर्ग में एल. रोनाल्डो सिंह, मंजीत कुमार, वाई. रोजित सिंह, दिनेश एवं रामेश्वर लाल ने 4 कि.मी. टीम परस्यूट स्पर्धा में स्वर्ण और टीम स्प्रिंट स्पर्धा में भी पू. सी. रेलवे स्वर्ण पदक जीता।■

सीनियर नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय रेल को राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण



भारतीय रेल की महिला टीम ने मंगलुरु में आयोजित हुए सीनियर नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में 4.1.83 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। टीम में शामिल पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की दो तैराक मिस आस्था चौधरी और मिस शिवांगी शर्मा ने बेहतर प्रदर्शन किया और भारतीय रेल को रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक दिलाया। इसके अलावा व्यक्तिगत श्रेणी में, मिस आस्था चौधरी ने 100 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण और 200 मीटर बटरफ्लाई में रजत जीता।■

प्रगति रिपोर्ट

42 मार्गों के साथ एक नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली



उत्तर प्रदेश के बबराला रेलवे स्टेशन पर 42 मार्गों के साथ एक नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली शुरू की गई है, जिससे सुरक्षा और परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी।

5 अक्टूबर, 2024

गिनिगेरा–रायचूर नई लाइन 165 कि.मी.



शुरू की गई लंबाई : 84 कि.मी.
प्रमुख पुल : 45
नए स्टेशनों की संख्या : 15
पूरा होने पर

- उत्तरी कर्नाटक में रेल संपर्क मजबूत होगा।
- माल, खाद्यान्न और उर्वरकों की आवाजाही तेज हो सकेगी।

9 अक्टूबर, 2024

नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन अभियान की ओर अग्रसर



हरित कल के लिए सौर ऊर्जा को अपनाना!

नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन मिशन के अंतर्गत विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में मंडल रेलवे अस्पताल में 60 किलोवाट का ऑन-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया

27 अक्टूबर, 2024

आकार ले रहा है वापी बुलेट ट्रेन स्टेशन, गुजरात



कार्य पूर्ण :

- कॉन्कोर्स, ट्रैक और प्लेटफॉर्म स्लैब।
- ट्रस निर्माण।
- बुलेट ट्रेन परियोजना जल्द ही रेल यात्रा में क्रांति लाएगी।

19 अक्टूबर, 2024

रमना–सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना (160 कि.मी.)



चालू हो चुकी : लंबाई 154 कि.मी.

कवर किए गए जिले : पलामू और सिंगरौली

लाभ :

- मौजूदा मार्ग पर भीड़–भाड़ कम होगी
- कोयला परिवहन पर जोर
- आसपास के क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

11 अक्टूबर, 2024

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित हो रहे रेलवे स्टेशन

ब्यावर स्टेशन, राजस्थान



3 अक्टूबर, 2024

मारवाड़ भीनवाल स्टेशन, राजस्थान



6 अक्टूबर, 2024

नेल्लूर रेलवे स्टेशन, आंध्र प्रदेश



6 सितम्बर, 2024

चर्लपल्ली रेलवे स्टेशन, तेलंगाना



8 अक्टूबर, 2024

गदग जंक्शन, कर्नाटक



18 अक्टूबर, 2024

डूँगरपुर रेलवे स्टेशन, राजस्थान



30 अक्टूबर, 2024

तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन परियोजना

श्रद्धालुओं की आस्था को मिलेगा सम्मान, सुगम रेल संचालन से यात्रा होगी आसान

गुजरात और राजस्थान राज्यों के पर्यटन और धार्मिक स्थलों का रेल परिवहन के माध्यम से सम्पर्क स्थापित करने के लिए स्थानीय निवासियों की वर्ष 1927 से तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल के निर्माण की मांग थी। इस बहुप्रतीक्षित मांग को वित्त वर्ष 2022-23 में अनुमानित लागत ₹2,798.16 करोड़ के साथ स्वीकृत किया गया। स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं के सपने को साकार करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया।

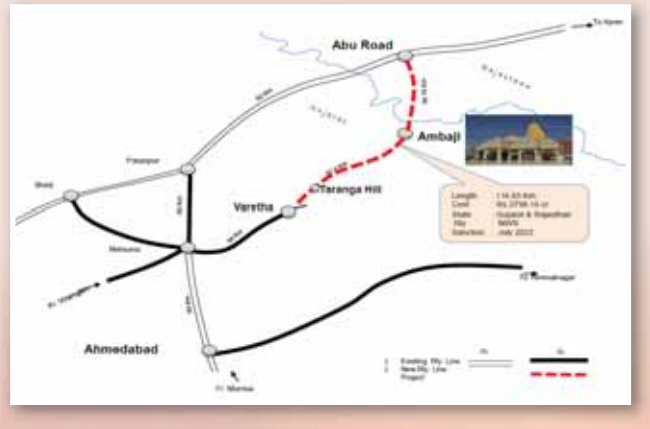
तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन (116.65 कि.मी.) परियोजना वित्त वर्ष 2026-27 तक पूरी की जाएगी। यह परियोजना कनेक्टिविटी बढ़ाने और गतिशीलता में सुधार करने में अहम भूमिका का निर्वहन करेगी, जिससे इस क्षेत्र का समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास होगा।

तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड परियोजना के निर्माण से नये क्षेत्रों में रेल परिवहन की उपलब्धता होगी तथा गुजरात और राजस्थान राज्यों के पर्यटन और धार्मिक स्थलों का रेल परिवहन के माध्यम से सम्पर्क स्थापित होगा, जिसमें प्रमुख पर्यटक स्थल माउंट आबू और आध्यात्मिक केन्द्र प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, दिलवाडा के जैन मंदिर अम्बाजी में स्थित देवी शक्ति पीठ, तारंगाहिल में जैन धर्म के तीर्थ स्थल प्रमुख हैं।



अंबाजी मंदिर, अंबाजी, गुजरात

अंबाजी देश का प्रसिद्ध एवं महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थल है तथा यह भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है। अंबाजी धार्मिक स्थल में हर साल गुजरात के और देश के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ विदेशों से लाखों भक्त दर्शन के लिए आते है। तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई लाइन के निर्माण से यहाँ आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को यात्रा में आसानी होगी। इसके अलावा, तारंगाहिल में स्थित अजीतनाथ जैन मंदिर (24 पवित्र जैन तीर्थंकरों में से एक) के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह रेल लाइन देश के अन्य ब्रॉडगेज नेटवर्क से सम्पर्क स्थापित करेगी। यह रेल लाइन कृषि और स्थानीय उत्पादों के परिवहन में तीव्र आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी और गुजरात और राजस्थान राज्यों का देश के अन्य हिस्सों के साथ बेहतर गतिशीलता प्रदान करेगी। यह परियोजना मौजूदा अहमदाबाद-आबू रोड रेलवे लाइन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करेगी।



तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन परियोजना कनेक्टिविटी बढ़ाने और गतिशीलता में सुधार करने में अहम भूमिका का निर्वहन करेगी। इस रेल लाइन पर कुल 15 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें 8 क्रॉसिंग और 7 हॉल्ट स्टेशन होंगे तथा 11 टनल, 54 बड़े पुल, 151 छोटे पुल, 8 रोड ओवर ब्रिज, 54 रोड अण्डर ब्रिज/सीमित ऊंचाई के पुल तथा यह विद्युतीकृत ट्रैक्शन पर संचालित मार्ग होगा।



जैन मंदिर, तारंगा हिल, गुजरात

तारंगाहिल–अंबाजी–आबू नई रेल लाइन के निर्माण के लिए विभिन्न कार्यों के लिए टेण्डर अवार्ड कर दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर है। तारंगाहिल–अंबाजी–आबू रोड नई रेल लाइन के बरेठा से अम्बा महूडा तक 61 कि.मी. सेक्शन के सिविल कार्यों हेतु दिनांक 1 दिसम्बर, 2023 को टेण्डर अवार्ड कर दिए गए हैं और इस सेक्शन में सिविल कार्य प्रगति पर है।

इसके साथ ही बैलास्ट आपूर्ति कार्यों के लिए दिनांक 15 अप्रैल, 2024 और ट्रैक सम्बंधित कार्यों के लिए दिनांक 8 अगस्त, 2024 को टेण्डर अवार्ड कर दिए गए हैं इसके अतिरिक्त अम्बा महूडा से आबू रोड के मध्य स्थित घाट सेक्शन में टनल, ब्रिज, आरओबी/आरयूबी, स्टेशन बिल्डिंग इत्यादि कार्यों के लिए भी दिनांक 4 जुलाई, 2024 को टेण्डर अवार्ड किए जा चुके हैं। टेण्डर अवार्ड होने के उपरांत अब कार्य तेजी से निष्पादित किए जाएंगे।

तारंगाहिल–अंबाजी–आबू रोड नई रेल लाइन राजस्थान के सिरोही जिले और गुजरात के साबरकांठा, बनासकांठा और महेसाणा जिलों से होकर गुजरेगी। नई रेल लाइन के निर्माण से इस क्षेत्र में उद्योग धंधे विकसित होंगे और क्षेत्र का समग्र सामाजिक–आर्थिक विकास होगा।

तारंगाहिल–अंबाजी–आबू रोड नई रेल लाइन प्रमुख तथ्य :

मद	विवरण
स्वीकृत वर्ष	2022–23
अनुमानित लागत (₹करोड़ में)	₹2,798.16 करोड़
कुल लम्बाई (कि.मी.)	116.65
महत्त्वपूर्ण/बड़े पुल	54
छोटे पुल	151
रोड ओवर ब्रिज	8
रोड अण्डर ब्रिज	54
रेल ओवर रेल फ्लाई ओवर	1
सुरंग	11
स्टेशन	15
भूमि आवश्यकता	कुल–621.28 हेक्टेयर
पूर्ण करने की अवधि	2026–27
ट्रैक्शन	विद्युतीकृत

इस परियोजना के निर्माण से होने वाले लाभ –

- नई रेल लाइन राजस्थान के सिरोही जिले और गुजरात के साबरकांठा, बनासकांठा और महेसाणा जिलों से होकर गुजरेगी।
- नई रेल लाइन के निर्माण से इस क्षेत्र में उद्योग धन्धे विकसित होंगे और क्षेत्र में रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।
- गुजरात और राजस्थान राज्यों के पर्यटन और धार्मिक स्थलों का रेल परिवहन के माध्यम से सम्पर्क तथा देश के अन्य भागों से सम्पर्क स्थापित होगा।
- अहमदाबाद और आबू रोड के मध्य वैकल्पिक मार्ग की उपलब्धता होगी।
- इस परियोजना में निर्माण के दौरान लगभग 40 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।
- अम्बाजी में स्थित धार्मिक स्थल देवी शक्ति पीठ, तारंगाहिल में जैन धर्म के तीर्थ स्थल, प्रमुख पर्यटक स्थल माउंट आबू और आध्यात्मिक केन्द्र प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आने वाले यात्रियों के लिए नई रेल लाइन के माध्यम से रेल सम्पर्क स्थापित होगा।
- यह रेल लाइन स्थानीय क्षेत्र में डेयरी और मार्बल उद्योग के विकास में उपयोगी होगी।■

मुख्य जनसम्पर्क कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे

'दक्षिण काशी' के लिए
कोल्हापुर - पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस

पराग पुरोहित

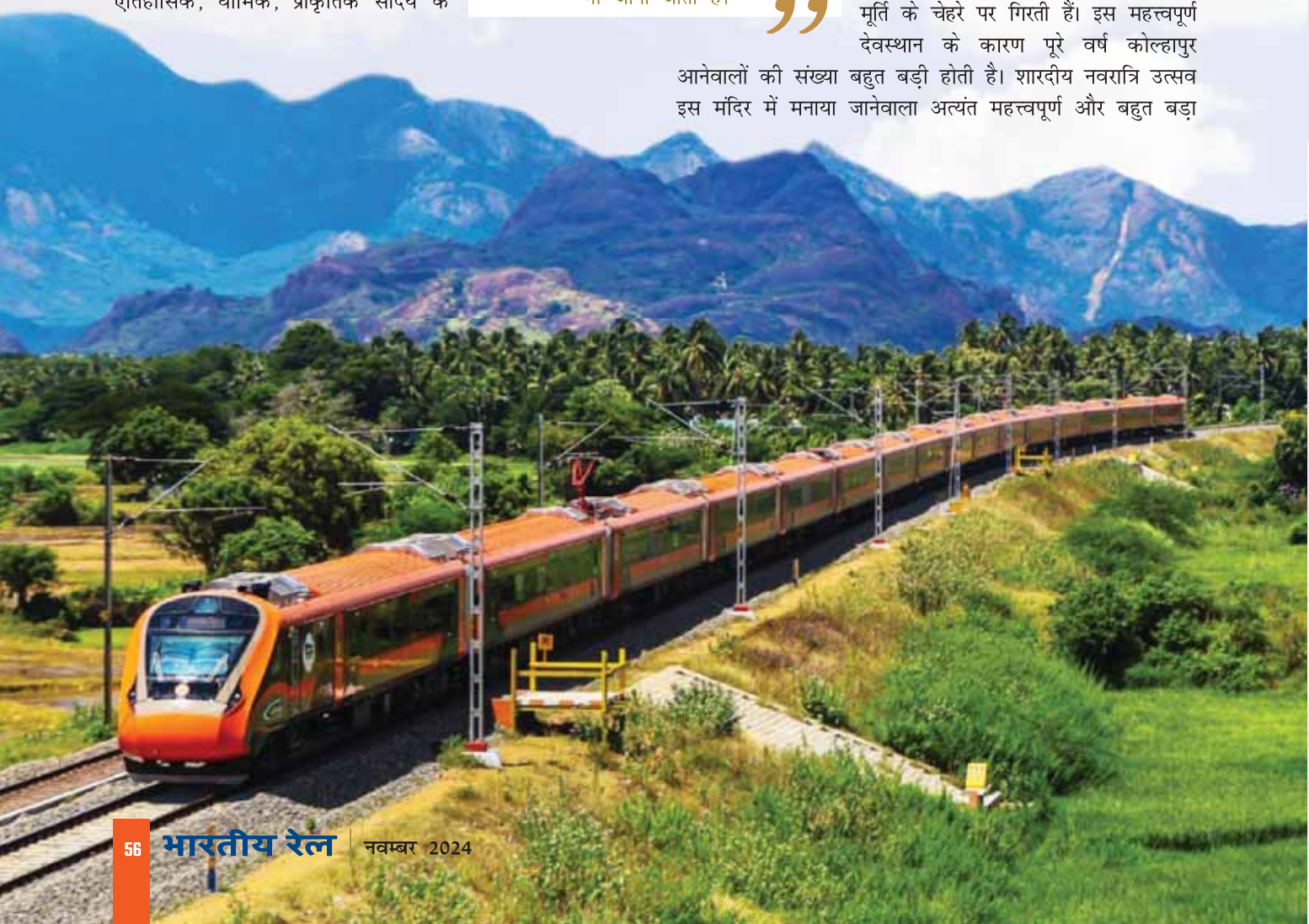
यह शहर मिट्टी में खेली जानेवाली कुश्ती का भी प्रमुख केंद्र है। इन सब विशेषताओं के कारण कोल्हापुर में देश के विभिन्न स्थानों से पर्यटक, विद्यार्थी, पेशेवर लोगों का आना-जाना बढ़ता जा रहा है।

कोल्हापुर के बढ़ते विस्तार के कारण इस शहर को अब सड़क, रेल और हवाई मार्गों से देश के विभिन्न भागों से जोड़ा जा रहा है। उन्हीं प्रयासों का एक भाग है हाल ही में पुणे और कोल्हापुर के बीच शुरू हुई आधुनिक और सेमी-हाय स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस। इस ट्रेन से अब पुणे और कोल्हापुर के बीच की यात्रा तेज और सुविधाजनक बन गई है।

कोल्हापुर शहर और उसके आसपास ऐतिहासिक, धार्मिक, प्राकृतिक सौंदर्य के अनेक पर्यटन स्थल हैं। करवीरनिवासिनी श्री अंबाबाई देवी का मंदिर यहाँ का सबसे प्रसिद्ध और महत्त्वपूर्ण स्थल है। महाराष्ट्र के साढ़ेतीन शक्तिपीठों में से यह एक पूर्ण शक्तिपीठ है। ऐसा अनुमान है कि इस मंदिर का निर्माण सातवीं शताब्दी में किया गया था। इस मंदिर की दिवारों के लिए काले पत्थर का उपयोग किया गया है और उन पर विभिन्न प्रकार के सुंदर शिल्प तराशे गए हैं। मंदिर में मुख्य देवी अंबाबाई की मूर्ति तीन फिट उंची है और उसे काले पत्थर में तराशा गया है। यह देवी अंबाबाई की मूर्ति पश्चिमाभिमुख है।

> "महाराष्ट्र के दक्षिण में स्थित कोल्हापुर शहर समृद्ध कला-संस्कृति, शिक्षा, उद्योग, कृषि, प्राकृतिक संसाधन के साथ-साथ खेलकूद के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पर स्थित आदिशक्ति श्री अंबाबाई मंदिर के कारण कोल्हापुर धार्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान बन गया है।
>
> श्री अंबाबाई के निवास के कारण कोल्हापुर को 'दक्षिण काशी' के नाम से भी जाना जाता है।"

इसके कारण हर वर्ष दिनांक 31 जनवरी से 2 फरवरी तक और 9 से 11 नवंबर को शाम के समय सूर्य की किरणें सीधी मूर्ति के चेहरे पर गिरती हैं। इस महत्त्वपूर्ण देवस्थान के कारण पूरे वर्ष कोल्हापुर आनेवालों की संख्या बहुत बड़ी होती है। शारदीय नवरात्रि उत्सव इस मंदिर में मनाया जानेवाला अत्यंत महत्त्वपूर्ण और बहुत बड़ा




पन्हालगढ़ किला

उत्सव होता है, जिसके लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक भी कोल्हापुर में आते हैं। कोल्हापुर के राजपरिवार द्वारा मनाया जानेवाला दशहरा भी यहाँ का प्रमुख उत्सव और आकर्षण है।

कोल्हापुर शहर के उत्तर-पश्चिम में लगभग 20 कि.मी. पर बारहवी सदी में निर्मित पन्हाला किला है, जो आज भी गौरवशाली इतिहास का साक्षी बन खड़ा है। राजा भोज ने इस किले का निर्माण वर्ष 1178 से 1209 के बीच किया था। छत्रपति शिवाजी महाराज के कार्यकाल से तो इस किले का हिंदवी स्वराज में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना रहा था। उनकी छोटी बहू वीरांगना छत्रपति महारानी ताराबाई ने 1709 इसवी में कोल्हापुर में हिंदवी स्वराज्य की स्वतंत्र गद्दी स्थापित की थी।

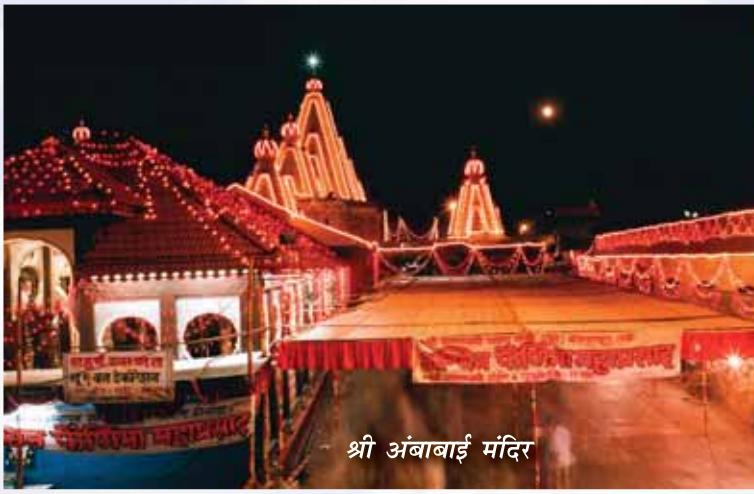
उसके बाद कुछ समय तक पन्हाला किला उस राज्य का प्रमुख प्रशासनिक केंद्र था। समुद्र सतह से लगभग 977 मीटर ऊंचाई पर स्थित पन्हालगढ़ किला एक ऐतिहासिक स्थान होने के साथ-साथ एक लोकप्रिय पर्यटनस्थल भी बन गया है। कोल्हापुर के आसपास में विशालगढ़ और अन्य महत्त्वपूर्ण किले भी स्थित हैं।

कोल्हापुर में मराठा स्वराज की स्वतंत्र गद्दी बनने के बाद यहाँ पर राजपरिवार के लिए श्री अंबाबाई मंदिर के पास ही में एक महल बनवाया गया था। आज उसे जुना राजवाडा (पुराना महल) बोला जाता है। बाद में शहर से थोड़ी दूरी पर ही 1877-1884 के बीच राजपरिवार के लिए एक महल बनवाया गया, जिसे नवा राजवाडा (नया महल) नाम से जाना जाता है। कोल्हापुर का राजपरिवार आज वहां रहता है। उस महल के आधे भाग में संग्रहालय भी बनाया गया है।

कोल्हापुर विशेष रुप से उसकी कला-संस्कृति और वैशिष्ट्यपुर्ण खानपान के लिए भी जाना जाता है। कोल्हापुर में बननेवाले गुड़ को देश में सबसे उत्कृष्ट गुड़ माना जाता है। गुड़ का एशिया का सबसे बड़ा बाजार भी यहाँ है। इसके साथ ही कोल्हापुरी साज (एक विशेष प्रकार का गहना जिसे स्त्रियाँ पहनती हैं), चप्पल, मिसल, तांबडा-पांढरा रस्सा आदि कोल्हापुर की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती रहती हैं।

शहर में स्थित रंकाला झील और शालिनी पॅलेस, खासबाग मैदान, शिवाजी विश्वविद्यालय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण स्थल भी हैं। इसके साथ ही कोल्हापुर जिले के पश्चिम में पश्चिमी घाट में स्थित दाजीपुर वन्यजीव अभयारण्य बाइसन के लिए प्रसिद्ध है। इस अभयारण्य को वर्ष 2012 में युनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। कोल्हापुर जिला विशालगढ़, पावनखिंड, राधानगरी बांध जैसे अन्य ऐतिहासिक स्थल प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

आधुनिक कोल्हापुर के विकास में रेलवे का अनन्यसाधारण महत्त्व रहा है। कोल्हापुर के महाराजा राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज ने कोल्हापुर में वर्ष 1891 में रेलवे की शुरुआत की। तब से आज तक कोल्हापुर के रेलवे के क्षेत्र में भी बहुत बदलाव होते गए हैं। अब कोल्हापुर आज के जमाने की सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस के नक्शे पर आने के कारण यहाँ के पर्यटन, व्यापार, उद्योग, शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों को अवश्य लाभ मिलेगा।■


श्री अंबाबाई मंदिर

सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ), लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से सम्बन्धित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं, इनसे संपादक मंडल का सहमत होना जरूरी नहीं है। *-संपादक*



राजस्थान की पर्वतीय रेलवे :
गोरम घाटी मीटर गेज रेलवे

विमलेश चंद्र

राजपूताना रेलवे की बनाई हुई मीटर गेज की अंतिम निशानी वाली एक घाटी रेलवे अभी भी राजस्थान में बची है और सफलता पूर्वक चल भी रही है, जिसे सामान्यत: गोरम घाटी रेलवे कहते हैं। पर्वतीय रेलवे होने के कारण बहुत सारे लोग इसे राजस्थान की दार्जिलिंग रेलवे या फिर राजस्थान की शिमला रेलवे या फिर राजस्थान की उँटी रेलवे के नाम से भी पुकारते हैं। यह मीटर गेज की रेलवे लाइन है लेकिन प्रसिद्ध लोकेशन पर नहीं होने के कारण यह बहुत कम प्रसिद्ध है, जबकि यह अपने विशेष बनावट या कह सकते हैं कि यह हर मामले में पांचो पर्वतीय रेलवे मतलब कालका- शिमला रेलवे, दार्जिलिंग रेलवे, उँटी या नीलगिरी पर्वतीय रेलवे, माथेरान रेलवे और कांगड़ा घाटी रेलवे को हर तरह से टक्कर देती है।

यहाँ पर फुलाद नाम का एक रिवरसिंग स्टेशन भी है। यहाँ जो दो प्रमुख घाटी है, वह है गोरम घाट और खामली घाट। यह घाटी, सुप्रसिद्ध अरावली पर्वत श्रेणी का हिस्सा है और यह पूरा पर्वतीय क्षेत्र गोरम घाट वन अभ्यारण्य के अंतर्गत आता है। यह रेलवे लाइन अरावली पहाड़ियों को पार करती हुई मेवाड़ क्षेत्र और मारवाड़ क्षेत्र को आपस में जोड़ती है। इसी तरह की मीटर गेज की एक और रेलवे है, पातालपानी-कालाकुंड रेलवे जो कि मध्य प्रदेश में रतलाम मंडल के अंतर्गत आती है। इसको मध्य प्रदेश का पर्यटन विभाग और रतलाम मंडल रेलवे प्रशासन ने मिलकर प्रचारित किया तो वह रेलवे काफी प्रसिद्ध हो गई है, लेकिन किसी कारण से गोरम घाटी रेलवे को उतनी ख्याति नहीं मिल पाई, जिसकी यह हकदार है।

मैं खुद भारतीय रेल के अगरतला और कश्मीर के अंत वाली रेलवे को छोड़कर पूरे भारत में रेलगाड़ी से यात्रा किया हूँ लेकिन मुझसे खुद यह गोरम घाटी रेलवे अनजाने में छूट गई। दिनांक 31 जुलाई, 2024 को इस रेलवे पर घूम करके आया तो आश्चर्य हुआ कि इस रेलवे पर यात्रा करने में यह घाटी रेलवे मुझसे बची कैसे रह गई। खैर, आइये इस रेलवे के बारे में कुछ जानते हैं। जिससे कि इस रेलवे के बारे में और लोग जान सकें और हरियाली के मौसम में इससे यात्रा करने का अवसर उठा सकें क्योंकि यह

मीटर गेज की रेल लाइन है इसलिए कभी भी बंद हो जाने की संभावना बनी रहती है।



गोरम घाटी मीटर गेज रेलवे लाइन का इतिहास

दुनिया की और भारत की पहली मीटर गेज रेलवे राजपुताना रेलवे ने वर्ष 1873 में चलाई थी। इस पहली मीटर गेज की शुरुआत का 150 गौरवपूर्ण वर्ष अभी पिछले साल 2023 में पूरा हुआ है। अब राजपूताना रेलवे की सभी मीटर गेज लाइन बंद हो गईं हैं या गेज परिवर्तन हो गया है। महाराजा उदयपुर की रेलवे उदयपुर-चितौड़गढ़ रेलवे की स्थापना वर्ष 1885 में हुई थी। फिर दिनांक 1 अगस्त, 1948 को इसका नाम बदलकर मेवाड़ स्टेट रेलवे कर दिया गया था। मावली से कांनकरोली (राजसमंद) तक 18 मील लंबी मीटर गेज रेल लाइन दिनांक 1 नवंबर, 1930 को खोली गयी थी। फिर इस रेलवे ने दिनांक 16 नवंबर, 1932 को कांनकरोली (राजसमंद) से खामली घाट तक की रेल लाइन खोली थी।

फिर जोधपुर रेलवे और मेवाड़ स्टेट रेलवे आपस में मिल गए और इस मीटर गेज रेल लाइन को दिनांक 4 फरवरी, 1936 को मारवाड़ जंक्शन तक इनके द्वारा बनाया गया और खोला गया। मारवाड़ जंक्शन उस समय जोधपुर स्टेट रेलवे और राजपूताना रेलवे का एक काफी बड़ा जंक्शन स्टेशन था। अभी कुछ माह पहले दिनांक 27 अप्रैल, 2024 को इसका खामली घाट-मावली जंक्शन सेक्शन गेज परिवर्तन के कारण बंद कर दिया गया। अब केवल मारवाड़ जंक्शन से खामली घाट तक मीटर गेज की एक यात्री ट्रेन चल रही है। यह गोरम घाटी रेल लाइन, राजपूताना-मालवा रेलवे के द्वारा बनाई गई महू-खांडवा मीटर गेज की तरह मीटर गेज घाट सेक्शन है। यह पहाड़ और घाटी में चलने वाली मीटर गेज रेलवे है जो स्वाभाविक रूप से एक खतरनाक या जटिल रेलवे लाइन है। हरियाली के मौसम में इस रेलवे लाइन से जुड़े पहाड़, घाटी, रेल पुल और रेल लाइन की खूबसूरती देखते ही बनती है।

जिस तरह से मध्य रेल के थाल घाट और भोर घाट को बनाने में बहुत सारे लोगों को अपना बलिदान देना पड़ा था, ठीक उसी तरह इस गोरम घाटी रेलवे में भी जहाँ अनेकों छोटे-बड़े मिलाकर कुल लगभग 200 रेल पुल हैं, गहरी घाटी है, दो सुरंग हैं और कई सौ टनल कटिंग वाली रेल लाइन है, सैकड़ों कर्व हैं, निर्माण से जुड़े हजारों लोगों को अपना बलिदान देना पड़ा था।

यहाँ की खतरनाक या जटिल रेलवे लाइन, अनगिनत एस कर्व, कई दर्जन बड़े रेल पुल, 2 लंबी रेल सुरंग, खतरनाक मोड़ या कर्व, मजबूत चट्टानों को काट कर बनाई गई रेलवे लाइन इस बात की गवाह है कि इसे बनाने में बहुत दिक्कत आई होगी। यह वही सेक्शन है जहाँ पर मथुरा वाली ₹2 करोड़ की बनी रेल बस को चलाने का प्रयास किया गया था, लेकिन वह इस ग्रेडिएन्ट पर चल न सकी। मजेदार बात यह है कि इस घाट सेक्शन का समिट पॉइंट खामली स्टेशन से पहले ही है। और तो और यहाँ 2 स्लिप साइडिंग भी है जिससे इसके जटिल होने का अनुमान लगाया जा सकता है। लंबी वाली रेल सुरंग की लंबाई 513 मीटर लंबी है जबकि छोटी वाली रेल सुरंग की 238 मीटर है। वर्तमान समय में यह 513 मीटर लंबाई वाली रेल सुरंग भारतीय रेल में मीटर गेज की सबसे लंबी रेल सुरंग है। नीलगिरी पर्वतीय रेलवे और पातालपानी-कालाकुंड रेलवे जो कि मीटर गेज घाट या पर्वतीय रेलवे हैं, उनकी सबसे लंबी सुरंग की लंबाई केवल 200 मीटर के आसपास है जबकि गोरमघाट रेलवे के सुरंग की लंबाई 513 मीटर है।



मावली रेलवे स्टेशन का इतिहास

उदयपुर के महाराजा वर्ष 1884 में चित्तौड़गढ़ की रेल लाइन बनाने के बाद वे अपनी इस रेलवे को चित्तौड़गढ़ से नाथद्वारा नाम के धार्मिक स्थल को जोड़ना चाहते थे, जो कि उदयपुर का पड़ोसी शहर है। नाथद्वारा, भगवान कृष्ण से जुड़ा है और वैष्णव संप्रदाय का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। इस रेल लाइन का निर्माण उन्होंने करवाया था। वर्ष 1884-85 में इसका सर्वे पूरा हो गया और इसे उदयपुर-चित्तौड़गढ़ रेलवे का नाम दिया गया।

यह 60 कि.मी. लंबी चित्तौड़गढ़-देवरी रेल लाइन को दिनांक 18 फरवरी, 1894 में स्वीकृति मिली और वर्ष 1895 को इसे रेल यातायात के लिए खोल दिया गया। फिर देवरी को उदयपुर से जोड़ा गया। एक तरह से उदयपुर सिटी से चित्तौड़गढ़ तक की रेल लाइन को दिनांक 25 अगस्त, 1899 को खोला गया था। फिर मावली जंक्शन से बड़ा सदरी तक की रेल लाइन को वर्ष 1948-49 में खोला गया था। इस तरह से कह सकते हैं कि मावली रेलवे जंक्शन एक बड़ा जंक्शन स्टेशन है, जिसके चारों दिशा में रेलवे लाइन जा रही हैं।

एक रेलवे लाइन बड़ा सदरी की तरफ, एक रेलवे लाइन उदयपुर सिटी की तरफ, एक रेलवे लाइन चित्तौड़गढ़ की तरफ और एक रेलवे लाइन नाथद्वारा होते हुए खामलीघाट तक की तरफ जाती है। नाथद्वारा शहर पहले से ही मीटर गेज रेल लाइन से जुड़ा हुआ था जबकि मावली से जुड़ी तीन तरफ की रेल लाइन गेज परिवर्तन के बाद बड़ी लाइन बन गई थी। फिर मावली से नाथद्वारा तक बड़ी रेल लाइन की जरूरत महसूस हुई, जिससे कि बड़ी लाइन की रेलगाड़ी सीधे नाथद्वारा तक आ जा सकें। तब मावली से नाथद्वारा तक 15 कि.मी. लंबी ब्राड गेज वाली एक नई रेल लाइन वर्ष 2010 में बनाकर चालू की गई थी। नाथद्वारा का यह सुप्रसिद्ध मंदिर शुरू से ही मीटर गेज रेल लाइन से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसे मारवाड़ जंक्शन के साथ जोड़ने में गोरम घाट और खामली घाट रेलवे बीच में आती है, स्वाभाविक रूप से यहाँ रेलवे लाइन बनाना आसान नहीं था। यहाँ रेल लाइन बनाने के लिए मीटर गेज ही सबसे बेहतर विकल्प था। वैसे भी राजपूताना रेलवे ने पूरे राजस्थान में मीटर गेज रेल लाइन का जाल बिछा दिया था। उस हिसाब से गोरम घाटी रेलवे को भी मीटर गेज रेल लाइन बनाया गया था।



गोरम घाटी रेलवे की रोचक जानकारी

गोरम घाटी रेलवे लाइन पर यात्रा करने के लिए हमें सबसे पहले मारवाड़ जंक्शन जाना होगा। मारवाड़ जंक्शन एक बड़ा रेलवे जंक्शन है। यह अजमेर मंडल में आता है। हम अहमदाबाद से होते हुए मारवाड़ जंक्शन पहुँच सकते हैं या फिर दिल्ली से अहमदाबाद की तरफ आते हुए मारवाड़ जंक्शन पर उतर सकते हैं। यहीं से प्रतिदिन एक मीटर गेज की ट्रेन, मारवाड़ जंक्शन के मीटर गेज प्लेटफॉर्म से खामली घाट के लिए चलती है। वर्तमान में यह रेलगाड़ी मारवाड़ जंक्शन से सुबह 08:15 पर खुलती है और फिर लगभग 3 घंटे बाद 11.10 बजे खामली घाट पहुँचती है और फिर खामली घाट में कुछ देर रुकने के बाद मारवाड़ जंक्शन तक वापसी के लिए दोपहर को 12.40 बजे खुलती है और शाम को 15.45 बजे वापस मारवाड़ जंक्शन आ जाती है।

मारवाड़ जंक्शन से यात्रा करते समय पांच या कभी सात कोच इस ट्रेन में लगाए जाते हैं। इसका पहला बड़ा स्टॉपेज, फुलाद स्टेशन आता है। जहाँ पर इसके इंजन की दिशा बदली जाती है और फुलाद स्टेशन से ही इस रेलवे के घाट सेक्शन की शुरुआत होती है। फुलाद स्टेशन एक रिवर्सिंग स्टेशन है, रिवर्सिंग स्टेशन का मतलब यह हुआ जहाँ पर रेलगाड़ी की दिशा बदली जाए और वह पहाड़ी एरिया पर स्थित हो और वहाँ रेलगाड़ी को कुछ दूरी से निर्धारित तेज गति से चलाई जाए, जिससे कि वह अपने मोमेंट से आने वाली ऊंचाई पर चढ़ जाए। यह स्टेशन इसी तरह का है और यह पहाड़ी पर स्थित रेलवे स्टेशन है और यहाँ से इंजन की दिशा बदली जाती है। देश का सबसे प्रसिद्ध रिवर्सिंग स्टेशन तत्कालीन ग्रेट इंडियन पनिनसुला रेलवे का खंडाला रिवर्सिंग स्टेशन था जो अब बंद हो चुका है। तब वहां भाप इंजन रेलगाड़ी चलती थीं और फिर अपनी दिशा बदलती थी। यहाँ गोरम घाटी रेलवे में फुलाद स्टेशन से रेलगाड़ी अपनी चढ़ाई शुरू करती है तो स्वाभाविक रूप से चढ़ने वाला रेल मार्ग होने की वजह से रेलगाड़ी बहुत ही धीमे और मुश्किल से ऊंचाई चढ़ पाती है।

रेल लाइन के दोनों तरफ ऊंचे पहाड़ और गहरी घाटियां दिखाई देने लगती हैं। जैसे-जैसे रेलगाड़ी आगे बढ़ती है, पहाड़ शुरू होते जाते हैं। पहाड़ को काटकर रेल लाइन बनाई गई है, जिसके कारण इस पूरे क्षेत्र में कई सौ कर्व हैं। मुझे ऐसा लगा कि भारतीय रेल में सबसे ज्यादा एस (S) कर्व इसी रेलवे में है। कर्व दो तरह के होते हैं। एक सिंपल अंग्रेजी के अक्षर सी (C) तरह का कर्व और दूसरा अंग्रेजी के अक्षर एस (S) तरह का कर्व। सी (C) तरह का कर्व तो बहुत सारी जगह पर होते हैं लेकिन यस (S) टाइप के कर्व बहुत कम जगह पर होते हैं। यस (S) टाइप के कर्व को बहुत खतरनाक और जटिल माना जाता है, लेकिन यहाँ पर यस टाइप का कर्व बहुत है। इसकी गिनती करना कठिन है।

रेलवे लाइन आगे बढ़ती है फिर पूरा का पूरा क्षेत्र सी और यस टाइप कर्व से भरा हुआ है। पहाड़ों को काटकर के रेल लाइन के लिए जो रास्ता बनाया गया है वह भी अद्भुत और अनोखा है। फुलाद से चलने के बाद जो पहला स्टेशन आता है वह है गोरम घाट स्टेशन। यह एकदम पहाड़ी पर बना है और चारों तरफ जंगल ही जंगल है। इसके आगे कहीं कोई घर नहीं, कोई खुली जमीन नहीं, चारों तरफ जंगल ही जंगल हैं और इस जंगल में ये रेलवे स्टेशन बना हुआ है। इस स्टेशन पर सैकड़ो की संख्या में लंगूर, रेलगाड़ी और यात्रियों की प्रतीक्षा करते हैं कि यात्री लोग आए और उनके लिए खाना दें। ज्यादातर यात्री यहीं पर उतर जाते हैं क्योंकि यहाँ पर जोगमंडी नाम का एक जलप्रपात और एक मंदिर है, जो काफी प्रसिद्ध है। पास में ही एक बड़ी झील भी है।

इस खूबसूरत झरने, खूबसूरत झील और इस मंदिर के कारण गोरम घाटी काफी प्रसिद्ध है। ज्यादातर लोगों को रेल पुल या जटिल रेल लाइन या ऊंची-ऊंची पहाड़ियों से कोई ज्यादा मतलब नहीं है। इसलिए वे लोग गोरम घाट से आगे की यात्रा नहीं करते हैं जबकि जो रेल प्रेमी है वह इस रेलवे को ठीक से और नजदीक से देखना चाहते हैं वे आगे खामली घाट तक यात्रा करते हैं। फिर गोरम घाट से यह रेल लाइन आगे बढ़ती है और कई ऊंचे-ऊंचे रेल के पुल को पार करती है। रेल पुल इतनी ऊंचाई

पर बने हैं और भयानक हैं कि रेलगाड़ी से नीचे देखने पर बहुत डर लगता है। इतना ऊंचे रेल पुल कैसे बनाए गए होंगे और यह रेल पुल भी सीधे रेल पुल नहीं बल्कि कर्व पर बने रेल पुल हैं। रेल पुल पर रेलगाड़ी अपने को कैसे रेलवे लाइन के साथ समायोजित करते हुए आगे बढ़ती है यह अद्भुत दृश्य देखकर हर व्यक्ति रोमांचित हो जाता है।

फिर ट्रेन आगे चलती रहती है और पहाड़ों की कटिंग आती रहती है। काफी दूर-दूर तक खूबसूरत प्राकृतिक नजारे दिखते रहते हैं और फिर आती है पहली छोटी रेल सुरंग। इसके कुछ देर बाद आती है सबसे लंबी सुरंग। इसी घाट क्षेत्र में इसी लोकेशन पर दो कैच साइडिंग भी बने हैं। जो रेल लाइन बहुत ही खतरनाक रेल लाइन होती है वहां ही इसे बनाया या स्थापित किया जाता है। यहाँ पहले तीन कैच साइडिंग थी, लेकिन एक को बंद कर दिया गया, जिसके कारण अब केवल दो कैच साइडिंग कार्यरत हैं। बड़ी रेल लाइन के कैच साइडिंग और स्लिप साइडिंग भोर घाट और थल घाट में स्थित है, जो मध्य रेल के सहयाद्रि पहाड़ी पर बने हुए हैं। गोरम घाटी रेलवे की यह रेल लाइन और आगे बढ़ती है और इस रेल लाइन का सबसे ऊंचा स्थान, समिति पॉइंट आता है। रेलवे में समिति पॉइंट उसे कहते हैं जिस पॉइंट पर रेल लाइन सबसे ऊंची होती है। उस पॉइंट को या उस लोकेशन को रेलवे की भाषा में समिति कहा जाता है। तो इस पॉइंट पर रेल लाइन की ऊंचाई 657.80 मीटर है।

यह रेल लाइन आगे चलती है और खामली घाट स्टेशन आता है। खामलीघाट स्टेशन के पहले ही यह पूरा घाट सेक्शन समाप्त हो जाता है। खामलीघाट स्टेशन, इस रेलवे का अंतिम रेलवे स्टेशन है। यहाँ रेलगाड़ी कुछ घंटे रुकने के बाद वापस अपने पहले वाले स्थान गोरम घाट, फुलाद और फिर मारवाड़ जंक्शन के लिए चल देती है। मजेदार बात यह कि स्टेशन का नाम खामली घाट है लेकिन इसके शहर का नाम कामली घाट है।

इस पर्वतीय रेलवे लाइन को बनाने में उस समय कई श्रमिक लोगों को अपनी जान देनी पड़ी थी। यहाँ पर सप्ताह में चार दिन चलने वाली एक विस्टाडोम कोच और एक जनरल कोच रहता है। खामली घाट से आगे यह रेलवे लाइन मावली जंक्शन तक जाती है। मावली जंक्शन पर जाकर यह मीटर गेज लाइन खत्म होती है। खामली घाट से लेकर मावली जंक्शन तक प्लेन या समतल एरिया है तो इस हिसाब से इस रेल खंड के गेज परिवर्तन के लिए दिनांक 27 अप्रैल, 2024 को जिस पर पहले मीटर की ट्रेन चलती थी, उसे बंद कर दिया गया और अब उसका गेज परिवर्तन का कार्य हो रहा है।

मतलब मावली और नाथद्वारा तक पहले से ही बड़ी लाइन है ही, लेकिन अब मावली से बड़ी लाइन का विस्तार यहाँ खामली घाट तक किया जा रहा है। खामली घाट से मारवाड़ जंक्शन तक गेज कन्वर्जन करना संभव नहीं है क्योंकि यह बहुत ही जटिल और क्रिटिकल रेल लाइन है, जिस तरह से पातालपानी से कालाकुंड तक गेज परिवर्तन करना संभव नहीं हुआ क्योंकि वह जटिल रेल लाइन है और इसीलिए गोरम घाट रेलवे को भी बड़ी लाइन वाली रेल लाइन बनाना संभव नहीं हो पाएगा। तो माना जा सकता है कि यह रेल लाइन इसी तरह मीटर गेज की हेरिटेज रेल लाइन बनी रहेगी।

बारिश का मौसम इस घाटी के लिए हरा भरा मौसम होता है। इसलिए बारिश के मौसम में यहाँ काफी पर्यटक आते जाते हैं और काफी पर्यटक यहाँ पर ट्रैकिंग भी करते हैं। जबकि गर्मी के मौसम में से थोड़ा सूखा वाला क्षेत्र हो जाता है तो पर्यटन का आकर्षण कम हो जाता है और उस समय कम लोग यात्रा करते हैं। बारिश में यहाँ की ऊंची-ऊंची पहाड़ी के शिखर पर तैरते हुए या उड़ते हुए बादल देखकर लगता है कि हम हिमालय पर्वत या कश्मीर रेलवे में आ गए हैं। सब मिलाकर हम कह सकते हैं कि यह मीटर गेज रेलवे लाइन, भारतीय रेल की खूबसूरत मीटर गेज पर्वतीय रेलवे है। मीटर गेज रेल प्रेमी लोगों को यहाँ अपनी यात्रा जरूर करनी चाहिए। गोरमघाट स्टेशन को लंगूरों का निवास वाला रेलवे स्टेशन कह सकते हैं। गोरम घाट स्टेशन भवन, रेल लाइन, रेलगाड़ी और प्लेटफॉर्म पर सैकड़ों लंगूर रेलगाड़ी और उसके यात्रियों का स्वागत करते हैं। सामान्यत: ये किसी को नुकसान नहीं पहुँचाते हैं, लेकिन सावधानी रखनी जरूरी ही होती है।



मारवाड़ जंक्शन का मीटर गेज का नया स्टेशन भवन

यदि हम कहें कि भारतीय रेल का मीटर गेज का सबसे नया रेलवे स्टेशन और सबसे नई पिट लाइन और सबसे नई यार्ड रेल लाइन कौन-सी है तो वह निश्चय ही मारवाड़ जंक्शन पर बना नया मीटर गेज सिस्टम है। पुराने मीटर गेज स्टेशन का प्लेटफॉर्म इत्यादि फ्रेट कॉरीडोर (WDFC) रेल लाइन के बीच में आ गया था, जिससे अब वह बंद हो गया और सब कुछ नया बनाया गया है। पिट लाइन नई बनी है क्योंकि पहले यह मीटर गेज पिट लाइन, मावली स्टेशन पर बनी थी, जो अब बंद हो चुकी है। इसके लिए अभी एक नया रेलवे भवन बन रहा है। इसके लिए मीटर गेज का नया प्लेटफॉर्म भी बना है। एक तरह से कह सकते हैं कि मारवाड़ जंक्शन उन गिने चुने रेलवे स्टेशन में से एक है जहाँ मीटर गेज और ब्राड गेज दोनों हैं।■



संतुलित जीवन : रेल संदेश

नीरज दुबे
उप मुख्य इंजीनियर, निर्माण, योजना, पश्चिम मध्य रेल

रेलगाड़ी हमारे जीवन के प्रारंभ से ही कौतूहल एवं प्रेरणा का स्रोत रही है। यह हमें एक संतुलित जीवन का संदेश देती है, जिसे कुछ इस प्रकार विश्लेषित किया जा सकता है।

हमारे जीवन का पथ भी रेलपथ की भांति उतार-चढ़ाव, सपाट, घुमाव से परिपूर्ण होता है तथा उसमें समपार फाटक, छोटे-बड़े पुल, सुरंगे, स्टेशनों की तरह अलग-अलग प्रकार के विशिष्ट स्थान आते हैं। ऐसे रेलपथ पर जब रेलगाड़ी तेज गति से दौड़ती है तो उस पर नाना प्रकार के बल लगते हैं जैसे गति का जड़त्व, घर्षण, खिंचाव, ब्रेक, अभिकेन्द्रक एवं अपकेन्द्रक बल हवा का गतिरोध, इत्यादि।

इन सब बलों के एक साथ कार्य करने पर भी; रेलगाड़ी अपना संतुलन बनाते हुए, रेलपथ पर तीव्रगति से अग्रसर होती जाती है। इसी प्रकार हमारे जीवन में विपरीत प्राकृतिक परिस्थितियाँ, सामाजिक एवं पारिवारिक दबाब, हर्ष, विषाद, क्रोध, लोभ, मोह, चिन्ता, भ्रम आदि अनेक प्रकार के बल कार्य करते हैं; ऐसी स्थिति में अपने जीवन की यात्रा को आगे बढ़ाना एक रेलगाड़ी की यात्रा के समान ही है। दुर्भाग्यवश जब चलती हुई रेलगाड़ी में किसी कारण बलों का असंतुलन हो जाता है, तो उसका अवपथन हो जाता है। इसी प्रकार जब हम अपने जीवन में परिस्थितियों और बलों का संतुलन नहीं बना पाते, हमारे जीवन की रेलगाड़ी का भी अवपथन हो जाता है।

अतः हमारा प्रयास रहना चाहिये कि हम जीवन में आने वाली सभी स्थितियों में संतुलन बनाने के लिए ईश्वर द्वारा प्रदत्त बुद्धि एवं विवेक का समुचित प्रयोग करें। जिस प्रकार रेलपथ अथवा डिब्बे में खराबी आ जाने पर गति-प्रतिबंध (Caution order) लगाकर धीमी गति से ट्रेन का संचालन किया जाता है, उसी प्रकार जीवन में भी गति प्रतिबंध-प्रबंधन किया जा सकता है।

सारांश यह है कि हमारी आजीविका का साधन हमारे राष्ट्र की जीवन रेखा, भारतीय रेल हमें संतुलित जीवन का निरंतर संदेश देती रहती है एवं हमें सभी परिस्थितियों में गतिशील रहने की प्रेरणा भी देती है।■

रेल व्हील इंटरेक्शन के कारण गतिक स्थिरता और प्रतिबल की गणना

सुभाष कुमार बौद्धा
निदेशक अनुसंधान, आरडीएसओ, लखनऊ

सार : रेल व्हील इंटरेक्शन एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है क्योंकि विभिन्न गतिशील बल एक साथ कार्य करते हैं जो रेल पटरियों के कार्य निष्पादन और वाहन पुर्जों को प्रभावित करते हैं, जिनका प्रतिफल रेल पटरियों के टूटने, स्लीपर क्रैकिंग, पहियों और धुरों की उच्च-चक्र श्रांति एवं बियरिंग क्षति की बढ़ती जोखिमों में होता है। इसके पर्यावरणीय परिणाम रोलिंग न्वाइज और इम्पैक्ट न्वाइज, जमीन कम्पन और यात्री असुविधा हैं। इसलिए रेल पहिया संपर्क के दौरान जिस तरह के बल काम करते हैं तथा उनसे जो प्रतिबल उत्पन्न होता है, उसका विश्लेषण तनाव के सीमित मूल्य के निर्धारण के लिए किया जाना चाहिए।

परिचय : वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती माँग के कारण भारतीय रेल पिछले पाँच वर्षों से सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है क्योंकि यह लंबी दूरी पर कम लागत और सुविधाजनक माल ढुलाई प्रदान करती है। भारतीय रेल में परिवहन की माँग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, क्योंकि रेल परिवहन सड़क परिवहन की तुलना में अधिक सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल और अधिक प्रभावी है। बढ़ते यातायात की माँग को पूरा करने के लिए लाइन क्षमता पर ध्यान केंद्रित करना लक्ष्य है क्योंकि यह सीमित आधारभूत ढाँचों तथा भौगोलिक बाधाओं के कारण प्रतिबंधित है। उपलब्ध आधारभूत ढाँचों पर रोलिंग स्टॉक की गति को बढ़ाना लाइन क्षमता बढ़ाने का वैकल्पिक समाधान है।

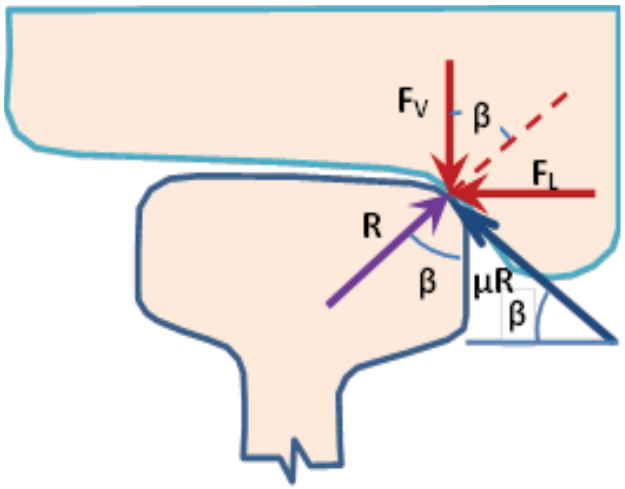
रोलिंग स्टॉक की गति रेल पटरियों की मजबूती पर निर्भर करती है। गतिशील स्थिति में रेल पटरियों पर बहुत अधिक बल लगाने की क्रिया रोलिंग स्टॉक की स्वीकार्य गति सीमा तय करेगा इसलिए रेल व्हील इंटरेक्शन के दौरान उत्पन्न प्रतिबल बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में, गतिशील स्थिति में रेल पटरियों पर लगने वाले बल के परिणामस्वरूप रेल में प्रतिबल का अनुमान लगाने के लिए रेल व्हील इंटरैक्टर का अध्ययन बहुत आवश्यक है। रेल व्हील इंटरेक्शन के कारण, पहिये के साथ-साथ रेल प्रोफाइल दोनों में घिसाव होता है। यह टूट-फूट अंत: क्रियात्मक बल उत्पन्न करती है, जो रेल पटरियों तथा पहिए के खराब होने की गति को बढ़ा देती है। इससे रोलिंग स्टॉक पहियों के साथ-साथ अनुरक्षण का काम भी बड़ी लागत वाला हो जाता है। विशेषकर कम तापमान वाले मौसम में पहिया खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे रेलपटरियों में दरारें पड़ सकती हैं, जिससे यातायात सुरक्षा पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है।

रेल-पहिया संपर्क तथा स्थिरता

रेल पहिया संपर्क में दो सतहों पर घूमना तथा फिसलना शामिल होता है, जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर भिन्न होता है, जिसके परिणाम स्वरूप केंद्रापसारक बल के कारण गतिशील भार के साथ क्षैतिज सतह पर एक घुमावदार गति होती है। सभी संपर्क बल रेल पहिया संपर्क सतह पर उत्पन्न होता है जो रेल और पहिया ज्यामिति पर निर्भर करता है तथा इसे सामान्य और स्पर्श रेखीय घटकों में विभाजित किया जा सकता है, जैसा कि चित्र (1) में दिखाया गया है। सामान्य बल (ऊर्ध्वाधर) Fv धुरा भार के कारण होता है। पार्श्व बल FL त्वरण से संबद्ध है तथा रेलपथ की गड़बडी तथा वक्रता के कारण होता है। चित्र में रेल तथा पहिये के मध्य उत्पन्न होने वाले संपर्क बलों के साथ संपर्क को प्रस्तुत किया गया है। स्लाइडिंग गति के कारण दो सीमा स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, रेल तथा पहिये के मध्य स्थिरता की स्थिति नीचे प्रस्तुत की गई है-

अपने ऊपरी भाग में रेल के उभरे हुए भाग का रेल पटरी के संपर्क में होना तथा दूसरा, जब उभरा हुआ भाग रेल पटरी तथा पहिए के बीच मध्य घर्षण बल को घर्षण गुणांक तथा रेल-पहिया संपर्क पर होने वाले ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज बलों का उपयोग करके निर्धारित किया जा सकता है। यदि फिसलन गति के परिणामस्वरूप पहिया रेल पटरी के ऊपरी हिस्से की ओर बढ़ता है, तब घर्षण बल का मान सकारात्मक होता है। दूसरी स्थिति में जब पहिया निचले हिस्से की ओर बढ़ रहा होता है, तो घर्षण बल का मान नकारात्मक होता है। यदि पहिया रेल हेड के ऊपर में न गुजरे, तो रेल पटरी की लम्बाई पर रेल वाहन के संचालन की स्थिति वाहन तथा पटरी दोनों पर गतिक बलों को उत्पन्न करती है। रेल पहिया संपर्क एक जटिल गैर-रेखीय क्रियाविधि है, जो रेल पटरी के साथ-साथ रेल वाहन दोनों को प्रभावित करती है। रेल पहिया संपर्क के परिणामों का प्रभाव निम्नलिखित है-

- रेलपथ ज्यामिति का बिगड़ना।
- रेलपथ में घिसाव तथा शोर उत्पन्न होना।
- रोलिंग स्टॉक घटकों पर प्रभाव।
- सवारी आराम प्रभावित होना।
- सुरक्षा पर प्रभाव।



(चित्र-1)

जहाँ Fv ऊर्ध्वाधर बल है (पहिया भार)

FL पार्श्व बल (उभरा भार)

R तात्कालिक प्रतिक्रिया

μR घर्षण बल

घर्षण बल अधिकतम होने पर FL/Fv न्यूनतम होता है। अत: घर्षण बल μR से अधिक नहीं हो सकता है।

पटरी से उतरने के विपरीत सुरक्षा हेतु

पटरी से उतरने वाला बल > स्थिरता करने वाला बल जिसके परिणामस्वरूप

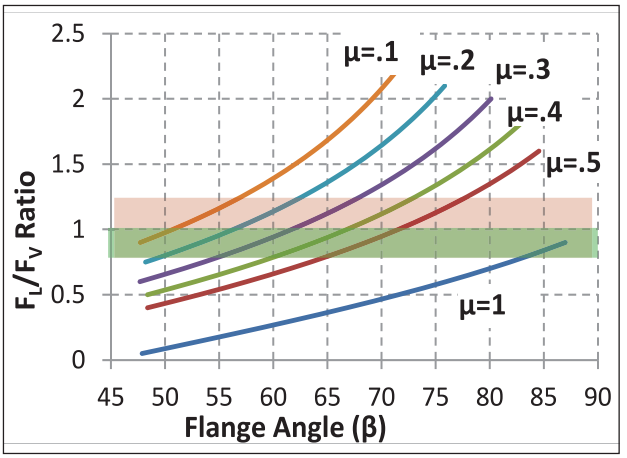
$$\frac{F_L}{F_V} \leq \frac{tan\beta - \mu}{1+\mu.tan\beta} \qquad (1)$$

नडाल का फॉर्मूला

पटरी से उतरने के विपरीत सुरक्षा हेतु, FL/Fv अनुपात 1.4 के मध्य होना चाहिए। इस अनुपात को व्यावहारिक उद्देश्य हेतु और भी कम कर दिया गया है तथा इसे 0.8 और 1.0 माना गया है, जैसाकि चित्र में हरे रंग से दिखाया गया है।

भारतीय रेल में, अधिकांश रोलिंग स्टॉक फ्लॅंज एंगल को β = 68° 12' लिया जाता है (फ्लॅंज स्लोप 2.5:1)।

नडाल का फॉर्मूला केवल धीरे-धीरे पटरी से उतरने के मामलों से सम्बन्धित है जैसे; फ्लांज क्लाइबिंग। जब अनुपात FL/FV एक महत्त्वपूर्ण मान तक पहुँचता है, तो इसे रेल पर चढ़ने और पटरी से उतरने के लिए निश्चित न्यूनतम अवधि के लिए ऐसे मान से ऊपर रहना पड़ता है। यदि जिस अवधि के लिए यह कार्य करता है, वह कम है तो एक उच्चतर FL/FV अनुपात पटरी से उतरने



(चित्र-2)

के कारण हेतु आवश्यक होगा। दुनिया भर में अपनाई जाने वाली समय सीमा 5 मीटर-सेकंड है जो पटरी से उतरने की दो श्रेणियों के बीच की सीमा को चित्रित करती है। भारतीय रेल द्वारा अपनाए गए मानदंड का अंतिम रूप यह है कि पटरी से उतरने का गुणांक FL/FV 1.0 से अधिक नहीं होना चाहिए।

कथित गुणांक को 5 मीटर-सेकंड की अवधि पर मापा जा रहा है।

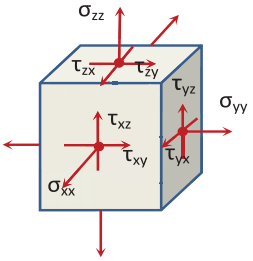
त्रिआयामी प्रतिबल

तीन आयामों में, प्रत्येक ऑर्थोगोनल दिशा x, y और z में, एक सामान्य और दो शीयर स्ट्रेस होते हैं। इस प्रकार 3डी में एक बिंदु पर प्रतिबल की सबसे सामान्यीकृत स्थिति नीचे दिखाई गई है। इसे स्ट्रेस टेंसर द्वारा इस प्रकार वर्णित किया गया है-

$$Stress\ Tensor = \begin{bmatrix} \sigma_{xx} & \tau_{xy} & \tau_{xz} \\ \tau_{yx} & \sigma_{yy} & \tau_{yz} \\ \tau_{zx} & \tau_{zy} & \sigma_{zz} \end{bmatrix} \qquad (2)$$

सामान्य तनाव (σxx σyy σzz) : जब यह सतह के लंबवत (या 'सामान्य') कार्य करता है, तो यह सामान्य प्रतिबल उत्पन्न करता है। सबस्क्रिप्ट उस सतह की पहचान करता है जिस पर प्रतिबल कार्य करता है। तनाव सकारात्मक है और संपीड़न नकारात्मक है।

शीयर स्ट्रेस (τxy, τyz, τzx) : जब यह सतह के समानांतर कार्य करता है, तो यह एक शीयर स्ट्रेस डालता है, इसमें दो सबस्क्रिप्ट होते हैं, पहला सबस्क्रिप्ट उस सतह को दर्शाता है जिस पर प्रतिबल कार्य करता है और दूसरा सबस्क्रिप्ट उस सतह की दिशा को दर्शाता है। एक शीयर स्ट्रेस सकारात्मक होता है यदि यह सकारात्मक स्तर और सकारात्मक दिशा में कार्य करता है अथवा यह नकारात्मक स्तर और नकारात्मक दिशा में कार्य करता है।



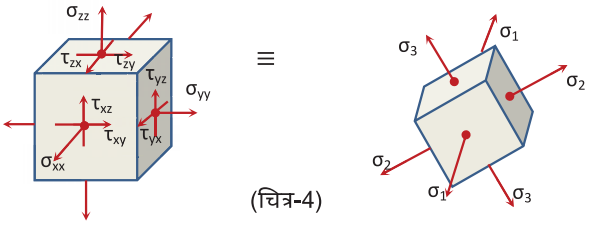
(चित्र-3)

स्थैतिक संतुलन के लिए

$$\left.\begin{aligned}\tau_{xy} &= \tau_{yx}\\ \tau_{yz} &= \tau_{zy}\\ \tau_{xz} &= \tau_{zx}\end{aligned}\right\} \qquad (3)$$

यदि हम ऑर्थोगोनल अक्ष प्रणाली xyz को एक विशिष्ट अभिविन्यास की ओर उन्मुख करते हैं जैसा कि चित्र-2 में दिखाया गया है, दिशा 1, 2 और 3 द्वारा निरूपित, सभी स्तरों से शीयर स्ट्रेस अदृश्य हो जाएगा। केवल सामान्य प्रतिबल होंगे। इन सामान्य प्रतिबलों को मूल सामान्य प्रतिबल σ1, σ2, और σ3 कहा जाता है, जो अधिकतम अग्र-भाग में होंगे।

$$\sigma_{ij} = \begin{bmatrix}\sigma_{xx} & \tau_{xy} & \tau_{xz}\\ \tau_{yx} & \sigma_{yy} & \tau_{yz}\\ \tau_{zx} & \tau_{zy} & \sigma_{zz}\end{bmatrix} \qquad \sigma' = \begin{bmatrix}\sigma_1 & 0 & 0\\ 0 & \sigma_2 & 0\\ 0 & 0 & \sigma_3\end{bmatrix}$$

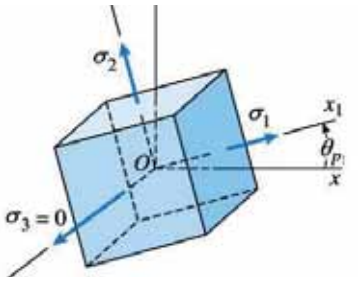


(चित्र-4)

तीन प्रमुख सामान्य (σ1, σ2&σ3) के मान निम्नलिखित घन समीकरण के तीन वास्तविक मूलों में पाये जा सकते हैं। मैट्रिक्स नोटशन σ,' में ट्रांस्फार्मेशन को आईजिन वैल्यू के रूप में जाना जाता है।

$$\sigma^3 - (\sigma_{xx} + \sigma_{yy} + \sigma_{zz}).\sigma^2 + (\sigma_{xx}.\sigma_{yy} + \sigma_{yy}.\sigma_{zz} + \sigma_{zz}.\sigma_{xx} - \tau_{yz}^2 - \tau_{zx}^2 - \tau_{xy}^2).\sigma - (\sigma_{xx}.\sigma_{yy}.\sigma_{zz} + 2\tau_{yz}.\tau_{zx}.\tau_{xy} - \sigma_{xx}.\tau_{yz}^2 - \sigma_{yy}.\tau_{zx}^2 - \sigma_{zz}.\tau_{xy}^2) = 0 \qquad (4)$$

उपरोक्त त्रिघातीय समीकरण के सामान्य समाधान अर्थात σ1, σ2,, और σ3 के मानों में अधिकतम और न्यूनतम सामान्य प्रतिबल शामिल होना चाहिए। अधिकतम और न्यूनतम सामान्य प्रतिबल को प्रमुख प्रतिबल के रूप में जाना जाता है।



(चित्र-5)

मूल प्रतिबल 'नवीन ऐक्सिस' समन्वय प्रणाली है। 'पुरानी-ऐक्सिस' और 'नवीन-ऐक्सिस' के बीच कोणों को 'आईजिन-वेक्टर' के रूप में जाना जाता है।

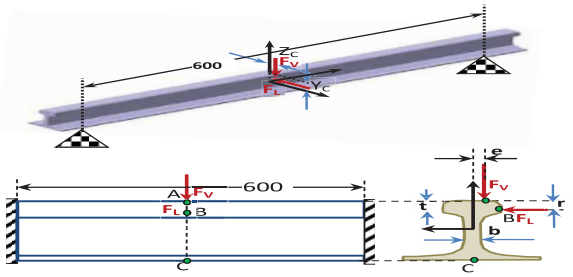
ये σ1, σ2 एवं σ3 सकारात्मक, शुन्य या नकारात्मक हो सकते हैं। अधिकतम शीयर स्ट्रेस τmax का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जायेगा।

$$\tau_{max} = \frac{\max of\ (|\sigma_1 - \sigma_2|, |\sigma_2 - \sigma_3|, |\sigma_3 - \sigma_1|)}{2} \qquad (5)$$

एक सिम्मेट्रिक टेंसर का एक गुण यह है कि ऐक्सिस 1, 2 और 3 (जिन्हे मुख्य ऐक्सिस कहा जाता है) का एक आर्थोगोनल सेट मौजूद होता है, जिसके सम्बन्ध में विकर्ण को छोड़कर सभी टेंसर तत्व शून्य हेते हैं।

रेल सेक्शन में प्रतिबल उत्पन्न होना

जैसा कि चित्र (6) में दिखाया गया है, रेल क्राउन पर पार्श्व भार (FL) और ऊर्ध्वाधर भार (FV) लगाया गया है। ऊर्ध्वाधर बल, मुख्य रूप से रोलिंग स्टॉक के वजन के कारण ऊर्ध्वाधर सतह के शीयर स्ट्रेस एवं वेंडिंग मोमेंट में परिवर्तित हो जाता है तथा (x-y) में शीयर स्ट्रेस और झुकने वाले मोमेंट का परिणाम होता है। दूसरी ओर पार्श्व बल, जो मुख्य रूप से वक्रों के आसपास मौजूद होता है, क्षैतिज सतह (x-z) में शीयर स्ट्रेस और मोमेंट पैदा करता है। इसके अलावा, दोनों बल रेल के क्षैतिज ऐक्सिस (x) के सम्बन्ध में तनाव उत्पन्न करते हैं।

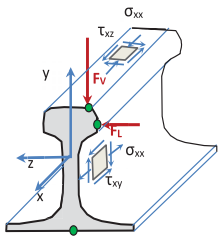


(चित्र-6)

अधिकतम वेंडिंग मोमेंट:
भार के कारण = M_b
सामान्य प्रतिबल x के साथ

$$\sigma_{xx} = \frac{M_b}{I/y} \quad (6)$$

$$\sigma_{yy} = \sigma_{zz} = 0 \quad (7)$$



(चित्र 7)

रेल फ्लेंज में शीयर स्ट्रैस

$$\tau_{zx} = \frac{(Resultant\ of\ F_L \& F_V).Q}{t.I_{zz}} \quad (8)$$

रेल वेब में शीयर स्ट्रैस

$$\tau_{xy} = \frac{(Resultant\ of\ F_L \& F_V).Q}{b.I_{zz}} \quad (9)$$

जहां Q को रेल के क्रास सेक्शन क्षेत्र को पहला मोमेंट के रूप में परिभाषित किया गया है

$$Q = \int_A y.dA \quad (10)$$

52 किलोग्राम रेल पटरी के लिये क्रास सेक्शन क्षेत्र 66.15 वर्ग सेंटीमीटर

एवं यूआईसी 60 किलोग्राम रेल पटरी के लिये 76.86 वर्ग सेंटीमीटर है।

I को जड़त्व के ध्रुवीय मोमेंट के रूप में परिभाषित किया गया है।

$$I = \int y^2.dA \quad (11)$$

जहाँ वेब मोटाई b है और फ्लेंज मोटाई t है। y-z सतह और x-y सतह में जड़त्व का ध्रुवीय मोमेंट क्रमश : Ixx और Izz है।

क्षैतिज की ऐक्सिस के बारे मे 52 किलोग्राम रेल पटरी हेतु जड़त्व का ध्रुवीय मोमेंट 2158 cm4 है और यूआईसी 60 किलोग्राम रेलपटरी के लिए 3055 cm4 है जबकि ऊर्ध्वाधर ऐक्सिस के बारे में यह क्रमश: 363 cm4 और 512 cm4 है।

एसेंट्रिक लोड के कारण शीयर स्ट्रेस, घुमाव मोमेंट Mt + f(FL,Fv,e,r)

$$\tau_{yz} = \frac{M_t.y}{I_{xx}} \quad (12)$$

अधिकतम प्रतिबल हेतु, मुख्य प्रतिबल के मूल्यांकन के लिए प्रतिबल की स्थति को समीकरण (4) में बदला जा सकता है।

अवशिष्ट प्रतिबल

जब रेल पटरी प्लास्टिक रूप से विकृत हो जाती हैं तो प्लास्टिक विरूपण द्वारा सामग्री में बंद आंतरिक प्रतिबल को अवशिष्ट प्रतिबल के रूप में जाना जाता है। सामान्य माल ढुलाई के तहत प्रचालन सतह से सटे क्षेत्र में रेलहेड में अवशिष्ट प्रतिबल बनना शुरू हो जाता है। जैसे जैसे रेल पटरी अधिक यातायात का अनुभव करती है, अवशिष्ट प्रतिबल रेलपटरी के भीतर गहराई से विकसित होने लगता है और परिणामी, प्रतिबल की गणना हेतु तीव्रता में लगातार वृद्धि होती है।

तापीय प्रतिबल

$$\sigma_{T=}\alpha.\Delta T.E \quad (13)$$

तापमान में बदलाव के कारण रेलपटरी में तापीय विस्तार होता है इसलिए रेलपटरी में परिणामी प्रतिबल की गणना हेतु उत्पन्न तापीय प्रतिबल को भी ध्यान में रखना होगा।■



रक्तदान – महादान

राकेश शर्मा 'निशीथ'

रक्तदान के बारे में अनेक सभ्यताओं के धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद में कहा गया है, जो बिना माँगे ही दान करता है, वही श्रेष्ठ दानी है। रक्तदान भी ऐसा ही दान है, जो बिना माँगे करना चाहिए। रक्त का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि इसे बनाया नहीं जा सकता। और न ही मनुष्य के अलावा किसी अन्य जीव का रक्त चढ़ाया जा सकता। इसीलिए रक्तदान को महादान कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन हर वर्ष 14 जून, 1868 में पैदा हुए नोबल प्राइस विजेता कार्ल लैंडस्टाईन (लैडस्टेनर) के जन्मदिन को विश्व रक्तदान दिवस के रूप में मनाता है। इस आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक ने मानव रक्त में एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्त कणों का ए, बी और ओ समूह में वर्गीकरण किया था। इस खोज के लिए उन्हें वर्ष 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। वर्ष 1937 में उन्होंने ही आरएच रक्त समूह की भी खोज की थी। उन्हें फादर ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन कहा जाता है।

अमेरिका के नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉरमेशन द्वारा वर्ष 2022 में किए गए शोध के अनुसार भारत में प्रति एक हजार की आबादी पर 36.3 यूनिट रक्तदान होना चाहिए लेकिन 2.5 यूनिट कम रक्तदान होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया के संपन्न देशों में प्रति एक हजार की आबादी पर रक्तदान की दर 31 है। वही मध्यम आय वाले देशों में ये दर 16 है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2008 से 2018 के बीच 1.07 करोड़ स्वैच्छिक रक्तदाता बढ़े हैं। दुनिया के 54 देश जरूरत का 50 प्रतिशत रक्त रोगी के रिश्तेदारों से एकत्र करते हैं। दुनियाभर में होने वाले रक्तदान में से 33 प्रतिशत रक्तदान महिलाएं करती हैं। रक्तदान संबंधी जानकारी देने वाले दुनिया के 113 देशों में से 15 देशों में महिला रक्तदाताओं की संख्या महज 10 प्रतिशत है। दुनिया के 128 देशों में रक्त के इस्तेमाल के लिए राष्ट्रीय स्तर पर दिशा-निर्देश है। इसमें 32 अफ्रीकी, 23 अमेरिकी, 33 यूरोपीय और दक्षिण पूर्व एशिया के नौ देश हैं।

रक्तदान आवश्यक क्यों ?

रक्तदान कर एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की जान बचा सकता है। दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों, किसी रोगी के आपरेशन के समय और बच्चे के जन्म के समय जच्चा को रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। डेंगू, थैलसीमिया, एनीमिया, हीमोफिलिया जैसी बीमारियों में भी लोगों को रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। रक्तदान की आवश्यकता अन्य कारणों से भी होती है, जैसे- रक्त का कोई विकल्प नहीं है; रक्त को किसी प्रकार भी तैयार नहीं किया जा सकता या बनाया जा सकता; रक्त केवल मानव शरीर से ही लिया जा सकता है; मनुष्य के लिए मनुष्य का ही रक्त प्रयोग में लाया जा सकता है, पशु या जानवर का नहीं; रक्त एक ऐसी औषधि के समान है, जो जरा-सी भी बेकार नहीं जाती; रक्तदान हर तीसरे माह बिना किसी खतरे के किया जा सकता है; आम आदमी के शरीर में 12 पिंट (1 पिंट 450 मि.ली.) रक्त होता है, यदि वह 2 पिंट देता है तो वह 48 घंटे में 12 पिंट हो जाता है; गंभीर रूप से बीमार या चोट खाये रोगी तभी बचाये जा सकते हैं, जब हम रक्तदान करना अपना मानव धर्म एवं फर्ज समझें।

हर दूसरे सेंकेंड पर किसी-न-किसी को रक्त की आवश्यकता होती है। हमारा रक्त किसी भी समय एक से अधिक जीवन को बचा सकता है। रक्तदान में दिए गए खून का इस्तेमाल होता है- दुर्घटना में चोट लगने पर रक्त स्राव की कमी दूर करने के लिए; आपरेशन के दौरान हुए रक्त स्राव की कमी को पूरा करने के लिए; खून से संबंधित विकृति जैसे हेमोफिलिया से पीड़ित लोगों की जिंदगी बचाने में, जले हुए मरीजों की जिंदगी बचाने में, किडनी, कैंसर और एनीमिया से पीड़ित मरीजों के शरीर में हीमोग्लोबिन के सही स्तर को बरकरार रखने में। दुर्घटना पीड़ितों, समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं, बड़े आपरेशन से गुजर रहे मरीजों को पूर्ण रक्त की आवश्यकता होती है और ऐसी परिस्थितियों में परीक्षण के बाद रक्त सीधे चढ़ाया जाता है।

भारत में रक्तदान

भारत में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस हर साल 1 अक्तूबर को मनाया जाता है। पहली बार वर्ष 1975 में 1 अक्तूबर को इंडियन सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रॉसफ्यूजन एंड इम्यूनोहैमेटोलॉजी ने मनाया था। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान के महत्त्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है। इसके लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, शिविरों और अनुपूरक प्रचार गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसके माध्यम से आम जनता की अज्ञानता, भय और भ्रांतियों को दूर करने के प्रयास किए जाते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार हमारे देश में वर्ष 2016 से वर्ष 2022 के दौरान ब्लड बैंक की संख्या बढ़ी हैं, जो इस प्रकार है- झारखंड में 39 से 66, दिल्ली में 69 से 80, बिहार में 76 से 106, हरियाणा में 90 से 140 और उत्तर प्रदेश में 294 से 436।

वर्ष 2021 के आंकड़ों के अनुसार, देश में सालाना करीब 1.5 करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत होती है। हर दो सेकंड में एक मरीज को रक्त चाहिए। हर तीन में से एक व्यक्ति को अपने

जीवन में कभी न कभी रक्त की जरूरत पड़ती है। भारत में करीब पांच करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत रहती है, जबकि 2.5 करोड़ यूनिट रक्त ही उपलब्ध हो पाता है। देश में करीब 25 प्रतिशत पुरुष व 57 प्रतिशत महिलाओं में रक्त की कमी देखी जाती है। एक अनुमान के अनुसार, खून की कमी के कारण भारत में प्रतिदिन करीब 1,200 लोगों की जान चली जाती है। थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, सिकल सेल एनीमिया, एप्लास्टक एनीमिया, ब्लड कैंसर के रोगियों को बार-बार रक्त की आवश्यकता होती है। गुर्दे के रोग और डायलिसिस के अलावा बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के कारण रक्त की जरूरत बढ़ती जा रही है।

गलत धारणाएं

हमारे देश में रक्तदान करने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि न होने का एक मुख्य कारण अनेक गलत धारणाएं होना है। देश में रक्तदान के प्रति उदासीनता के दो प्रमुख कारण हैं- पहला कारण है अज्ञानता का और दूसरा कारण अविश्वास का। हमारे देश में एक बड़ा मिथक यही है कि शाकाहारी लोगों के खून में लौह तत्वों की कमी होती है। इसलिए उन्हें रक्तदान नहीं करना चाहिए, जबकि सच्चाई यह है कि इस बात से इसका कुछ लेना-देना नहीं है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार शाकाहारी व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं।

अक्सर रक्तदानकर्ता सोचते हैं कि रक्तदान के बाद वे कमजोर हो जाएंगे, थक जाएंगे, सामान्य रूप से काम नहीं कर पाएंगे, शराब का सेवन नहीं कर पाएंगे, रक्तदान के समय उन्हें दर्द होगा, एड्स से संक्रमित हो सकते हैं। लेकिन रक्तदानकर्ता को ऐसा कुछ नहीं होता है। यह भी भ्रांति है कि नियमित रक्तदान करने वाला मोटापे का शिकार हो जाता है, जबकि रक्तदान करने से शरीर के वजन पर कोई असर नहीं पड़ता।

रक्तदान 60 से 65 साल तक के व्यक्ति भी कर सकते हैं, बशर्ते वे स्वस्थ हों। रक्तदान के बाद कमजोरी या थकान होती है। रक्तदान के बाद शरीर में खून की कमी होती है, यह सही नहीं है, जबकि खून तेजी से बनता है और इस प्रक्रिया में किसी तरह का दर्द भी नहीं होता है। कुछ लोगों को भ्रम है कि रक्तदान में बहुत अधिक समय लगता है जबकि ऐसा होता नहीं है। रक्तदान में अधिकतम एक घंटे का समय लगता है और रक्तदान की प्रक्रिया में बहुत दर्द भी नहीं होता।

रक्तदान से रोग प्रतिरोध क्षमता कमजोर होती है। यह गलत है। रोग प्रतिरोधक तंत्र पर रक्तदान का कोई असर नहीं होता है बल्कि लाल रक्त कोशिकाएं कुछ ही दिनों में सामान्य हो जाती हैं। हालांकि सफेद रक्त कोशिकाओं को सामान्य होने में कुछ सप्ताह लगते हैं, जबकि जब शरीर को इनकी जरूरत होती है तो तत्काल इनका निर्माण भी हो जाता है। यह भी भ्रम है कि रक्तदान के बाद उल्टी और सिरदर्द होने लगता है। अगर रक्तदाता का रक्तचाप सामान्य है तो ऐसी कोई समस्या नहीं होती। इसलिए रक्तदान से पहले रक्तचाप और रक्त शुगर की जाँच करवानी चाहिए।

कौन रक्तदान नहीं कर सकता ?

रक्तदान में, व्यक्ति के स्वास्थ्य, शरीर के भार आदि के आधार पर यह तय किया जाता है कि कौन कितनी मात्रा में रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से कोई हानि नहीं होती। रक्तदान अत्यंत सुरक्षित दान है। माहवारी के दौर से गुजर रही महिला या फिर बच्चों को स्तनपान कराने वाली महिला रक्तदान नहीं कर सकती। रक्तदान के लिए दानदाताओं को सहमति देने की आवश्यकता होती है। इसका अर्थ यह है कि नाबालिग अपने माता-पिता या अभिभावक की अनुमति के बिना रक्तदान नहीं कर सकते। जिन रक्तदानकर्ता को मिर्गी, मनोविकार संबंधी रोग होता है, वे व्यक्ति स्थायी रूप से रक्तदान के लिए अयोग्य होते हैं। जो रक्त दानकर्ता हेपेटाइटिस, मलेरिया और सिफलिस जैसी बीमारियों से पीड़ित होते हैं, वे पूरी तरह स्वस्थ होने के तीन से छह महीने के बाद रक्तदान करने योग्य हो सकते हैं।

यदि महिला रक्तदान कर रही है तो वह निछले छह हफ्तों में गर्भवती नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा अचानक वजन घटने, मधुमेह की शिकायत होने पर; जिन्हें वायरल इंफेक्शन है; रक्त के साथ संक्रमण दूसरे व्यक्ति में पहुँचने की आशंका होती है; जिन्हें लिवर, हार्ट, किडनी, ब्रेन या लंग्स की बीमारी है; थायरॉयड या हॉर्मोंस असंतुलन की बीमारी वाले व्यक्ति; जिन्हें जिनेटिक डिस्आर्डर या दिमागी बीमारी है; डिप्रेशन की दवा खाने वाले भी रक्तदान नहीं कर सकते हैं। किसी को खुद रक्त चढ़ा हो तो उसे एक साल बाद ही रक्तदान करना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति भी रक्तदान नहीं कर सकते- जिन महिलाओं को अबॉर्शन को छह महीने से कम वक्त हुआ है या आपरेशन से बच्चा हुए अभी एक साल पूरा नहीं हुआ है; जिन्हें कुत्ता काटने का इंजेक्शन लगा है और अभी एक साल पूरा नहीं हुआ है; जिन्हें फ्रैक्चर, आपरेशन के अगर छह महीने पूरे नहीं हुए हैं; मिर्गी या कुष्ठ रोग वाले व्यक्ति; एक से अधिक सेक्स पार्टनर रखने वाले; जिनका हीमोग्लोबिन 18 या 19 से ऊपर चला जाए, टेटनस या प्लेग वाले ठीक होने के 15 दिन बाद रक्तदान कर सकते हैं। महिलाओं में अक्सर हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होती है, जिनमें हीमोग्लोबिन की मात्रा अच्छी है वे रक्तदान कर सकती हैं। गर्भवती या स्तनपान कराने वाली, खून की कमी या अन्य बीमारी से ग्रस्त महिलाएं रक्तदान नहीं करें।

रक्तदान से पहले सावधानी

रक्तदानकर्ता को रक्तदान करने से पहले निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए- धूम्रपान न करें और रक्तदान के तुरंत बाद शारीरिक श्रम नहीं करना चाहिए। काफी मात्रा में तरल पदार्थ जैसे जूस, पानी आदि लेना चाहिए। रक्तदान के कुछ घंटों बाद तक वाहन नहीं चलाना चाहिए और 48 घंटे के अंदर एल्कोहल का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर नियमित रूप से कोई रक्तदान कर रहा है तो यह आवश्यक है कि वह अपने खान-पान का ध्यान रखे। खाने में हरी साब्जियां, ड्राइफ्रूट, अंडा, माँस के साथ-साथ विटामिन सी युक्त खाना जैसे-आंवला आदि अवश्य खाएं ताकि शरीर

आयरन को ठीक से अवशोषित कर सके और लाल रक्त कोशिकाएं शरीर में फिर से बन सकें।

रक्तदान के बाद कई लोगों का रक्तचाप थोड़ा कम हो जाता है और हल्का चक्कर महसूस होता है। यदि ऐसा महसूस हो तो थोड़ी देर बैठना चाहिए उस समय कुछ स्नैक्स आदि खा लेने चाहिए। दो घंटे तक तरल पदार्थ पिएं। रक्तदान के आधे घंटे बाद काम पर जा सकते हैं। रक्तदान के तुरंत बाद कठिन व्यायाम करने से बचना चाहिए। रक्तदान से दो सप्ताह पहले से आयरन युक्त डाइट लेनी चाहिए। पालक, तरबूज, अनार, चुकंदर आदि का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही विटामिन सी के फल और जूस का सेवन करना चाहिए। संतरा, आंवला, मौसमी आदि खाने चाहिए। रक्तदान से पहले प्रेशर और तनाव मुक्त रहना आवश्यक है। इसलिए रात में अच्छी नींद लेनी चाहिए। रक्तदान से पहले खाने से शुगर लेवल स्थिर रहता है और अच्छा महसूस करते हैं। रक्तदान से करीब तीन घंटे पहले भारी खाना नहीं खाना चाहिए। रक्तदान से पहले धूम्रपान नहीं करना चाहिए न ही चुइंग गम, मिंट व अन्य कैंडी खानी चाहिए। सर्दी, जुकाम, पेट खराब होने या अन्य किसी बीमारी के दौरान रक्तदान नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही किसी तरह की दवाई खासतौर पर एंटीबायोटिक लेने पर भी रक्तदान से बचें। दांत से संबंधित इलाज करवाने पर भी रक्तदान से बचें क्योंकि इस दौरान बैक्टीरिया रक्त में प्रवेश कर संक्रमण कर सकता हैं।

ऑटोलोगस ब्लड डोनेशन ?

यदि किसी व्यक्ति की कोई ऐसी सर्जरी होनी है, जिसमें रक्त की आवश्यकता होगी, तो ऐसे में वह व्यक्ति सर्जरी से पहले ही अपने रक्त को निकलवाकर स्टोर करवा सकता है। इस प्रक्रिया को ऑटोलोगस ब्लड डोनेशन कहते हैं। रक्तदान दो प्रकार से हो सकता है- एक स्वैच्छिक होता है और दूसरा सशुल्क होता है। स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त सर्वाधिक बेहतर होता है क्योंकि इसमें रक्तदान पूर्व जाँच में किसी लापरवाही की आशंका न्यूनतम रहती है। रक्तदान करने में शरीर से केवल 250 से 350 मिलीलीटर रक्त लिया जाता है, जबकि शरीर में 5 से 6 लीटर रक्त होता है। इस रक्त का द्रव भाग शरीर 24 घंटे में पूर्ति कर देता है और ठोस भाग (कोशिकाएं) तीन से 21 दिन के अंदर फिर से बन जाता है।

अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार 17 वर्ष से 75 वर्ष की आयु तक का स्वस्थ व्यक्ति हर 56 दिन बाद रक्तदान कर सकता है अर्थात् पूरे जीवन में लगभग 48 गैलन रक्तदान करके एक ही व्यक्ति कम-से-कम 1000 लोगों का जीवन बचाने का पुण्य कर सकता है। वर्ष 1970 में स्वेच्छा से रक्तदान करने वालों के रक्त में रोगों के लक्षण पाए गए तो ब्लड बैंक अधिक सावधान हुए। इसके बाद से हेफेटाइटिस बी, एड्स आदि रक्त संबंधी रोगों की जाँच के बाद ही रक्त दाता का रक्त स्वीकार किया जाता है।

रक्तदान के लाभ

रक्तदान करने से न सिर्फ शरीर को लाभ होता है, बल्कि मानसिक संतुष्टि भी मिलती है कि इस एक कदम से किसी की जान बच पाई। इसलिए रक्तदान को महान दान का दर्जा दिया गया है, क्योंकि रक्तदान करके हम लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। रक्तदान करने से हार्ट अटैक की आशंका कम हो जाती है। चिकित्सकों का मानना है कि रक्तदान से खून पतला होता है, जो कि हृदय के लिए अच्छा होता है। रक्तदान से खून में हीमोग्लोबीन की मात्रा तकनीकी रूप से बढ़ जाती है। अगर किसी व्यक्ति ने हाल ही में रक्तदान किया है तो अगले 6 महीने तक उसके हृदयाघात से बचे रहने की आशा 35 प्रतिशत से अधिक होती है।

रक्तदान करने से शरीर में खनिजों और कैल्शियम की मात्रा भी कम हो जाती है, जिससे रक्त नलियों में कड़ापन कम हो जाता है। रक्तदान करने से वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए हर साल कम-से-कम दो बार रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान से शरीर में एनर्जी आती है, क्योंकि दान के बाद नए ब्लड सेल्स बनते हैं। रक्तदान करने से शरीर में ज्यादा आयरन की मात्रा लिवर पर दबाव डालती है और रक्तदान से आयरन की मात्रा बैलेंस हो जाती है। रक्तदान से लिवर, लंग, कोलन, स्टमक और गले जैसे प्रमुख कैंसर का खतरा कम हो जाता है। रक्तदान से शरीर बोनमैरो को नई लाल रक्त कणिकाएं बनाने के लिए प्रेरित करता है। इससे शरीर में नई कोशिकाएं बनती हैं।■

भारतीय रेल
Indian Railways

पत्रिका की सदस्यता तथा पत्रिका न मिलने की शिकायत हेतु

संपर्क करें

011-47845089

सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक)

bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com

अपना ज्ञान टटोलें

1 हाल ही में मेट्रो रेल कोलकाता ने परिचालन के कितने साल पूरे किए हैं ?

(क) 40 (ख) 80 (ग) 167 (घ) 100

2 भारतीय रेल द्वारा अग्रिम आरक्षण अवधि कितनी कर दी गई है ?

(क) 30 (ख) 120 (ग) 60 (घ) 40

3 मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र में कितने स्टेशन बनाने की योजना है ?

(क) 8 (ख) 12 (ग) 4 (घ) एक भी नही

4 बच्चों की तस्करी रोकने के लिए आर.पी.एफ. द्वारा चलाया जाने वाले अभियान का नाम बताएं ?

(क) मेरी सहेली (ख) नन्हे फरिश्ते (ग) ऑपरेशन बच्चे (घ) ऑपरेशन तस्कर

5 उत्तर मध्य रेलवे का मुख्यालय किस शहर में है ?

(क) आगरा (ख) झाँसी (ग) कानपुर (घ) प्रयागराज

6 महाकुंभ 2025 किस शहर में आयोजित होगा ?

(क) प्रयागराज (ख) उज्जैन (ग) हरिद्वार (घ) नासिक

7 भारतीय रेल में किस प्रकार के गेज का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है ?

(क) नैरो गेज (ख) मीटर गेज (ग) ब्रॉड गेज (घ) स्टैन्र्ड गेज

8 भारतीय रेल में किस वर्ष तक शत-प्रतिशत शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा गया है ?

(क) 2035 (ख) 2030 (ग) 2025 (घ) 2040

9 रेलवे सुरक्षा बल ने वीर शहीदों के सम्मान में कौन-सी वेबसाइट शुरू की है ?

(क) ऑपरेशन मातृशक्ति (ख) ऑपरेशन रेल सुरक्षा (ग) ऑपरेशन स्टॉफ (घ) डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर

10 रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' कब से प्रारंभ किया गया है ?

(क) 2018 (ख) 2024 (ग) 2023 (घ) 2020

1. (क) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ख) 5. (ख) 6. (क) 7. (ग) 8. (ख) 9. (ख) 10. (क)

सही उत्तर

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित मासिक हिंदी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में)

नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी, आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें:

व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,

टेलीफोन : 011- 47845378, 23382531

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए
रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

अब ई-पत्रिका भी उपलब्ध

सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यू आर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ई-मैग्ज़ीन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-	10
एक प्रति (विशेषांक)		70	-	40
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263	130
	दो वर्ष	460	483	230
	तीन वर्ष	675	709	340
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210	100
	दो वर्ष	370	389	190
	तीन वर्ष	540	567	270
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313	----
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625	----

(सदस्यता शुल्क में वार्षिक विशेषांक भी शामिल है।)

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

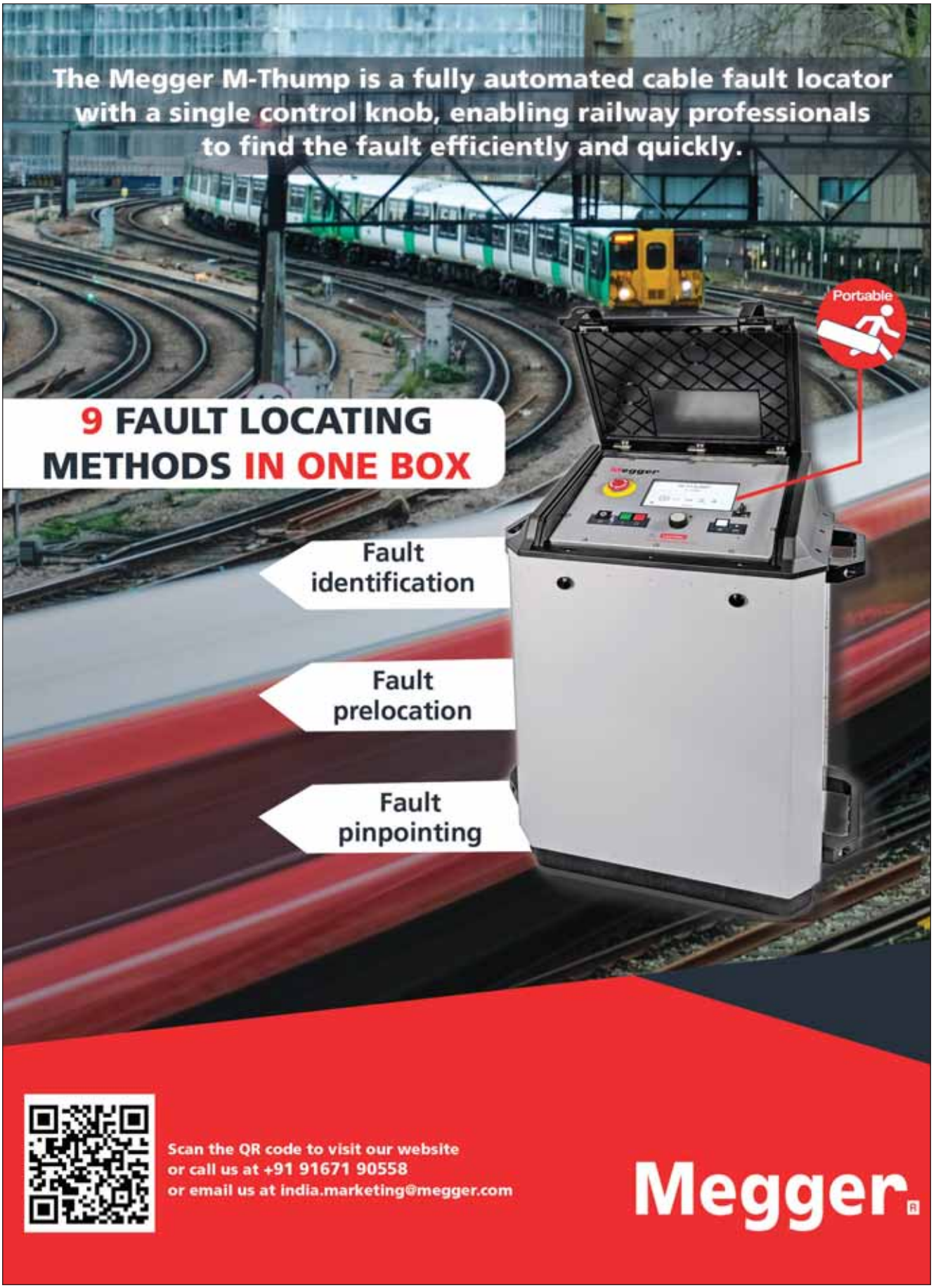
पहचान पत्र संख्या (यदि रेल कर्मचारी है तो): ..... वैधता की तारीख .....

ऑफलाइन भुगतान का माध्यम

I) एम.ओ./आई.पी.ओ/डी.डी. व्यापार प्रबंधक के पक्ष में कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001

II) नगद जमा कराने हेतू : कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com**


The Megger M-Thump is a fully automated cable fault locator with a single control knob, enabling railway professionals to find the fault efficiently and quickly.
Portable
9 FAULT LOCATING METHODS IN ONE BOX
Fault identification
Fault prelocation
Fault pinpointing
Scan the QR code to visit our website
or call us at +91 91671 90558
or email us at india.marketing@megger.com
Megger

IRIS Certification
AAR M-1003
Daulat Ram ENGINEERING

PRIME MOVERS FOR RAIL, MINING & URBAN MOBILITY

- Traction Motors / Alternators
- Air Conditioners
- Cooling Fans / Blowers
- Dynamic Brake Resistors
- Pantographs
- E- Buses
- Auxiliary Generators



10/2, NH-12, Simrai, Post Obedullahganj, Distt. Raisen, Near Bhopal, 464993, India
+91 7480 350001 to 350030 +91 8889983336 info@daulatram.org www.daulatram.com

FLUID CONTROLS®

ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



HIGH PERFORMANCE PRODUCTS. ON TIME. EVERY TIME.

Fluid Controls Private Limited has 50 years of experience in Engineering Connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS-ISO/TS 22163:2017), and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing, and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

- 50 YEARS OF HERITAGE
- IRIS & NABL CERTIFIED
- IN-HOUSE R&D
- OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
- APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS



+91-22-68238000 | railways@fluidcontrols.com | fluidcontrols.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2024-25-2026
आर.एन.आई रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
ISSN 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

Across Borders, Beyond Limits
Our CNC Wheel Lathes, a Symbol of Railway Excellence Worldwide


CNC Portal Wheel Lathe


CNC Underfloor Wheel Lathe


CNC Vertical Turning & Boring Lathe

Malaysia Sri Lanka Turkey Gabon India
France Thailand Ghana Senegal South Africa

hyt

HYT ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स संदीप प्रेस, सी-105/2, नारायणा, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110028 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**